

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 51 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 17 अक्टूबर 2026(शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

## लखनऊ में भाजपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मेयर की सीट को लेकर चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** शुक्रवार, 16 अक्टूबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल की बैठने की व्यवस्था चर्चा का विषय बन गई। उन्हें मंच की पहली पंक्ति के बजाय दूसरी पंक्ति में सुरक्षाकर्मियों के साथ बैठाया गया। वहीं, पहली पंक्ति में राजनाथ सिंह के साथ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह और मीडिया संयोजक मनीष दीक्षित बैठे नजर आए। मेयर की बैठने की व्यवस्था को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। चर्चा है कि मंच पर मौजूद वरिष्ठ भाजपा नेता मेयर की कार्यशैली से नाराज चल रहे हैं। हालांकि, इस कथित नाराजगी को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। ऐसे में मेयर को दूसरी पंक्ति में बैठाए जाने के पीछे का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं है।

## किसानों पर BJP सरकार की इकॉनमिक सर्जिकल स्ट्राइक

# कांग्रेस ने कहा -'उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ करने वाली सरकार किसानों को कर्ज के अंधेरे में धकेल रही है'

## NPK खाद की कीमत 500 रुपये बढ़ाना ऐसा जैसे कोई जुर्म किया हो!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर। गुजरात के 58 लाख से ज़्यादा किसानों और मेहनतकश धरतीपुत्रों के लिए एक और बुरी खबर है। एक तरफ बीज, पेस्टीसाइड और खेती की मजदूरी के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं, वहीं दूसरी तरफ IFFCO ने NPK खाद के दाम सीधे 500 रुपये प्रति बैग बढ़ा दिए हैं, जिससे किसानों के लिए मुश्किल हालात पैदा हो गए हैं। जो बैग 1,950 में मिलता था, उसे अब 2,450 में खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे किसान समुदाय में भारी गुस्सा है। इस गंभीर और ज़रूरी मुद्दे पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर और स्पोक्सपर्सन डॉ. मनीष दोशी ने BJP सरकार पर हमला बोलते हुए एक तीखा सवाल पूछा है 'जो सरकार आंखें बंद करके देश के कई उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ का कर्ज़ माफ़ कर सकती है, वही BJP सरकार दिन-रात पसीना बहाने वाले किसानों का कर्ज़ क्यों नहीं माफ़ कर सकती? '

### किसानों पर दोहरी मार: बढ़ती लागत और सीमित आमदनी

डॉ. मनीष दोशी ने एक प्रेस रिलीज़ के ज़रिए किसानों की तेज़ी से बिगड़ती हालत पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा 25 परसेंट अचानक कीमत में बढ़ोतरी: NPK खाद में 500 रुपये प्रति बैग की स्टैटिस्टिकल बढ़ोतरी का मतलब है सीधे 25' की कीमत में बढ़ोतरी। यह बढ़ोतरी गुजरात के 58 लाख से ज़्यादा किसानों की जेब पर सीधी डकैती जैसी है। खेती की लागत में बेकाबू बढ़ोतरी BJP राज में खाद, बीज, डीज़ल, पेस्टीसाइड और खेती के औज़ार समेत सभी ज़रूरी चीज़ें महंगी हो गई हैं। फसलों के सही दाम न मिलना: एक तरफ इनपुट कॉस्ट लगातार बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ किसानों की फसलों के मार्केट प्राइस पर दबाव है या वे रुके हुए हैं। किसान आज बढ़ती कॉस्ट और घटती इनकम के डबल चक्कर में फंसे हुए हैं।

### खेतों में पसीना बहाने वाले किसानों पर महंगाई की मार, खाद के बढ़ते दामों ने बढ़ाई चिंता; कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा

एक तरफ उद्योगपतियों को हजारों करोड़ की राहत देने के आरोप, दूसरी तरफ खेती की बढ़ती लागत से जूझ रहे किसान




### गुजरात के किसानों पर 74,000 करोड़ से ज़्यादा का कर्ज़ है!

सरकारी बैंकों के आंकड़ों का हवाला देते हुए, कांग्रेस प्रवक्ता ने चौंकाने वाला खुलासा किया कि अकेले गुजरात में खेती के लोन का आंकड़ा 74,000 करोड़ से ज़्यादा हो गया है, जबकि अगर प्राइवेट और दूसरे कर्ज़ों को गिनें, तो यह अंदाज़ा इससे कहीं ज़्यादा है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र और राज्य की BJP सरकार किसानों की इनकम दोगुनी करने के खोखले वादे करती रही, लेकिन असलियत यह है कि GST और बढ़ती फर्टिलाइज़र की कीमतों ने किसानों को गरीबी की ओर धकेल दिया है। कंपनियां इंटरनेशनल रॉ मटेरियल की बढ़ती कीमतों का बहाना बनाकर हाथ खड़े कर देती हैं और सरकार सही सब्सिडी देने के बजाय चुप रहती है। किसानों के हितों के लिए आर-पार की लड़ाई की धमकी आखिर में डॉ. मनीष दोशी ने साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा, 'गुजरात के किसान आज सरकार की नीतियों की वजह से कर्ज की गहरी खाई में धकेले जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी राज्य के 58 लाख किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और गांधी के दिखाए रास्ते पर तब तक आंदोलन जारी रखेगी जब तक खाद की कीमतों में बढ़ोतरी वापस नहीं ले ली जाती और किसानों को सही राहत नहीं मिल जाती। '

## कसारी-मसारी का नाम बदलकर श्रीकृष्ण पुरी करने का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**प्रयागराज।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रयागराज के कसारी-मसारी इलाके का नाम बदलकर श्रीकृष्ण पुरी करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कसारी-मसारी नाम कसाइयों वाला लगता था। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद इलाके का नाम बदलने को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों के कब्जे से मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर गरीब परिवारों के लिए बनाए जाने वाले फ्लैटों का भूमिपूजन भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार अब माफिया के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर गरीबों के लिए आशियाने बना रही है। यह जमीन अब जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के काम आएगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में इस पहल को माफिया के कब्जे से जमीन मुक्त कराने और उसका इस्तेमाल गरीबों के हित में करने से जोड़कर प्रस्तुत किया।



## अनंत सिंह का दावा नीतीश कुमार के समर्थन में गंवाए नौ आदमी, बोले- पार्टी के लिए ऐसी कुर्बानी कोई नहीं दे सकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पटना।** बिहार की राजनीति में जनता दल यूनाइटेड के विधायक अनंत सिंह के बयान से नया विवाद खड़ा हो गया है। मोकामा से विधायक और बाहुबली नेता अनंत सिंह ने दावा किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का समर्थन करने के कारण उन्हें बड़ी कुर्बानी देनी पड़ी थी। अपने बयान में उन्होंने पहले नीतीश कुमार के लिए नौ हत्याएं करवाने की बात कही, लेकिन बाद में सफाई देते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव की सरकार के दौरान नीतीश कुमार का समर्थन करने के कारण उनके नौ आदमी मारे गए थे। अनंत सिंह ने कहा कि जब नीतीश कुमार की राजनीतिक स्थिति मजबूत नहीं थी और वे इधर-उधर घूमते रहते थे, तब भी वह उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पार्टी के लिए कुर्बानी दी है और कोई दूसरा उनकी तरह कुर्बानी नहीं दे सकता। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने बयान का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि नौ लोगों की हत्या करवाने के बजाय उनके नौ लोगों के मारे जाने की बात कर रहे थे अनंत सिंह के इस बयान के बीच बिहार में जदयू की अंदरूनी खींचतान भी चर्चा में आ गई है। विधान परिषद चुनाव में वह अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी नीरज कुमार के खिलाफ जनसुराज के उम्मीदवार अनुज सिंह के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं।




## कृति सेनन के पास अचानक पहुंचा फैन, छूने लगा पैर; एक्ट्रेस ने सहजता से संभाली स्थिति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। वीडियो में एक प्रशंसक अचानक उनके पास पहुंचता है और उनके पैर छूने लगता है। इस अप्रत्याशित घटना के बीच कृति ने स्थिति को सहजता से संभाला। वीडियो सामने आने के बाद एक बार फिर फिल्मी सितारों के प्रति प्रशंसकों की दीवानगी और उनसे मिलने के दौरान सामने आने वाले ऐसे पलों की चर्चा शुरू हो गई है। फिल्मी कलाकारों के प्रशंसक अक्सर अपने पसंदीदा सितारों से मिलने के लिए उत्साहित नजर आते हैं। कोई उनके साथ तस्वीर खिंचवाने की कोशिश करता है, तो कोई बातचीत कर अपनी खुशी जाहिर करता है। भारतीय परंपरा में पैर छूना सम्मान और आदर प्रकट करने का एक तरीका माना जाता है। कृति सेनन के साथ हुई इस घटना को भी प्रशंसक के इसी भाव से जोड़कर देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में एक प्रशंसक कृति सेनन के पास पहुंचकर अचानक उनके पैर छूने लगता है।



## परविंदर झोटा हत्याकांड पर केंद्र की एंट्री, अमित शाह ने पंजाब सरकार से मांगा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मानसा।** पंजाब में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या का मामला अब केंद्र और राज्य सरकार के बीच राजनीतिक टकराव का मुद्दा बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस हत्याकांड के साथ दिड़बा में गुलजार सिंह के जहर खाने की घटना को लेकर पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा। वहीं, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शाह के बयान पर पलटवार किया है। इस बीच केंद्र सरकार ने दोनों घटनाओं को लेकर पंजाब सरकार से जवाब मांगा है। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब नशे, गैंगस्टरवाद और संगठित अपराध के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि भगवंत मान सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। शाह के मुताबिक, राज्य में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है और नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शाह ने मानसा में परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हत्या और दिड़बा में गुलजार सिंह के जहर खाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि परविंदर के पिता भीम सिंह ने आम आदमी पार्टी की सरकार और स्थानीय विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भीम सिंह ने कथित तौर पर नशा तस्करों को सरकार और विधायक विजय सिंगला की शह मिलने का आरोप लगाया था। ये आरोप हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि इस जानकारी में नहीं दी गई है। शाह ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय दोनों घटनाओं पर पंजाब सरकार से जवाब मांगेगा। उन्होंने पंजाब में भाजपा की सरकार बनने की स्थिति में नशे और गैंगस्टरवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का संकल्प भी दोहराया। उनके मुताबिक, लक्ष्य नशामुक्त, गैंगस्टरमुक्त और सुरक्षित पंजाब बनाना, युवाओं के भविष्य की रक्षा करना और अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाना है। अमित शाह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में नशा अदाणी पोर्ट के रास्ते फैला और गैंगस्टरों को संरक्षण देकर गैंगस्टरवाद को बढ़ावा दिया गया। केजरीवाल ने भाजपा पर पंजाब में नशे के कारोबार से कमाई करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। केजरीवाल ने अपनी प्रतिक्रिया में वर्ष 2007 से 2017 के दौरान पंजाब में नशे की समस्या का जिक्र करते हुए भाजपा और उसके राजनीतिक सहयोगियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में लंबे समय से भाजपा की सरकारें हैं, वहां भी नशे की समस्या पर जवाब देना चाहिए।




## बोले- युवाओं को भटकाकर सत्ता परिवर्तन की कोशिश कर रहा विपक्ष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष युवाओं को भटकाकर देश में अराजकता का माहौल बनाने और लोकतांत्रिक तरीके के बजाय दबाव के जरिए सरकार बदलने की कोशिश कर रहा है। राजनाथ सिंह ने विपक्ष की रणनीति की तुलना बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन से करते हुए दावा किया कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना और देश में अस्थिरता पैदा करना है। रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी समाजवादी पार्टी के समर्थन के बिना रायबरेली लोकसभा सीट जीत सकते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की लंबे समय से सत्ता से दूरी का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी को चुनाव में मिली हार का कारण वोट चोरी नहीं, बल्कि काम चोरी है। राजनाथ सिंह के इन बयानों के बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया। उनके मुताबिक, लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना और देश में अस्थिरता पैदा करना विपक्ष की राजनीति का हिस्सा बन गया है।



## जलस्तर अधिक होने और मजदूरों की वापसी नहीं होने से काम में देरी, पिछले वित्तीय वर्ष में दोनों नदियों से मिला था करीब 227 करोड़ रुपये का राजस्व

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**हल्द्वानी।** कुमाऊं मंडल की जीवनरेखा कही जाने वाली गौला और नंधौर नदियों में नए खनन सत्र की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वित्तीय वर्ष के तहत 1 अक्टूबर से उपखनिज निकासी का नोटिफिकेशन जारी हो चुका है, लेकिन नदियों में अभी भी पानी का स्तर अधिक होने और मजदूरों के नहीं लौटने के कारण खनन कार्य शुरू नहीं हो पाया है। वन विभाग और कार्यदायी संस्थाओं की ओर से खनन गेटों तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम तेजी से किया जा रहा है। तैयारियां तेज, वाहन स्वामियों को निर्देश तराई पूर्वी वन प्रभाग के डीएफओ राहुल मिश्रा ने बताया कि वन विकास निगम की ओर से खनन शुरू कराने के लिए जरूरी तैयारियां की जा रही हैं। खनन गेटों पर स्थापित कांटों यानी वेब्रिज, नेटवर्क व्यवस्था और कार्यालयों को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है। विभाग की ओर से सीमांकन का कार्य पूरा होते ही खनन गतिविधियों को सुचारू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ ही खनन कारोबार से जुड़े वाहन स्वामियों को अपने वाहनों की फिटनेस और अन्य जरूरी दस्तावेज समय रहते पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि खनन शुरू होने के बाद किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। फिलहाल नदी में पानी अधिक होने और मजदूरों की उपलब्धता नहीं होने के कारण खनन शुरू होने में समय लग रहा है।




## पिता को आंखों के सामने मारीं 8 गोलियां, दिव्यांग बेटा बोला- मैं देखता रह गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आरा।** बिहार के भोजपुर जिले में गुरुवार सुबह एक रिटायर्ड अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 75 वर्षीय राम कुमार सिंह के रूप में हुई है, जो रिटायर्ड असिस्टेंट कमिश्नर होने के साथ बिहार क्षत्रिय कल्याण संगठन के अध्यक्ष भी थे। वह सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे, तभी अपाचे बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए उनके शरीर में आठ गोलियां उतार दीं। वारदात के समय उनका 45 वर्षीय दिव्यांग बेटा राजेश कुमार उर्फ पप्पू भी उनके साथ था और उसने अपने पिता को आंखों के सामने दम तोड़ते देखा। घटना नवादा थाना क्षेत्र के जैन कॉलेज के पास कनकपुरी मोहल्ले की बताई गई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हत्या के पीछे 7.15 करोड़ रुपये के जमीन विवाद की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, वारदात के वास्तविक कारणों और आरोपियों की भूमिका को लेकर जांच के निष्कर्ष सामने आना बाकी है। पिता की हत्या के बाद राजेश कुमार गहरे सदमे में हैं। उन्होंने अपने पिता के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा, 'डैड को मेरे सामने गोलियों से छलनी कर दिया गया। मैं देखता रह गया। डैड मुझे बहुत मानते थे। मुझे अकेला नहीं छोड़ते थे। हर दिन सुबह घुमाने ले जाते थे। छोटी-छोटी बातों का ख्याल और मेरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेकर चलते थे, मुझे कोई परेशानी न हो। ' राजेश के मुताबिक, उनके पिता हर दिन उनकी जरूरतों का ध्यान रखते थे और उन्हें अकेला नहीं छोड़ते थे। पिता-पुत्र के बीच गहरा लगाव था। जिस व्यक्ति ने हमेशा उनकी देखभाल की, उसी को अपनी आंखों के सामने खो देने का दर्द उनके बयान में साफ झलकता है। जानकारी के मुताबिक, राम कुमार सिंह सुबह मॉर्निंग वॉक पर जाने की तैयारी कर रहे थे। वह गैराज से कार निकालकर शटर बंद करने के बाद गाड़ी में बैठने जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए अपाचे बाइक सवार तीन अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। बताया गया है कि दो हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। राम कुमार सिंह के पेट और सीने में छह गोलियां लगीं, जबकि एक गोली दाहिने हाथ के नीचे और दूसरी गर्दन के बाईं ओर लगी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सुबह के सन्नाटे का फायदा उठाकर फरार हो गए। दिन की शुरुआत में हुई इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के परिवार और आसपास के लोगों में आक्रोश फैल गया।




## छह दिन में दूसरी बार पुलिस ने दीपके को लिया हिरासत में; ममता बनर्जी ने कार्रवाई पर उठाए सवाल, सीजेपी ने लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दीपके तिरंगा रैली में शामिल होने के लिए कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क जा रहे थे। पिछले छह दिनों में यह दूसरी बार है, जब दीपके को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इससे पहले 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले उन्हें विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन उन्हें छोड़ दिया गया था। नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है। इसके तहत प्रशासन की ओर से जारी आदेशों के अनुसार लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसके बावजूद कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क के आसपास सीजेपी समर्थकों के जुटने की जानकारी सामने आई। इसी बीच तिरंगा रैली में शामिल होने जा रहे दीपके और आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा को हिरासत में लिए जाने से राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अभिजीत दीपके को हिरासत में लिए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दीपके को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हाथ में रखने के लिए हिरासत में लिया गया है। ममता बनर्जी ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़ते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत में युवाओं को शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने पर हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने इस स्थिति को अघोषित आपातकाल जैसा बताते हुए आरोप लगाया कि असहमति से डरने वाली सरकार पूरी पीढ़ी को चुप कराने के लिए डराने की कोशिश कर रही है। उनके बयान के बाद इस कार्रवाई को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई। कॉकरोच जनता पार्टी ने अभिजीत दीपके की हिरासत पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि उन्हें केवल इसलिए हिरासत में लिया गया, क्योंकि वह राष्ट्रीय ध्वज लेकर निर्धारित स्थान की ओर जा रहे थे। पार्टी के अनुसार, यह कार्रवाई दर्शाती है कि प्रशासन को किसी संभावित अव्यवस्था से ज्यादा आम नागरिकों के हाथों में तिरंगे की शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ताकत से डर है। सीजेपी ने इस घटनाक्रम को नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया है। अभिजीत दीपके जिस स्थान पर ठहरे हुए थे, वहां पुलिस पहुंची थी। इस दौरान दीपके और पुलिसकर्मियों के बीच बहस होने की बात सामने आई है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, दीपके ने पुलिस की कार्रवाई और उनके खिलाफ की जा रही प्रक्रिया पर नाराजगी जताई। दीपके ने कथित तौर पर कहा, 'आप अपनी मर्जी से जो मन में आ रहा है, वही लिख रहे हैं। यह बेतुका है। फांसी पर चढ़ा दो ना। क्या मजाक है ये? '



## कलोल में बदमाशों का उत्पातः गरबा पास लेने गए दो मासूम युवकों पर डंडों से जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** गांधीनगर जिले के कलोल शहर में एक बहुत ही सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। नवरात्रि के पावन त्योहार के मौके पर गरबा पास लेने गए दो मासूम युवकों पर स्थानीय बदमाशों और असामाजिक तत्वों ने अचानक हमला कर दिया और मारपीट की। यहीं नहीं, आतंकित तत्वों ने युवकों की चार पहिया गाड़ी को भी जलाकर राख कर दिया, जिससे पूरे कलोल पंथक में भारी दहशत और डर का माहौल बन गयामिली जानकारी के मुताबिक, कलोल में रहने वाले दो युवक गरबा पास लेने गए थे। इसी बीच अचानक मनचलों से उनकी हाथापाई हो गई, जिन्हें कानून का कोई डर नहीं था। देखते ही देखते ये मनचलें भड़क गए और उन पर अंधाधुंध हमला कर दिया, जिससे आपराधिक मानसिकता का परिचय मिला। बदमाशों ने हाथों में बेल्ट और लकड़ी के डंडे जैसे जानलेवा हथियार लेकर युवकों पर अंधाधुंध हमला करना शुरू कर दिया। मारपीट के दौरान खून से लथपथ युवक जान बचाने के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन बेकाबू हो चुके बदमाशों ने उन्हें लहूलुहान हालत में छोड़ दिया। हमलावरों का आतंक इतने पर भी कम नहीं हुआ। अपनी हेकड़ी और डर दिखाने के लिए उन्होंने युवकों की लाई कार पर हमला कर दिया और उसे आग लगा दी। जली हुई कार देखते ही देखते जलकर राख हो गई। पब्लिक रोड पर हुई इस घटना से आसपास के लोगों में भारी दहशत और डर फैल गया।

## दुकानों के सामने गैर-कानूनी तरीके से बने शेड-पाइप और साइज़ स्टैंड पर चला नगर निगम का बुलडोज़र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वडोदरा।** वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की प्रेशर ब्रांच की टीम ने कल्चरल सिटी वडोदरा के बीचों-बीच और हलचल वाले मंगल बाजार इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ा ऑपरेशन किया है। नगर निगम ने मंगल बाजार में दुकानदारों और व्यापारियों द्वारा लंबे समय से सड़कों पर बनाए गए गैर-कानूनी शेड, लोहे के पाइप और साइज स्टैंड पर सख्त कार्रवाई की है और पूरे इलाके को खुलवा दिया है। नगर निगम की इस अचानक कार्रवाई से नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों में भारी हंगामा और भीड़भाड़ मच गई। मंगल बाजार में हर दिन हजारों लोग शॉपिंग करने आते हैं। लेकिन कुछ व्यापारियों ने अपनी दुकानों के सामने गैर-कानूनी तरीके से लोहे के पाइप लगा रखे थे और बड़े-बड़े शेड बना रखे थे। यहीं नहीं रुके, उन्होंने कपड़े और दूसरा सामान दिखाने के लिए सड़कों के किनारे साइज़ स्टैंड भी लगा दिए थे, जिससे सड़कें बहुत संकरी हो गई थीं। जिससे खरीदारी करने आने वाले ग्राहकों, पैदल चलने वालों और गाड़ी चलाने वालों को भारी ट्रैफिक जाम और परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर निगम के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर दुकानों के सामने पड़े सभी लोहे के पाइप, शेड स्ट्रक्चर और साइज़ स्टैंड जब्त कर लिए और सड़क पर अतिक्रमण कर दबावों को हटा दिया।

## दिल्ली के हृदयसमा कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' कार्यक्रम होने से पहले ही हाई-वोल्टेज ड्रामा

महानगर मेट्रो ब्यूर

**दिल्ली।** शुक्रवार शाम देश की राजधानी दिल्ली के बेहद हलचल भरे और संवेदनशील इलाके कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में काफी राजनीतिक गहमागहमी और हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला. कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपक ने सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' नाम से एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की थी. लेकिन,



उनके कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले ही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया, जिससे राजनीतिक गलियारों में सनसनी फैल गई. मिली खबरों के मुताबिक, कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपक 'लहरा दो तिरंगा' कार्यक्रम आयोजित करने की पूरी तैयारी के साथ हाथ में राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) लेकर निकले थे. जैसे ही वह NCP (शरद पवार गुट) के प्रवक्ता अनीश गवांडे के घर से निकले, वहां पहले से तैनात पुलिस टीम ने उन्हें तुरंत घेर लिया। पुलिस ने अभिजीत दीपक को बिना कोई मौका दिए मौके से ही हिरासत में ले लिया और उन्हें तुरंत पुलिस गाड़ी में ले जाया गया। कॉनॉट प्लेस सेंट्रल पार्क छावनी में तब्दील, सुरक्षा के कड़े इंतजाम अभिजीत दीपक के ऐलान के बाद, दिल्ली पुलिस ने किसी भी अनहोनी या कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने से रोकने के लिए पहले से ही कॉनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर रखे थे। सेंट्रल पार्क और उसके आसपास के इलाकों में पुलिस का काफिला तैनात कर दिया गया था। NCP शरद पवार गुट के प्रवक्ता के घर से अभिजीत दीपक की इस अचानक गिरफ्तारी से दिल्ली की राजनीति में बड़ी बहस छिड़ गई है। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में काफी गुस्सा है। यह मामला सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है क्योंकि विरोध प्रदर्शन या कार्यक्रम करने की इजाजत नहीं है और पुलिस की इस कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

## कपडवंज की राजनीति में विपक्ष के साथ बड़ा हंगामाः गोपालपुरा के दिग्गज BJP नेताओं ने भगवा छोड़कर कांग्रेस का दामन थामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**कपडवंज।** खेड़ा जिले की राजनीति में काफी चर्चा और सत्ताधारी पार्टी के लिए बड़ा झटका देने वाला एक राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। कपडवंज तालुका के गोपालपुरा इलाके के कुछ सक्रिय और प्रभावशाली BJP नेताओं ने भगवा पट्टा उतारकर औपचारिक रूप से कांग्रेस का दामन थाम लिया है। इन सभी नेताओं ने विधानसभा चुनाव और स्थानीय राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाले बिमल शाह की खास मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया, जिससे कपडवंज पंथक की राजनीति गरमा गई है। पार्टी बदलने के इस अहम मौके पर पवित्रता और आस्था का अनोखा त्रिवेणी संगम देखने को मिला। कांग्रेस में शामिल होने से पहले, सभी नेताओं के साथ-साथ बिमल शाह ने भी भगवान श्री रामदेवजी और भगवान श्री रणछोड़रायजी के चरणों में माथा टेका और दर्शन-पूजन किया। भगवान का आशीर्वाद लेने के बाद, उन्होंने जनसेवा के इस नए रास्ते पर आगे बढ़ने का संकल्प जताया। धार्मिक आस्था के साथ की गई इस राजनीतिक एंट्री से मौजूद कार्यकर्ताओं में एक नए जोश और संचार का संचार हुआ। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बिमल शाह ने पार्टी में शामिल हुए सभी BJP नेताओं का धागे की माला और कांग्रेस का पटका पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर बिमल शाह ने कहा कि आज लोग अपनी समस्याओं के समाधान और इलाके के सच्चे विकास के लिए कांग्रेस की तरफ उम्मीद से देख रहे हैं। BJP की नीतियों और संगठन की अनदेखी से तंग आकर गोपालपुरा इलाके के नेताओं ने कांग्रेस की विचारधारा और परंपरा में विश्वास जताया है, जिससे पार्टी संगठन और मजबूत और तेज होगा।

# 23 सेकंड में चाकू के 13 वार, एक भयानक अंत!

**महनगर मेट्रो स्पेशल रिप्रेजेंटेटिवः**

**सत्ता के गलियारों में हलचल**

**फाइलों में विकास, जमीन पर सवाल!**
**आखिर किसकी जेब भर रहा सरकारी खजाना?**

## सिर्फ़ 23 सेकंड में खेला गया क्रूरता का खूनी खेलः धारदार हथियार से किया गया हमला, पूरे राज्य में डर और दहशत का माहौल




महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गुजरात में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए और देखने वालों को सिहरन पैदा करते हुए एक बहुत ही सनसनीखेज और दर्दनाक हत्या की घटना सामने आई है। इस दिल दहला देने वाली घटना में, हमलावर ने सिर्फ़ 23 सेकंड के छोटे से समय में एक बेगुनाह व्यक्ति को 13 बार चाकू मारकर उसका बहुत ही भयानक और क्रूर अंत कर दिया। दिनदहाड़े खेले गए इस खूनी खेल ने स्थानीय लोगों को हैरान कर दिया है और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई है।

### पहले से तय साज़िश या कोई बुरी रंजिश?

मिली जानकारी के मुताबिक, यह भयानक घटना किसी अचानक हुई कहासुनी का नतीजा नहीं है, बल्कि एक क्रूर साज़िश का हिस्सा लग रही है। हमलावर ने पहले से ही पीड़ित की जासूसी की थी और उसे अकेला देखकर सड़क पर रोक लिया। इससे पहले कि पीड़ित कुछ समझ पाता या अपना बचाव करने की कोशिश करता, आरोपी ने हाथ में लिए धारदार चाकू से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हैवानियत से भरे आरोपी ने पीड़ित के शरीर के नाजुक हिस्सों पर एक के बाद एक 13 गहरे घाव कर दिए। CCTV में कैद हुए दिल दहला देने वाले पल यह पूरा हत्याकांड पास के CCTV कैमरे में कैद हो गया है। वायरल फुटेज में दिख रहा मंजर इतना भयानक है कि कमजोर दिमाग वाला भी इसे नहीं देख सकता। कैमरे की टाइमलाइन के मुताबिक, हमलावर के हमला शुरू करने से लेकर पीड़ित के जमीन पर गिरने तक सिर्फ 23 सेकंड लगे। 23 सेकंड के अंदर हमलावर ने पूरे इलाके में 13 बार चाकू से वार किया, जिससे वह खून से लथपथ हो गया। असहनीय दर्द और बहुत ज्यादा खून बहने से पीड़ित ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

**पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा:** जांच जोरों पर जैसे ही खून से लथपथ लाश और घटना की खबर मिली, सीनियर पुलिस अधिकारियों समेत एक बड़ा पुलिस काफिला मौके पर पहुंचा। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी और डॉग स्क्वॉड की टीमों को बुलाया गया है और मौके से ब्लड सैंपल और ज़रूरी सबूत इकट्ठा किए गए हैं। मृतक की बॉडी को कब्जे में लेकर पंचनामा करने के बाद, उसे PM (पोस्टमॉर्टम) के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

### आरोपी को पकड़ने के लिए चक्र गतिमान

**पुलिस ने ष्टष्टज्ञङ्क फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान बताई है और उसे गिरफ्तार करने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं और इलाके को घेर लिया है। शुरुआती अंदाज़े के मुताबिक, इस हत्या के लिए कोई पुरानी आपसी रंजिश, पैसे का लेन-देन या छोटा-मोटा झगड़ा ज़िम्मेदार हो सकता है। खुलेआम खेले गए इस बेरहम खेल से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा और डर है। पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी, चाहे वह कहीं भी छिपा हो, कुछ ही घंटों में पकड़ा जाएगा और उसे सख्त से सख्त कानूनी सज़ा दी जाएगी।**

## जेतपुर के खारचिया गांव में सोलर प्लांट से केबल चोरी का मामला सुलझाः LCB ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजकोट।** राजकोट रूरल लोकल क्राइम ब्रांच ने राजकोट रूरल के जेतपुर तालुका में खारचिया गांव के पास 'नर्जी प्राइवेट लिमिटेड' के सोलर प्लांट से 12.48 लाख रुपये कीमत के 16 ड्रम सोलर ष्ठष्ट केबल की चोरी के अनसुलझे मामले को सुलझा लिया है और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों से चोरी की गई केबल समेत कुल 21,62,840 रुपये का सामान जब्त किया गया है। पूछताछ में पुलिस ने बताया कि उन्होंने दूसरे इलाकों में सोलर प्लांट से भी केबल चोरी करना कबूल किया है। पुलिस की जानकारी के मुताबिक, 11 अक्टूबर 2026 को दोपहर 1 से 7 बजे के बीच, अनजान लोगों ने खारचिया गांव के पास एक सोलर प्लांट से 16 ड्रम में रखी कुल 16,000 मीटर केबल चुरा ली। प्लांट मैनेजर की शिकायत के आधार पर जेतपुर तालुका पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। और टेक्निकल जांच के ज़रिए आरोपियों तक पहुंची राजकोट रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस निर्लिप्ता राय और राजकोट रूरल के सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस विजयसिंह गुर्जर के गाइडेंस में लोकल क्राइम ब्रांच ने जांच की। सोलर प्लांट के आस-पास और आरोपियों के भागने के लिए इस्तेमाल किए गए मुमकिन रास्तों पर फुटेज की जांच की गई। फुटेज के आधार पर गाड़ी की पहचान की गई और टेक्निकल जानकारी इकट्ठा की गई। उसके बाद, गाड़ी के मालिक और क्राइम में शामिल लोगों तक पहुंचा गया और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में दशरथ उर्फ दस्सो माधभाई संखत निवासी ताली गांव, भावनगर), महेश विजाभाई बरैया (उम्र 25, निवासी मेथल गांव, भावनगर), प्रकाश उर्फ पाको बदुभाई बरैया (उम्र 29, निवासी मेथल गांव, भावनगर), प्रवीण गणेशभाई शेयल (उम्र 36, निवासी मेथल गांव, भावनगर) और विशाल धर्मशीभाई भालिया (उम्र 21, निवासी परतापारा गांव, भावनगर) शामिल हैं पुलिस द्वारा जब्त किए गए सामान में आठ ड्रमों में 8,000 मीटर केबल, जिसकी कीमत 6.24 लाख रुपये है; अलग-अलग लंबाई के सोलर केबल के टुकड़ों से भरे आठ प्लास्टिक बैग, जिनका वजन 300 किलोग्राम है, जिनकी कीमत 3 लाख रुपये है; तांबे के तारों से भरे चार बैग, जिनका वजन 139.2 किलोग्राम है, जिनकी कीमत 2,01,840 रुपये है; एक बोलेरो पिकअप गाड़ी, जिसकी कीमत 1,00,000 रुपये है। पुलिस ने बताया है कि इन सभी चीज़ों की कुल कीमत 21,62,840 रुपये है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक महेश बरैया गुजरात के अलग-अलग जिलों में सोलर पैनल की स्ट्रक्चर फिटिंग का काम करता था और इसलिए उसे सोलर प्लांट में इस्तेमाल होने वाले इक्विपमेंट और केबल के बारे में जानकारी थी। जांच में पता चला है कि उसने केबल में कॉपर की कीमत को ध्यान में रखकर चोरी करने के लिए दूसरे लोगों



के साथ एक गैंग बनाया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दिन में सड़क के पास सोलर प्लांट की रेकी करते थे। उनके काम करने का तरीका यह सामने आया है कि वे स्क्रैप खरीदने के बहाने प्लांट के अंदर की हालत के बारे में जानकारी लेते थे और फिर देर रात केबल ड्रम चुराकर गाड़ियों में ले जाते थे। दूसरे सोलर प्लांट से भी चोरी करना कबूला पुलिस ने बताया है

## चेन्नई के दूसरे धर्म के विधर्मी युवक ने इंस्टाग्राम पर प्यार का जाल फैलाकर लड़की को 10 दिन तक होटल में रखा और उसके साथ रेप किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** सांस्कृतिक शहर अहमदाबाद में सोशल मीडिया के ज़रिए लड़कियों का शोषण करने का एक और चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। इंस्टाग्राम पर दोस्ती करके और शादी का लालच देकर चेन्नई के एक विधर्मी युवक ने अहमदाबाद की एक भोली-भाली लड़की को अपने प्यार के जाल में फंसा लिया। उसके बाद इस पापी आदमी ने लड़की को लगातार 10 दिन तक होटल के कमरे में बंधक बनाकर रखा और उसकी मर्ज़ी के खिलाफ उसका शारीरिक शोषण करके बार-बार रेप किया। इस मामले में घाटलोडिया पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई की और आरोपी को सलाखों के पीछे भेज दिया। इंस्टाग्राम की दोस्ती बनी ज़हरः जाल में फंसी मासूम लड़की मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद के घाटलोडिया



इलाके में रहने वाली एक लड़की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर चेन्नई के दूसरे धर्म के एक युवक के संपर्क में आई। शुरुआत में युवक ने मीठी-मीठी बातें, झूठी पहचान और गुमराह करने वाले दावे करके लड़की से गहरी दोस्ती कर ली। समय के साथ, हवस के प्यासे युवक ने लड़की को अपने प्यार के जाल में फंसा लिया और उससे शादी करने के बड़े-बड़े वादे किए। लड़की उसकी बातों पर अंधविश्वासी थी, जिसका फ़ायदा विधर्मी युवक ने उठाया और उसे मिलने के लिए बुलाया। 10 दिनों तक होटल में रखकर किया घिनौना रेप जब लड़की युवक से मिलने पहुंची, तो युवक ने अपना असली चेहरा दिखा दिया। आरोपी युवक लड़की को एक होटल में ले गया, जहां उसने कमरा बाहर से बंद कर दिया और उसे लगातार 10 दिनों तक बंधक बनाकर रखा। जब लड़की ने घर या बाहर उससे संपर्क करने की कोशिश की, तो उसे डरा-धमकाकर कमरे में बंद कर दिया गया। इन 10 दिनों में, उस आदमी ने लड़की को शादी का झूठा वादा करके और ज़बरदस्ती बार-बार रेप किया। 10 दिनों तक हैवानियत का शिकार हुई लड़की किसी तरह उसके चंगुल से भाग निकली और अपने घर पहुँचकर अपने परिवार को आपबीती बताई। पूरा खुलासा होते ही हैरान परिवार ने बिना देर किए घाटलोडिया पुलिस स्टेशन से कॉन्टैक्ट किया।

## भावनगर में शिक्षा जगत को बड़ा झटकाः पावरफुल इंचार्ज प्रिंसिपल का आखिरकार ट्रांसफर हो गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भावनगर।** ज्ञान और संस्कृति की नगरी माने जाने वाले भावनगर शहर और जिले के शिक्षा जगत में आज भूकंप जैसा माहौल बन गया है। शिक्षा अधिकारी और शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारियों ने आखिरकार एक बहुत चर्चित और विवादित इंचार्ज प्रिंसिपल पर बड़ी चोट की है, जो अपनी एडमिनिस्ट्रेटिव पावर और ऊंचे राजनीतिक और एडमिनिस्ट्रेटिव कनेक्शन के दम पर लंबे समय से जमे हुए थे। बार-बार गंभीर शिकायतों और बड़े पैमाने पर विरोध के बाद, हाई लेवल से इस इंचार्ज प्रिंसिपल को तुरंत प्रभाव से अंदर ही अंदर ट्रांसफर करने के सख्त आदेश ने शिक्षा जगत, सरकारी दफ्तरों और लोकल पॉलिटिक्स में बड़ी हलचल मचा दी है। मनमाना एडमिनिस्ट्रेशन, तानाशाही और ढेर सारी शिकायतें मिली जानकारी के मुताबिक, भावनगर के संबंधित एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन में काम कर रहे इस इंचार्ज प्रिंसिपल के खिलाफ लंबे समय से स्कूल के अंदरूनी एडमिनिस्ट्रेशन में गंभीर गड़बड़ियों, अपनी मनमानी पॉलिसी थोपने, डिसिप्लिन के नाम पर टीचरों और दूसरे कर्मचारियों को परेशान करने और स्टाफ के साथ गलत व्यवहार करने को लेकर टॉप लेवल पर कई शिकायतें मिल रही थीं। चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया था कि वह अपने पद और एफिलिएशन की ताकत से पहले भी कई जांचों और विवादों को दबाने में कामयाब रहे हैं। चूंकि इस ताकतवर इंचार्ज प्रिंसिपल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी, इसलिए स्टाफ और एजुकेशन सर्कल में काफी नाराजगी और गुस्सा उबल रहा था हाल ही में स्कूल में हुई कुछ विवादित घटनाओं और स्टाफ द्वारा सबूतों के साथ एजुकेशन डिपार्टमेंट को दी गई तीखी शिकायतों के बाद, बड़े अधिकारियों ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन की सीमाओं और स्टूडेंट्स के भविष्य को ध्यान में रखते हुए, हायर एडमिनिस्ट्रेशन ने आखिरकार एजुकेशन ऑफिसर और एजुकेशन डिपार्टमेंट के मैनुअल के अनुसार आंखें मूंद लीं बिना किसी पॉलिटिकल सिफारिश या दबाव में आए, एडमिनिस्ट्रेशन ने तुरंत इस पावरफुल इंचार्ज प्रिंसिपल के इंटरनल ट्रांसफर का ऑर्डर भेज



दिया है। जैसे ही इंचार्ज प्रिंसिपल के ट्रांसफर की खबर जंगल में आग की तरह फैली, स्कूल के टीचर, नॉन-टीचिंग स्टाफ और स्टूडेंट्स के पेरेंट्स में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने राहत की सांस ली क्योंकि लंबे समय से चली आ रही तानाशाही, मेंटल टॉर्चर और मनमानी एडमिनिस्ट्रेशन का आखिरकार अंत हो गया। एजुकेशन डिपार्टमेंट के इस बोल्ड और सख्त कदम का एजुकेशन जगत के एक्सपर्ट और पेरेंट्स ने स्वागत किया है। एडमिनिस्ट्रेशन की इस सख्त कार्रवाई से यह साफ मैसेज गया है कि सरकारी या एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में पावर का गलत इस्तेमाल, मनमानी या दादागिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

**17 साल के कब्ज़े और परेशान करने का अंत, जिस प्लॉट पर भानु भरवाड़ दुकानें किराए पर देकर लाखों कमाते थे, वहां माताजी के गरबा की गूंज**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नडियाद।** अपनी चरागाह ज़मीन और शिक्षा-बिज़नेस के लिए मशहूर नडियाद शहर से एक बहुत ही सनसनीखेज और रोमांचक घटना सामने आई है, जिसने ज़मीन विवाद, बदमाशी और असामाजिक तत्वों के साम्राज्य को हिलाकर रख दिया है। नडियाद के एक चर्चित प्लॉट पर पिछले 17 सालों से कानून को नज़रअंदाज़ करके अपनी सरकार चला रहे भानु भरवाड़ के काले साम्राज्य को आखिरकार बड़ा झटका लगा है। उसी प्लॉट पर जहां भानु भरवाड़ गैर-कानूनी तरीके से दुकानें बनाकर मनमाना किराया वसूलते थे और अपना बिज़नेस चलाते थे, 17 साल बाद माताजी के गरबा की भक्ति से गूंज रहे माफिया और दबाव बनाने वालों के बीच भारी हंगामा और भूकंप जैसा माहौल है। 17 साल का काला साम्राज्य और भानु भरवाड़ की मनमानी मिली जानकारी के मुताबिक, नडियाद में इस विवादित प्लॉट पर लंबे समय से गैर-कानूनी तरीके से कब्ज़ा किए हुए भानु भरवाड़ ने कानून और प्रशासन को घुटनों पर लाने की पूरी कोशिश की थी। इस प्लॉट पर गैर-कानूनी तरीके से कब्ज़ा करके उसने कमर्शियल दुकानें बना ली थीं। पिछले 17 सालों से भानु भरवाड़ इन दुकानों को किराए पर देकर रेगुलर मोटा किराया कमा रहा था और आम लोगों या असली मालिकों को अपने ही प्लॉट पर कदम नहीं रखने देता था। ज़मीन के झगड़े और क्रिमिनल बैकग्राउंड से जुड़े इस मामले में आखिरकार सच की जीत हुई है।

**छोटाउदेपुर के अचला गांव की पहाड़ी पर नवरात्रि का अनोखा नज़ारा**

**एक रहस्यमयी गुफा और शिवलिंग दिखने से गरबा का मज़ा शुरू हो गया**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**छोटाउदेपुर।** ज़िले में तेजगढ़ के पास अचला गांव की पहाड़ी पर चल रहे नवरात्रि उत्सव के दौरान एक अनोखा और दिव्य भक्ति का नज़ारा सामने आया है। प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक आस्था से घिरी इस पहाड़ी पर रात में माताजी की पूजा के साथ गरबा शुरू होने से पूरे इलाके के भक्तों में बहुत हैरानी और उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय लोककथाओं के अनुसार, इस पहाड़ी इलाके को 'तेजबाई रानी की पहाड़ी' के नाम से जाना जाता है। इस पवित्र पहाड़ी की चोटी पर मां महाकाली की एक शानदार मूर्ति स्थापित है। इसके साथ ही, यहां एक रहस्यमयी प्राचीन गुफा और एक पवित्र शिवलिंग भी मौजूद है, जो इस जगह के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को बढ़ाता है। नवरात्रि` मौके पर रात के घने अंधेरे के बीच पहाड़ी पर जगमगाते दीयों की रोशनी और माताजी के गरबा की गूंजती आवाज़ों ने पूरे माहौल को भक्ति से भर दिया है। हालांकि पहाड़ी की चढ़ाई मुश्किल और दुर्गम है, लेकिन आसपास के गांववालों समेत बड़ी संख्या में भक्त मां महाकाली में अपनी अटूट आस्था के कारण पहाड़ी की चोटी पर पहुंच रहे हैं। छोटा उदेपुर पंथक में पहली बार पहाड़ी की ऊंचाई पर इस तरह के भक्ति गरबा के आयोजन ने पंथक में आस्था का एक नया केंद्र बना दिया है।



## सने जनवरी 2024 से किराया देना बंद कर दिया और घर खाली करने से मना कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर के निकोल के सिंगरवा इलाके में अमरनाथ पार्क में 4500 रुपये महीने किराए के घर पर गैर-कानूनी तरीके से कब्ज़ा करने के आरोप में एक मां-बेटे के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। जिसमें उन्होंने जनवरी 2024 से किराया देना बंद कर दिया और घर खाली करने से मना कर दिया। बापूनगर इंडिया कॉलोनी के रहने वाले जितेंद्र कुमार वसोया सुमेल-7 में टूल ट्रेडर हैं। उन्होंने इसे साल 2018 में सिंगरवा में मिले एक डॉक्यूमेंट से खरीदा था। साल 2019 में यह घर शारदाबेन रमेशभाई रावल को किराए पर दिया गया था। साल 2019 से 2023 तक परिवार रेंटल एग्रीमेंट साइन करके रेगुलर किराया देता था। लेकिन, जनवरी 2024 से शारदाबेन और उनके बेटे पिंटूभाई रावल ने किराया देना बंद कर दिया था। मकान मालिक ने कई बार खुद जाकर बकाया किराया देने और घर खाली करने की रिक्वेस्ट की, लेकिन दोनों ने घर खाली करने से मना कर दिया और गैर-कानूनी कब्ज़ा बनाए रखा। इसलिए, जितेंद्र कुमार ने डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस में लैंड ग्रैबिंग कमेटी के सामने अर्जी दी।

## राहुल गांधी, कांग्रेस और CJP मुर्दाबाद के नारे, कैंटीन से गेट तक रैली; कहा 'संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर अराजकता फैलाई जा रही है'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गुजरात यूनिवर्सिटी में राहुल गांधी, कांग्रेस और CJP के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

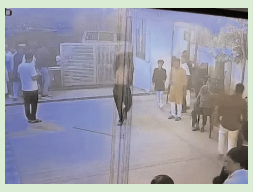


अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आरोप लगाया है कि संवैधानिक संस्थाओं इलेक्शन कमिश्नर और सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाकर देश में अराजकता फैलाई जा रही है। बड़ी संख्या में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने बैनर और पोस्टर लेकर विरोध किया, उनका आरोप है कि कांग्रेस, राहुल गांधी और CJP प्रोपेगैंडा करके युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कैंटीन से गुजरात यूनिवर्सिटी के मेन गेट तक रैली निकालकर विरोध जताया। उन्होंने राहुल गांधी मुर्दाबाद, ध्रुव राठी मुर्दाबाद, CJP मुर्दाबाद के नारे लगाए। साथ ही, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता NSUI को भारत का महिला संघ बताने वाले पोस्टर लेकर रैली में शामिल हुए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि जब से पूरे देश में राहुल गांधी की साजिश का पर्दाफ़ाश हुआ है, तब से कोई भी Gen-Z अब उनके साथ नहीं जुड़ रहा है। ABVP के गुजरात प्रदेश मंत्री देवांश ब्रह्मभट्ट ने कहा कि राहुल गांधी, इंडिया एयरलाइंस और उनके साथी विदेशी फंडिंग से देश में अराजकता फैलाने का काम कर रहे हैं।

## गरबा में कुर्सी को लेकर महिलाओं का झगड़ा सुलझाने वाले चेयरमैन पर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** न्यू नरोदा इलाके में गरबा में कुर्सी पर बैठने को लेकर दो महिलाओं के बीच हुई लड़ाई ने हिंसक रूप ले लिया। सोसाइटी के चेयरमैन और हेड कांस्टेबल अनिल नायक, जिन्होंने पिछला झगड़ा सुलझाया था और जो सिटी ट्रैफिक पुलिस में काम करते थे, उन पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। बाहर से लोगों को बुलाकर पीटा गया। पूरी घटना सोसाइटी के कैमरे में कैद हो गई। इस मामले में नरोदा पुलिस स्टेशन में चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें पता चला है कि पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। न्यू नरोदा इलाके की सर्जन स्काई सोसाइटी के रहने वाले अनिल नायक सिटी ट्रैफिक पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद पर काम करते हैं और सोसाइटी के चेयरमैन भी हैं। नवरात्रि के दौरान हर रात सोसाइटी में गरबा का आयोजन होता है। 15 अक्टूबर को गरबा के दौरान सोसाइटी में रहने वाली निधि लाडवा और हिनाबेन पांचाल के बीच कुर्सी को लेकर झगड़ा हो गया था। इस दौरान निधि लाडवा के पिता छगन भी वहां आ गए। जिसके बाद झगड़ा शुरू हो गया। हालांकि, झगड़ा बढ़ने पर सोसाइटी के लोगों ने बीच-बचाव किया और दोनों पक्षों में सुलह हो गई। सुलह के कुछ देर बाद बाइक पर सवार दो लोग सोसाइटी में आए और निधि लाडवा की कुर्सी को लेकर लड़ने लगे। जब उनसे नाम पूछा गया तो उनमें से एक ने अपना नाम हितेंद्र लाडवा बताया। जबकि दूसरे व्यक्ति का नाम नहीं पता था। सोसाइटी के चेयरमैन और अन्य लोगों ने दोनों को समझाकर बाहर भेज दिया। इसके बाद दो एक्टिव पर सवार चार लोग हाथों में लाठी-डंडे लेकर सोसाइटी के गेट के पास आ गए। उन्होंने निधि लाडवा का पक्ष लिया और बहस करने लगे। इस दौरान एक व्यक्ति डंडा लेकर सोसाइटी में घुस गया और अपनी टी-शर्ट उतार दी। जब अनिल ने उसे समझाने की कोशिश की, तो उसने डंडे से दो वार किए। फिर अंश लाडवा, महावीर सिंह राणा और कृतार्थ सिंह राओल समेत कुछ लोग भी सोसाइटी में घुस आए और मारपीट करने लगे। सोसाइटी के लोगों ने बीच-बचाव किया और अनिल को छुड़ाने की कोशिश की। अंश लाडवा ने अनिल पर मुक्का जैसे हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में चोट लग गई। घायल अनिल को इलाज के लिए एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद नरोदा पुलिस मौके पर पहुंची। अनिल नायक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। पता चला है






## अहमदाबाद में गरबा स्टेज से 'दूसरे धर्म के लोग बाहर निकलो' के अनाउंसमेंट पर विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** संस्कृति, भक्ति और सद्भाव के त्योहार नवरात्रि के दौरान अहमदाबाद में आयोजित एक हाई-प्रोफाइल गरबा फेस्टिवल एक बड़े विवाद में घिर गया है। अहमदाबाद के S.P. रिंग रोड (शेला) इलाके में पॉपुलर सिंगर आदित्य गढ़वी के 'रंग मोरला' गरबा प्रोग्राम के दौरान, जैसे ही स्टेज से मुसलमानों और दूसरे धर्मों (काफिरों) के लोगों को गरबा ग्राउंड से बाहर निकलने का अनाउंसमेंट हुआ, सोशल मीडिया से लेकर कल्चरल गलियों तक में बड़ी बहस छिड़ गई है। इस घटना का वीडियो वायरल होते ही एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद आदित्य गढ़वी, एंकर RJ आकाश और दूसरे लोक कलाकारों के कड़े रिएक्शन आए हैं। गरबा स्टेज से क्या अनाउंसमेंट हुआ था? मिली जानकारी के मुताबिक, गरबा में ब्रेक के दौरान, स्टेज से एंकरिंग कर रहे RJ आकाश ने माइक पर अनाउंस किया कि, 'गरबा ग्राउंड में मौजूद दूसरे समुदाय/धर्मों (काफिर और मुसलमान) के लोग अपनी मर्ज़ी से चले जाएं। सनातन धर्म और गरबा की पवित्रता की रक्षा के लिए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की टीमें भी यहां मौजूद हैं।' इसके साथ ही, S.P. हेल्पलाइन का ज़िक्र किया गया और संदिग्ध लोगों के बारे में बताने को कहा गया। लोक गायक आदित्य गढ़वी का दिल दहला देने वाला खुलासा: 'गरबा ने कभी आकता नहीं रोकी इस घटना के बाद, मशहूर 'खलासी' फेम गायक आदित्य गढ़वी ने सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम) पर एक डिटेल्ड बयान जारी किया और इस घटना से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया: 'जो हुआ वह मेरा या मेरी टीम का काम नहीं है और यह मेरा मैसेज भी नहीं है। कुछ लोग बैकस्टेज में घुसे और हमसे या एंकर से पूछे बिना स्टेज का



इस्तेमाल करके यह अनाउंसमेंट किया। गरबा ने कभी किसी की आकता नहीं पूछी। पीढ़ियों से, गुजरात में सभी धर्मों के लोग एक साथ गरबा खेलते आ रहे हैं और यही हमारी असली पहचान है। जो लोग माँ अंबा के लिए आस्था और प्यार के साथ आते हैं, उनका मेरे गरबा में स्वागत है। मेरा स्टेज सिर्फ संगीत और भक्ति के लिए है, राजनीति के लिए नहीं।' माइक से यह विज्ञापन पढ़ने वाले एंकर, RJ आकाश ने भी साफ किया कि यह उनकी पर्सनल राय या मैसेज नहीं था। कुछ लोगों ने उस समय पढ़ने के लिए एक खास टेक्स्ट पेश किया था और स्थिति को सेंसिटिव बनाने से बचने के लिए उन्हें उसे पढ़ना पड़ा।

## भाभर में सनसनी: होमवर्क के डर से जंगल की झाड़ियों में गायब हुए दो मासूम बच्चे, पुलिस ने ड्रोन कैमरे से बचाया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भाभर।** टीचर की डांट का डर और होमवर्क पूरा न होने का डर एक मासूम के मन पर कितना हावी हो सकता है, इसकी एक जीती-जागती और हैरान करने वाली कहानी वाव-थराद जिले के भाभर तालुका के करेला गांव में सामने आई है। स्कूल जाते समय टीचर से मार या डांट खाने के डर से दो मासूम बच्चे स्कूल का रास्ता भूल गए और सीधे खतरनाक जंगल वाले इलाके में जाकर छिप गए। जैसे ही यह घटना जंगल में आग की तरह फैली, पूरे करेला गांव में भारी हंगामा मच गया। होमवर्क पेंडिंग होने की वजह से मन में आया डर मिली जानकारी के मुताबिक, करेला गांव के दो बच्चों का स्कूल का होमवर्क पूरा नहीं हुआ था। सुबह जब स्कूल जाने का समय हुआ, तो उनके मन में बस एक ही डर लगातार सता रहा था कि अगर वे बिना होमवर्क के स्कूल गए, तो टीचर उन्हें क्लासरूम में सबके सामने डांटेंगे और सज़ा देंगे। यह डर और दहशत इतनी हद पार कर गई कि दोनों बच्चे स्कूल जाने से बचकर गांव के पास बॉर्डर-जंगल इलाके की घनी झाड़ियों की तरफ भाग गए। बच्चे घर या स्कूल नहीं पहुंचे, और घरवालों की जान खतरे में पड़ गई। इस बीच, स्कूल का समय खत्म होने वाला था, लेकिन बच्चे घर नहीं पहुंचे और जब पता किया तो पता चला कि वे स्कूल आए ही नहीं, घरवाले हैरान रह गए। गांव और रिश्तेदारों में पता करने के बाद भी कोई पता नहीं चला, और आखिर में पूरा मामला भाभर पुलिस स्टेशन पहुंचा। घटना की सेंसिटिविटी और बच्चों की सेफ्टी की गंभीरता को समझते हुए पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आ गई। हाई-टेक सर्च: पुलिस ने ड्रोन कैमरे से बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, भाभर पुलिस ने तुरंत अलग-अलग टीमें बनाईं और पूरे बॉर्डर इलाके को घेर लिया। चूंकि जंगल



का इलाका बहुत बड़ा और घना था, इसलिए बच्चों को इंसानी आंखों से ढूंढना मुश्किल हो गया, इसलिए पुलिस ने मॉडर्न टेक्नोलॉजी, यानी ड्रोन कैमरों की मदद ली। आसमान से हर कोने पर नज़र रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। घंटों की कड़ी मशक्कत और सर्च ऑपरेशन के बाद आखिरकार पुलिस ने दोनों बच्चों को जंगल से सुरक्षित ढूंढ निकाला। बच्चों के मिलने पर परिवार और पुलिस टीम ने राहत की सांस ली। इस घटना ने न सिर्फ भाभर या वाव-थराद जिलों में, बल्कि पूरे शिक्षा जगत और पेरेंट्स के बीच एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

## हंसपुरा पुलिस पोस्ट पर दो वकीलों और PSI में झड़प: 'छोड़ो, वकील सब्जियों जैसे होते हैं', PSI ने 'फटकार' से धमकाने के आरोप में चार के खिलाफ FIR दर्ज कराई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** नरोदा पुलिस स्टेशन की हंसपुरा पुलिस पोस्ट पर दो वकीलों और एक पिता-पुत्र की जोड़ी ने PSI के साथ लड़ाई की और उनकी कानूनी ड्यूटी में रुकावट डाली। उन्होंने नरोदा पुलिस स्टेशन में सबके सामने उन्हें धमकी दी कि वे 'फटकार' हैं और वे उन्हें देख लेंगे। जब उन्हें मेडिकल जांच के लिए ले जाया जा रहा था, तो दोनों वकील नरोदा पुलिस स्टेशन की मोबाइल वैन में भी चढ़ गए और वीडियो बनाने लगे। PSI ने वकील और पिता-पुत्र की जोड़ी के खिलाफ नरोदा पुलिस स्टेशन में उनकी कानूनी ड्यूटी में रुकावट डालने और गंदे शब्दों का इस्तेमाल करने की शिकायत दर्ज कराई है। के. एस. कुम्पावत नरोदा पुलिस स्टेशन की हंसपुरा पुलिस पोस्ट पर PSI के तौर पर काम कर रहे हैं। 14 अक्टूबर को वह पुलिस पोस्ट पर मौजूद थे और पिटीशनर सूरजकुंवर चरण ने नरेंद्र सिंह चरण के खिलाफ पिटीशन फाइल की थी। जिसमें उनके बीच प्रॉपर्टी का झगड़ा था। नरेंद्र सिंह चरण के खिलाफ एक पिटीशन फाइल की गई थी, जिसमें उन्हें ज़रूरी सबूतों के साथ पेश होने को कहा गया था, इसलिए वह शाम को पुलिस स्टेशन आए। जब पुलिस पोस्ट पर उनका स्टेटमेंट रिकॉर्ड करने का प्रोसेस चल रहा था, तो ध्रुव पटेल और भरतभाई, दोनों ने खुद को वकील बताया, आए। उन्होंने कहा, हमारे क्लाइंट का स्टेटमेंट रिकॉर्ड करो और उसे छोड़ दो, पिटीशन के बारे में कोई एक्शन मत लो। उनमें से एक ने अपने मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया और बदतमीज़ी की और उनकी लीगल ड्यूटी में रुकावट डाली और उन्हें ज़मानत पर रिहा करने के लिए मजबूर किया। नरेंद्र सिंह को लीगल एक्शन लेने के बाद कस्टडी में लेकर नरोदा पुलिस स्टेशन के लॉकअप में रखा गया। वकीलों ने कहा कि क्लाइंट को इलाज की ज़रूरत है, 108 वालों ने कहा कि वह ठीक है।

## गुजरात में शराब और जुए की समस्या को रोकने के लिए पुलिस चीफ के सख्त आदेशों के बीच, स्टेट मॉनिटरिंग सेल गांधीनगर टीम ने वडोदरा डभोई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**डभोई।** ग्रामीण जिले के डभोई तालुका में छापेमारी की है। एक टिप-ऑफ के आधार पर, SMC टीम ने डभोई पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत आने वाले बोरियाड गांव में एक सनसनीखेज छापेमारी की और भारी मात्रा में विदेशी शराब और लाखों रुपये की गाड़ियां जब्त कीं, जिससे शराब तस्करों में भारी दहशत फैल गई। राज्य के पुलिस महानिदेशक और मुख्य पुलिस अधिकारी श्री जी.एस. मलिक के मार्गदर्शन में, स्टेट मॉनिटरिंग सेल के पुलिस इंस्पेक्टर वाई.जे. राठौड़ और उनकी सक्रिय टीम टिप-ऑफ के आधार पर सतर्क हो गई। इस जानकारी के आधार पर, डभोई तालुका के बोरियाड गांव में वंकरवास के पीछे और पटेल फलिया के बगल में खुली जगह, यानी कनुभाई रामदास पटेल के यार्ड पर अचानक छापा मारा गया। SMC की इस आक्रामक कार्रवाई से असामाजिक तत्वों में भगदड़ मच गई। मौके की जांच करते समय पुलिस भी हैरान रह गई। इस यार्ड में भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर की कुल 72 पेटियां मिलीं। जिनमें से अलग-अलग ब्रांड की कुल 2,701 विदेशी शराब और बीयर की बोतलें जब्त की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 13,62,612/- है। इस बड़ी मात्रा में शराब के अलावा, शराब की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ॥क्र 26-1927 नंबर की एक इनोवा चार पहिया गाड़ी भी मौके से जब्त की गई है। इस तरह, शराब और गाड़ी मिलाकर कुल 28,62,612/- जब्त किए गए हैं। अवैध गतिविधि में शामिल कुल 6 लोगों के खिलाफ

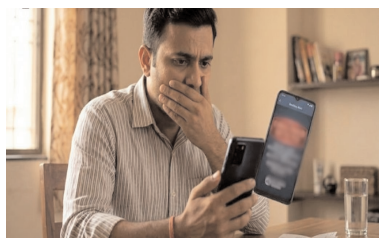


दभोई पुलिस स्टेशन में निषेध अधिनियम और भारतीय दंड संहिता 2023 (बीएनएस) की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस बुक में वांछित आरोपियों की सूची: इस रेड के बाद, स्टेट मॉनिटरिंग सेल टीम ने पूरे नेटवर्क को खत्म करने और सभी वॉन्टेड आरोपियों को पकड़ने के लिए काम शुरू कर दिया है और आगे की कानूनी जांच भी तेज कर दी है।

## अहमदाबाद: घोडसर के बिजनेसमैन से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के नाम पर ठगी, सूरत की IT कंपनी के डायरेक्टर के खिलाफ शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** घोडसर के बिजनेसमैन ऋषिक बारोट से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के नाम पर2.86 लाख की ठगी हुई है। सूरत की 'दुर्वासा इंफोटेक' के डायरेक्टर दर्शन चौहान ने ?3.70 लाख में सॉफ्टवेयर बनाने का कॉन्ट्रैक्ट लिया था, लेकिन खराब सिस्टम देकर पैसे हड़प लिए। वटवा पुलिस ने बिजनेसमैन की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। घोडसर इलाके में रहने वाले एक बिजनेसमैन से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के नाम पर 2.86 लाख की ठगी हुई है। सूरत की एक कंपनी के डायरेक्टर ने सॉफ्टवेयर बनाने का कॉन्ट्रैक्ट लेने के बाद समय पर काम पूरा नहीं किया और खराब सिस्टम बनाकर पैसे हड़प लिए, वटवा पुलिस ने बिजनेसमैन की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है मिली जानकारी के मुताबिक, घोड़ासर के रहने वाले ऋषिक बारोट ने अपनी कंपनी के लिए तीन तरह के सॉफ्टवेयर, डैशबोर्ड, मार्केट प्लेस और डिलीवरी ड्राइवर डेवलप करने के लिए एक दोस्त के ज़रिए सूरत के



मोटा वराछा के प्रगति पार्क में मौजूद 'दुर्वासा इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड' के डायरेक्टर दर्शन चौहान से कॉन्टैक्ट किया था।

## ओंकारेश्वर से झांसी तक गूंजी 'मानस भारत स्वास्तिक यात्रा' की कथा, मोरारी बापू बोले–विश्व मंगल के लिए है

### झांसी में राष्ट्रभक्ति और भूमि ऊर्जा का संदेश; 17 अक्टूबर को मथुरा पहुंचेगी कथायात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**झांसी।** पूज्य मोरारी बापू की 'मानस भारत स्वास्तिक यात्रा' के छठे दिन 15 अक्टूबर को कथा का गायन मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में हुआ, जबकि सातवें दिन 16 अक्टूबर को ऐतिहासिक नगरी झांसी में कथा आयोजित की गई। बारह ज्योतिर्लिंगों में शामिल ओंकारेश्वर से लेकर वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की धरती झांसी तक इस यात्रा में अध्यात्म, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रकल्याण और ऊर्जा के महत्व का संदेश दिया गया। ओंकारेश्वर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना के दौरान पूज्य मोरारी बापू ने कहा कि परमात्मा सर्वोच्च अवस्था का नाम है। ओंकारेश्वर वह पवित्र स्थल है, जहां आदि शंकराचार्य को अपने गुरु भगवत्पाद और गुरु गोविंदपाद का सान्निध्य प्राप्त हुआ था। उन्होंने आदि शंकराचार्य की वेदांत परंपरा का उल्लेख करते हुए 'भज गोविंदम्' स्तोत्र का भी स्मरण किया। बापू ने और स्वस्तिक के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ? का कोई सीमित रूप नहीं है। उन्होंने नौ के महत्व और नवखंड, नवरंग तथा विभिन्न नादों का उल्लेख किया। ओंक झांसी में राष्ट्रभक्ति और भूमि ऊर्जा का संदेश; 17 अक्टूबर को मथुरा



पहुंचेगी कथायात्रा ार को नाद परंपरा का प्रथम नाद बताते हुए उन्होंने शंखनाद, वेणुनाद, सिंहनाद, मेघनाद, समीरनाद, डमरूनाद और वंशनाद जैसे नादों का भी जिक्र किया। झांसी में कथा के दौरान बापू ने राष्ट्र के कल्याण और ऊर्जा के संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि धरती अपने भीतर अनेक गुणों और ऊर्जाओं को समेटे हुए है। जिस प्रकार वर्षा के बाद बीज अंकुरित होकर जीवन का रूप लेते हैं, उसी प्रकार भूमि भी ऊर्जा का स्रोत है। ऐसी भूमि की ऊर्जा को अपने भीतर आत्मसात करने से मनुष्य को नई शक्ति प्राप्त होती है। उन्होंने झांसी की ऐतिहासिक और देशभक्ति से ओतप्रोत धरती



को नमन करते हुए उसके महत्व को रेखांकित किया। बापू ने मां कात्यायनी के दिन का उल्लेख करते हुए चरण-पादुकाओं और स्वस्तिक के प्रतीकात्मक महत्व पर भी बात की। उन्होंने चार मार्गों का उल्लेख करते हुए देवताओं, गुरु, सूर्य और मित्रों के मार्ग की चर्चा की। आत्मा के भोजन के रूप में बुद्ध की वाणी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मानव शरीर पांच तत्वों से बना है। कथा के क्रम में इन दिनों भगवान श्रीराम के जन्म, उनकी महानता तथा अयोध्या और रघुकुल में उत्सव के प्रसंगों का वर्णन किया जा रहा है। कथा के माध्यम से भारतीय परंपरा, आध्यात्मिक मूल्यों और जीवन के आदर्शों को प्रस्तुत किया जा रहा है।

## छोटा उदेपुर नगर पालिका अध्यक्ष चुनाव का धमाका: 19 अक्टूबर को होगा चुनाव, राजनीतिक सरगर्मी चरम पर!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**छोटा उदेपुर।** छोटा उदेपुर नगर पालिका के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर स्थानीय राजनीति में लंबे समय से चल रही अनिश्चितता और सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। प्रशासन ने 19 अक्टूबर को नगर पालिका के नए अध्यक्ष के चुनाव की नई तारीख की घोषणा कर दी है। इस नई तारीख की घोषणा होते ही छोटा उदेपुर के राजनीतिक गलियारों में काफी हलचल मच गई है और पार्टी के हिसाब-किताब और अंदरूनी समीकरण तेज हो गए हैं। पूरे मामले की जानकारी के मुताबिक, छोटा उदयपुर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष का वैध जाति सर्टिफिकेट कैंसिल होने के बाद नियमों के मुताबिक पार्षद/सदस्य का पद कैंसिल कर दिया गया। अध्यक्ष का सदस्य पद कैंसिल होने के बाद नगर पालिका का अध्यक्ष पद खाली हो गया। प्रशासन ने पहले नगर पालिका की इस अहम मीटिंग के लिए 22 सितंबर को चुनाव प्रक्रिया कराने का प्लान बनाया था। 22 सितंबर को अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर काफी राजनीतिक गहमागहमी रही। हालांकि, चुनाव मीटिंग के दौरान पर्दे के पीछे चले भारी खेल और राजनीतिक रणनीति के तहत सभी पार्षद/सदस्य गैरहाजिर रहे। कोरम (न्यूनतम उपस्थिति) पूरा न होने के कारण चुनाव अधिकारी और प्रशासन को चुनाव प्रक्रिया टालने पर मजबूर होना पड़ा। क्या 19 अक्टूबर को निर्विरोध चेहरे पर मुहर लगेगी या कोई बड़ा धमाका होगा?



## गुजरात में बिजली संकट के काले बादल: क्या राज्य में फिर से ब्लैकआउट होगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** पूरे देश और खासकर गुजरात में बिजली उत्पादन के लिए एक नई और गंभीर चुनौती का डर है। कोयले की कमी, लॉजिस्टिक्स की दिक्कतों और पावर प्लांट्स में घटते स्टॉक के कारण आने वाले समय में बिजली उत्पादन के लिए बड़ा खतरा है। क्या विकसित माने जाने वाले गुजरात में सालों पुराने बिजली कटौती या ब्लैकआउट फिर से सिर उठाएंगे? ऐसे गंभीर सवालों पर इस समय लोगों में चर्चा हो रही है। बढ़ती बिजली की मांग और थर्मल पावर स्टेशनों में कोयले की कमी के कारण बिजली उत्पादन पर बुरा असर पड़ रहा है। इसके अलावा, हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स और बिजली उत्पादन के लिए जलाशयों और बांधों में पर्याप्त पानी उपलब्ध होना जरूरी है, लेकिन बिजली की मांग में लगातार बढ़ोतरी ने ग्रिड पर लोड बढ़ा दिया है। अगर समय रहते इस स्थिति को कंट्रोल नहीं किया गया, तो गुजरात समेत बड़े औद्योगिक राज्यों में भी बिजली सप्लाई के मामले में बड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। गुजरात देश का एक बड़ा औद्योगिक और कमर्शियल हब है। अगर यहां बड़ा बिजली संकट होता है, तो इसका सीधा असर फैक्ट्रियों, छोटे उद्योगों, बिजनेस के साथ-साथ आम लोगों के रोजमर्रा के कामकाज पर भी पड़ सकता है। पिछले सालों में कोयले और बिजली की कमी की वजह से हुई मुश्किलों की यादें ताज़ा हो रही हैं.

## स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पंशेरिया की पहल से करोड़ों के विकास कार्यों की शानदार सौगात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सूरत।** गांव की सड़कें सिर्फ मिट्टी या डामर की पट्टियां नहीं होतीं, बल्कि वे किसानों की मेहनत, ग्रामीणों की उम्मीदों और आखिरी आदमी के सर्वांगीण विकास के सपनों को जोड़ने वाली मुख्य कड़ी होती हैं। इसी भावना को समझते हुए सूरत जिले के कामरेज विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़क सुविधाओं को और मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और स्थानीय विधायक प्रफुल पंशेरिया की दूरदर्शी पहल और मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल के मजबूत मार्गदर्शन में पूरे कामरेज पंथक में विकास कार्यों की एक नई लहर बह रही है। कामरेज विधानसभा क्षेत्र में सड़क सुविधाओं के विस्तार के लिए बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से काम आगे बढ़ाया जा रहा है। जिसके तहत पहले चरण में विभिन्न गांवों को जोड़ने वाली कुल 6 महत्वपूर्ण सड़कों का शिलान्यास करने के लिए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन सड़कों की कुल लंबाई 15.70 किलोमीटर है और इसके लिए 8.66 करोड़ रुपये की निविदा राशि स्वीकृत की गई है। यह विकास यात्रा सिर्फ एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि अगले दो दिनों के दौरान कामरेज के विभिन्न गांवों में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से 35 किलोमीटर लंबी सड़कों का शिलान्यास होगा। चरणों में किए जाने वाले इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों के परिवहन ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन होगा। खेत से गांव तक का सफर सुगम होगा, किसान और ग्रामीण खुशहाल होंगे जब किसान सुबह-सुबह अपने खेतों के लिए निकलते हैं, ग्रामीण दैनिक कामों के लिए शहर जाते हैं



## जयपुर में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, होटल मालिक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** राजधानी जयपुर में नौकरी की तलाश में आई दिल्ली निवासी 30 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक होटल मालिक ने नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर युवती को मिलने के बहाने बुलाया और बाद में कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया। युवती की हालत बिगड़ने पर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।



पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में फरार चल रहे 48 वर्षीय होटल मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, दिल्ली निवासी युवती अक्टूबर की शुरुआत में नौकरी की तलाश में जयपुर आई थी। यहां वह अपनी एक परिचित महिला के पास रहकर रोजगार की तलाश कर रही थी। इसी दौरान परिचित महिला ने नौकरी दिलाने में मदद के उद्देश्य से उसकी मुलाकात आरोपी होटल मालिक से करवाई। आरोप है कि बातचीत के दौरान आरोपी ने युवती को जल्द नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। पीड़िता की रिपोर्ट के अनुसार, 7 अक्टूबर को आरोपी ने उसे मिलने के बहाने बुलाया। इसके बाद वह युवती को एक कैफे में ले गया, जहां दोनों के बीच बातचीत हुई।

## जल जीवन मिशन घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले में गिरफ्तार पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को जमानत मिल गई। शीर्ष अदालत के इस फैसले के बाद जोशी के करीब पांच महीने बाद जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने उन्हें 7 मई 2026 को उनके आवास से गिरफ्तार किया था। इससे पहले मामले में राजस्थान हाईकोर्ट उनकी जमानत याचिका खारिज कर चुका था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ जोशी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने 12 अक्टूबर को मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को अदालत ने जोशी को जमानत दे दी। इस फैसले से जल जीवन मिशन से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद पूर्व मंत्री को बड़ी कानूनी राहत मिली है। अगस्त में हाईकोर्ट ने खारिज की थी जमानतइससे पहले अगस्त 2026 में राजस्थान हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता और सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये के नुकसान से जुड़े आरोपों का हवाला देते हुए महेश जोशी, पूर्व आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल समेत आठ आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इसके बाद जोशी ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत से राहत मिलने के बाद अब उनकी रिहाई की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। महेश जोशी को इसी प्रकरण से जुड़े धनशोधन के आरोपों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 24 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार किया था। उस मामले में भी उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। उस दौरान उन्हें करीब सात महीने जेल में रहना पड़ा था। इसके बाद जल जीवन मिशन में कथित अनियमितताओं को लेकर एसीबी की कार्रवाई में उन्हें दोबारा गिरफ्तार किया गया था। जल जीवन मिशन घोटाले की जांच के दौरान एसीबी ने 9 अप्रैल 2026 को जलदाय विभाग के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद महेश जोशी की गिरफ्तारी हुई। जांच एजेंसी ने सुबोध अग्रवाल से पूछताछ के दौरान जलदाय मंत्री के रूप में जोशी की कथित भूमिका को लेकर भी सवाल किए थे। जांच का दायरा विभागीय अधिकारियों और योजना से जुड़े अन्य लोगों तक बढ़ाया गया था। जल जीवन मिशन में कथित घोटाले को लेकर एसीबी ने पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित 22 अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में योजना के वित्तीय सलाहकार सुनील शर्मा, तत्कालीन मुख्य अभियंता रामकरण मीणा और दिनेश गोयल सहित कई अधिकारियों के नाम सामने आए थे। इसके अलावा अतिरिक्त मुख्य अभियंता अरुण श्रीवास्तव, रमेश चंद मीणा और परितोष गुप्ता के साथ अधीक्षण अभियंता निरिल कुमार, विकास गुप्ता, महेंद्र प्रकाश सोनी, भगवान सहाय जाजू, जितेंद्र शर्मा तथा अधिशासी अभियंता विशाल सक्सेना के नाम भी प्राथमिकी में शामिल थे।



## फलोदी में 640 फीट गहराई में फंसे 9 वर्षीय भोमाराम को निकालने की जद्दोजहद तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**फलोदी।** राजस्थान के फलोदी जिले में 1050 फीट गहरे बोरवेल में गिरे 9 वर्षीय भोमाराम को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे पूनिया की ढाणी में हुए इस हादसे के बाद से प्रशासन और बचाव दल बच्चे को सुरक्षित निकालने के प्रयासों में जुटे हैं। बच्चा बोरवेल में करीब 640 फीट की गहराई पर फंसा हुआ है। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम की ओर से बोरवेल में डाले गए कैमरे में बच्चे की हलचल दिखाई देना भी बंद हो गई। इससे बचाव अभियान में जुटे लोगों की चिंता बढ़ गई है। रेस्क्यू टीम के अनुसार, बोरवेल में करीब 30 फीट नीचे जाकर कैमरा फंस गया है, जिसके कारण आगे की स्थिति का आकलन करने में परेशानी आ रही है। लगातार चल रहे रेस्क्यू अभियान के बीच बोरवेल के अंदर पानी भी भरना शुरू हो गया है। ऐसे में बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव दल के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। बोरवेल के पास बच्चे के परिजन और समाज के लोग मौजूद हैं। वे लगातार प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं और बच्चे को जल्द सुरक्षित निकालने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। बचाव अभियान में आ रही तकनीकी बाधाओं के बीच अब देसी तरीके से बच्चे को बाहर निकालने की कोशिश तेज कर दी गई है। बोरवेल में फंसे बच्चों को निकालने के लिए अपने अनुभव और विशेष तकनीकों के लिए पहचाने जाने वाले मादाराम सुथार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे हैं। उनकी टीम लोहे के सरियों का जाल तैयार कर बच्चे को बाहर निकालने का प्रयास करेगी। रेस्क्यू के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और विशेष उपकरणों की मदद ली जा रही है।



# पाली डिस्ट्रिक्ट क्लब में आज गरबा-डांडिया की धूम, दिल्ली का 'नो लिमिट्स-अल्टीमेट बैंड' देगा लाइव प्रस्तुति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पाली।** शारदीय नवरात्रि के उल्लास और गरबा-डांडिया की धूम के बीच पाली डिस्ट्रिक्ट क्लब में शुक्रवार शाम गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। जिला क्लब की ओर से होने वाले इस आयोजन में दिल्ली का प्रसिद्ध बैंड 'नो लिमिट्स-अल्टीमेट बैंड' लाइव प्रस्तुति देगा। कार्यक्रम में जैन कार्निवल इवेंट (जेसीई) का विशेष सहयोग रहेगा। आयोजन को यादगार बनाने के लिए लाइव संगीत, लाइव डीजे और आकर्षक डिजिटल लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। गरबा-डांडिया के साथ मनोरंजन और खानपान के विविध इंतजाम भी किए गए हैं, जिससे शहरवासियों को उत्सव का खास अनुभव मिल सके।

### संगीत और रोशनी के बीच सजेगी गरबा की शाम

महोत्सव में लाइव बैंड की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रहेगी। गरबा और डांडिया के पारंपरिक रंगों के साथ आधुनिक संगीत और डिजिटल लाइटिंग का संयोजन कार्यक्रम को खास बनाएगा। आयोजन में शामिल होने वाले लोग संगीत की धुनों पर गरबा-डांडिया कर नवरात्रि का उत्साह मनाएंगे। आयोजकों की ओर से कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं, ताकि परिवार और मित्रों के साथ आने वाले लोगों को मनोरंजन का भरपूर अवसर मिले।

### तंबोला, हाउजी और फूड कोर्ट भी रहेंगे आकर्षण

गरबा महोत्सव में केवल संगीत और नृत्य ही नहीं, बल्कि मनोरंजन के दूसरे विकल्प भी उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम में तंबोला और हाउजी गेम्स आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा पेड फूड कोर्ट भी लगाया जाएगा, जहां पाली की प्रसिद्ध खानपान की स्टॉल्स पर विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य महोत्सव में आने वाले लोगों को एक ही स्थान पर संगीत, खेल और खानपान का आनंद उपलब्ध कराना है। डिस्ट्रिक्ट क्लब के सचिव पुनीत मुथा ने बताया कि गरबा महोत्सव में क्लब के सभी सदस्यों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा, जबकि गैर-सदस्यों के लिए सशुल्क प्रवेश की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि आयोजन की तैयारियों को लेकर क्लब के सदस्य जुटे हुए हैं, ताकि कार्यक्रम व्यवस्थित और यादगार बन सके। आयोजन की तैयारियों में क्लब के निदेशक विवेक मेहता, प्रशांत मुथा, प्रदीप सांड, विवेक मुंदड़ा, राजेश पाटनेचा, नितिन चोपड़ा, अंकित पारख, शेर सिंह, लवकेश कोठारी, हर्ष लोढ़ा, सुमित कवाड़, ऋषि बोहरा और ऋषभ तलेसरा सहित अन्य सदस्य सहयोग कर रहे हैं। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित यह महोत्सव शहरवासियों को पारंपरिक गरबा-डांडिया, लाइव संगीत और पारिवारिक मनोरंजन का अवसर प्रदान करेगा। आयोजकों को उम्मीद है कि संगीत, रोशनी, खेल और खानपान से सजी यह शाम उत्सव के माहौल को और खास बनाएगी।

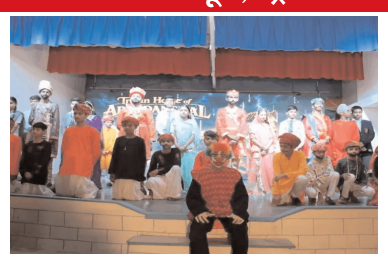


# विद्यार्थियों के अभिनय और शशांक मकवाना की हास्यपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को किया प्रभावित

### माउंट आबू के गौरवशाली इतिहास की मंच पर गूंज, 'ट्रोजन हॉर्स ऑफ अर्बुदांचल' ने मोहा मन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**माउंट आबू।** सेंट जॉसेफ्स हाई स्कूल में गुरुवार देर शाम 'ट्रोजन हॉर्स ऑफ अर्बुदांचल' नाटक का प्रभावशाली मंचन किया गया। माउंट आबू यानी प्राचीन अर्बुदांचल क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास पर आधारित इस नाटक में विद्यार्थियों ने अपने अभिनय, संवादों और मंचीय प्रस्तुति से ऐतिहासिक प्रसंगों को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों और दर्शकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की। नाटक का लेखन, निर्देशन और संगीत डॉ. अरुण शर्मा ने तैयार किया। कार्यक्रम में सेंट मैरीज हाई स्कूल के प्रधानाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं स्टेशन कमांडर संदीप देसाई, डॉ. सनाया आर. नरीमन और एम.के. सिरोही दैवत सिंह विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों ने अपनी अभिनय प्रतिभा और



रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। 'ट्रोजन हॉर्स ऑफ अर्बुदांचल' के माध्यम से प्राचीन अर्बुदांचल क्षेत्र के गौरवशाली अतीत को मंच पर प्रस्तुत किया गया। नाटक में विद्यार्थियों ने अपने किरदारों के अनुरूप संवाद अदायगी और अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। मंच पर प्रस्तुत विभिन्न दृश्यों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। नाटक की विषयवस्तु ने क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया। नाटक में कक्षा 10 के विद्यार्थी शशांक मकवाना ने विदूषक की भूमिका निभाई। उनकी कॉमिक टाइमिंग और हास्यपूर्ण संवादों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। गंभीर ऐतिहासिक प्रसंगों के बीच उनकी प्रस्तुति ने माहौल को रोचक बनाया और दर्शकों की सराहना हासिल की। विद्यार्थियों के अभिनय के साथ संवादों की प्रस्तुति ने नाटक को प्रभावशाली बनाने में अहम भूमिका निभाई। नाटक के सफल मंचन में आशा सैनी और अंकुर शुक्ला ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। लेखन, निर्देशन और संगीत के साथ विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास ने मंचन को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने में योगदान दिया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा के जरिए यह प्रदर्शित किया कि शैक्षणिक गतिविधियों के साथ कला और रंगमंच भी उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सामूहिक रूप से काम करने की भावना विकसित करती हैं।

# राजस्थान में मेधावी विद्यार्थियों को बड़ी राहत, सैमसंग टैबलेट से हटेगा एमडीएम लॉक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बीकानेर।** राजस्थान में फ्री टैबलेट वितरण योजना के तहत मेधावी विद्यार्थियों को दिए गए सैमसंग टैबलेट में एमडीएम लॉक और तकनीकी समस्याओं से परेशान विद्यार्थियों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर ने 15 अक्टूबर 2026 को जारी निर्देशों में संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। शैक्षणिक सत्र 2021-22, 2022-23 और 2023-24 में टैबलेट प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई है। निदेशालय के अनुसार, टैबलेट में एमडीएम से जुड़ी समस्याओं को लेकर संपर्क पोर्टल और ई-मेल के माध्यम से लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इन तकनीकी प्रतिबंधों के कारण विद्यार्थियों को टैबलेट का सामान्य उपयोग करने में परेशानी हो रही है। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिए गए उपकरणों का उपयोग सुचारु रूप से नहीं हो पाने के कारण विद्यार्थी लंबे समय से समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विभागीय निर्देशों के अनुसार, संबंधित फर्म ने एमडीएम संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए विशेष प्रक्रिया दोबारा शुरू करने की जानकारी दी है। यह प्रक्रिया केवल एक सप्ताह तक चलेगी। ऐसे में पात्र विद्यार्थियों और संबंधित विद्यालयों को निर्धारित अवधि के दौरान अपनी समस्याओं




के समाधान के लिए संपर्क करना होगा। निदेशालय जिला शिक्षा अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने और अपने-अपने जिलों के संबंधित विद्यालयों, विद्यार्थियों तथा अन्य हितधारकों तक इस प्रक्रिया की जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा गया है, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी जानकारी के अभाव में इस सुविधा से वंचित न रहे।निदेशालय ने टैबलेट की आपूर्ति करने वाली फर्म एनएफ इंफ्राटेक सर्विस प्राइवेट लिमिटेड को विद्यार्थियों से तत्काल संपर्क कर एमडीएम संबंधी तकनीकी समस्याओं का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए हैं। फर्म को अपने द्वारा आपूर्ति किए गए सभी टैबलेट में इंस्टॉल या कॉन्फिगर किए गए एमडीएम को पूरी तरह डी-एनरोल कर डिवाइस रिलीज करने के लिए कहा गया है। एमडीएम यानी मोबाइल डिवाइस मैनेजमेंट ऐसी व्यवस्था है, जिसके माध्यम से किसी उपकरण के उपयोग और उसकी सेटिंग पर निर्धारित नियंत्रण लागू किए जा सकते हैं। टैबलेट से संबंधित एमडीएम प्रतिबंध हटने के बाद विद्यार्थियों के लिए उपकरण का सामान्य उपयोग करना संभव हो सकेगा। निदेशालय ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और कार्रवाई पूरी होने के बाद अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं। निदेशालय ने सभी संयुक्त निदेशकों को इस पूरी प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी करने को कहा है। साथ ही, संबंधित आदेश और दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों और विद्यालयों को प्रक्रिया की जानकारी मिल सके। निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी यदि संपर्क पोर्टल या अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतें लंबित रहती हैं, तो संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इससे जिला स्तर पर शिकायतों के निस्तारण और विद्यार्थियों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने की जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा), राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से दिए गए टैबलेट का निर्बाध उपयोग सुनिश्चित करना शिक्षा विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। एमडीएम लॉक और तकनीकी समस्याओं के कारण विद्यार्थियों को परेशानी होना चिंता का विषय है। सलावद ने कहा कि विभाग की ओर से निर्धारित एक सप्ताह की अवधि में सभी लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाना चाहिए।

# शेरगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी की निर्विरोध जीत तय, 37 अभ्यर्थियों ने वापस लिए नाम; छह पंचायत समितियों में चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जोधपुर।** पंचायत समिति चुनाव के पहले चरण को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। जिले की शेरगढ़, चाबा, आगोलाई, चामू, सेखाला और बालेसर पंचायत समितियों में पहले चरण के तहत चुनाव होंगे। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब इन छह पंचायत समितियों में कुल 233 प्रत्याशी चुनावी मैदान में रह गए हैं। गुरुवार को 37 अभ्यर्थियों ने अपने नाम वापस लिए, जिसके बाद चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। इस बीच शेरगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी की निर्विरोध जीत तय हो गई है, वहीं बालेसर के एक वार्ड में भाजपा और कांग्रेस के दोनों प्रत्याशियों का नाम एक ही होने से चुनाव दिलचस्प हो गया है। शेरगढ़ के वार्ड संख्या 15 से कांग्रेस प्रत्याशी गंगा सिंह की निर्विरोध जीत तय मानी जा रही है। दूसरी ओर, बालेसर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 15 में भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं, लेकिन दोनों का नाम भोमाराम है। एक ही नाम के दो प्रत्याशियों के




चुनाव मैदान में होने से इस वार्ड का मुकाबला चर्चा का विषय बन गया है। अब मतदाताओं के सामने दोनों प्रत्याशियों की पहचान और चुनाव चिह्न के आधार पर सही उम्मीदवार का चयन करने की चुनौती रहेगी। नाम वापसी के बाद चाबा पंचायत समिति में सबसे अधिक 45 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। आगोलाई में 44, शेरगढ़ में 38, बालेसर में 38, चामू में 38 और सेखाला में 30 अभ्यर्थी चुनाव लड़ेंगे। इन छह पंचायत समितियों में कुल 233 प्रत्याशी अपने पक्ष में मतदान कराने के लिए चुनाव प्रचार में जुटेंगे। निर्विरोध निर्वाचन से लेकर एक नाम वाले दो प्रत्याशियों की स्थिति तक, पहले चरण के चुनाव में अलग-अलग तस्वीर सामने आई है। शेरगढ़ और सेखाला पंचायत समितियों से एक-एक अभ्यर्थी निर्विरोध चुने गए हैं। वहीं, बालेसर के वार्ड संख्या 15 में समान नाम वाले प्रत्याशियों के कारण मुकाबले को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन के तहत दूसरे चरण की नामांकन प्रक्रिया भी जारी है। गुरुवार को नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन 17 पंचायत समितियों के 261 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 251 अभ्यर्थियों ने कुल 269 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। इस प्रकार दूसरे चरण के लिए अब तक कुल 306 अभ्यर्थियों की ओर से 327 नामांकन पत्र दाखिल किए जा चुके हैं पहले चरण में नाम वापसी के बाद जहां प्रत्याशियों की अंतिम स्थिति स्पष्ट हो गई है, वहीं दूसरे चरण में नामांकन प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। आगामी चुनाव को लेकर पंचायत समितियों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विभिन्न दलों के प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं तक पहुंचने की तैयारी में जुटे हैं।

## बाइक साइड करने की बात पर विवाद, 62 वर्षीय बुजुर्ग और युवक पर पत्थरों व लाठियों से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पाली।** जिले के रोहट क्षेत्र में बाइक साइड करने की बात को लेकर विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने 62 वर्षीय बुजुर्ग और उसके साथ मौजूद 22 वर्षीय युवक पर पत्थरों और लाठियों से हमला कर दिया। हमले में दोनों घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट पुलिस को देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। खारड़ा बांध निवासी ओमाराम (62) पुत्र वालाराम चौकीदार ने बताया कि गुरुवार शाम वह अपने भांजे के बेटे मुकेश (22) पुत्र चेनाराम के साथ खेतावास के पास स्थित भैरूजी के थान पर प्रसाद चढ़ाने गए थे। इसी दौरान वहां कुछ युवक पहुंचे। आरोप है कि युवक नशे में थे और बाइक को साइड में करने की बात को लेकर विवाद करने लगे। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। पीड़ित ओमाराम के अनुसार, विवाद के दौरान एक युवक ने पत्थर उठाकर उनके सिर और चेहरे पर वार कर दिया। जब मुकेश ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया। मारपीट में दोनों के सिर, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के दौरान आसपास के लोग मौके पर एकत्र होने लगे तो आरोपी वहां से फरार हो गए। इसके बाद घायल ओमाराम और मुकेश को उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल पहुंचाया गया।



## दीपावली पर नए रंग-रूप में नजर आएगा माउंट आबू, नक्की झील के उद्यान संवारने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**माउंट आबू।** दीपावली पर्यटन सीजन में माउंट आबू आने वाले पर्यटकों को इस बार नया और आकर्षक अनुभव देने की तैयारी की जा रही है। पर्यटन नगरी के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कार्यों की योजना बनाई गई है। इसके तहत नक्की झील के आसपास स्थित उद्यानों को आकर्षक बनाया जाएगा, शहर की दीवारों पर चित्रकारी कराई जाएगी और हनुमान मंदिर के निकट मार्बल से बने पुराने फव्वारों को दोबारा शुरू करने के प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही पर्यटन सीजन में बढ़ने वाले वाहनों के दबाव को देखते हुए पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। दीपावली सीजन की तैयारियों को लेकर उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य सहित होटल व्यवसायी, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि, विभिन्न संस्थाओं के सदस्य तथा पुलिस और प्रशासन के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में पर्यटकों की सुविधाओं, शहर की सुंदरता, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि माउंट आबू धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां सालभर पर्यटकों का आवागमन रहता है और दीपावली जैसे प्रमुख अवसरों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में शहर की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखने के साथ पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। यदि इन फव्वारों को फिर से चालू किया जाता है, तो आसपास के क्षेत्र की सुंदरता बढ़ेगी और पर्यटकों को एक बेहतर दृश्य देखने को मिलेगा।




## किशनगढ़ में भीषण सड़क हादसा: स्लीपर बस की टक्कर से मां-बेटी सहित तीन की मौत

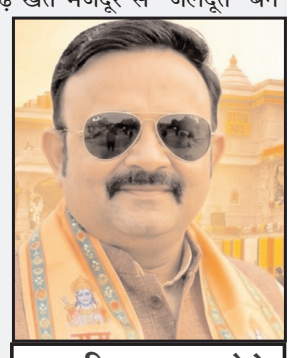
महानगर मेट्रो ब्यूरो

**किशनगढ़।** अजमेर जिले के किशनगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर गुरुवार रात एक भीषण सड़क हादसे में मां-बेटी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पाटन चौराहे के पास रात करीब 9 बजे पीछे से आ रही एक स्लीपर बस ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में बाइक चला रहे व्यक्ति का पैर कटकर अलग हो गया, जबकि दो शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने चौराहे पर लगातार हो रहे हादसों को लेकर नाराजगी जताते हुए पुलिया निर्माण या कट को पूरी तरह बंद करने की मांग की। पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात हरमाड़ा निवासी भागचंद (38) बाइक पर फलौदा निवासी लाडा देवी (45) और उनकी बेटी हंसा (18) के साथ जयपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आई स्लीपर बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस नहीं रुकी और बाइक को करीब 20 फीट तक घसीटते हुए ले गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाइक सवारों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के कारण बाइक चला रहे भागचंद का पैर कटकर अलग हो गया।



## बिना कलम लिखी गई जलक्रांति की गाथा: भयानक सूखे के खिलाफ शामजी अंटाला की जंग और सौराष्ट्र का बदलता भाग्य

इतिहास जब भी गुजरात के जलसंकट और भयानक सूखे की गाथाएं लिखेगा, तब एक अनपढ़ खेत-मजदूर से 'जलदूत' बने शामजीभाई अंटाला का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होना तय है। एक ऐसा इंसान, जिसने कभी स्कूल के काले बोर्ड पर चौक से एक शब्द नहीं लिखा, लेकिन अपनी अद्भुत सूझबूझ, अटूट लगन और कड़ी मेहनत से सौराष्ट्र की बंजर भूमि का भाग्य बदल कर रख दिया।



ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो
**पवन माकन**

आज के इंजीनियरिंग और बड़ी-बड़ी डिग्रियों के युग में जहां सरकारी योजनाएं और करोड़ों के बजट अक्सर फाइलों में सिमट कर रह जाते हैं, वहीं शामजी अंटाला जैसे एक सीधे-सादे किसान-मजदूर ने साबित कर दिखाया कि 'सिद्धि उसी को मिलती है, जो पसीना बहाता है! 'छप्पनिया अकाल' का खौफ और एक क्रांति का जन्म साठ और सत्तर के दशक में सौराष्ट्र जब भयानक अकाल, पीने के पानी की किल्लत और प्यासी जमीन की चीखों से तड़प रहा था, तब गांवों के लोग पलायन करने को मजबूर हो गए थे। कुएं पूरी तरह सूख चुके थे और जमीन सोने जैसी कीमती होने के बावजूद किसान उस पर एक दाना नहीं उगा पा रहे थे।

इसी भयावह दौर के बीच शामजीभाई अंटाला के मन में एक सीधा सा सवाल कौंधाः 'आसमान से बरसने वाला करोड़ों लीटर पानी यूं ही बहकर समुद्र में बर्बाद क्यों हो जाता है?' उन्होंने समझा कि अगर बारिश के बहते पानी को धरती के गर्भ में उतार दिया जाए, तो यह धरती कभी प्यासी नहीं रहेगी।

'बोरीबंध' और 'वेल रिचार्ज' (कुआं रिचार्ज) की जादुई सूझबूझ शामजी अंटाला के पास कोई लैब या आधुनिक संसाधन नहीं थे।

उनके पास थी तो बस मिट्टी की पहचान, धरती की संवेदना और प्रकृति की भाषा समझने की अद्भुत क्षमता।

उन्होंने बिना किसी बड़ी मशीनरी के, केवल बोरियों में मिट्टी भरकर नदियों और नालों पर 'बोरीबंध' बनाने का लोक-अभियान शुरू किया।

इतना ही नहीं, उन्होंने गांव के किसानों को अपने ही खेतों के कुओं में बारिश का पानी उतारने की 'वेल रिचार्ज' की एक बेहद सरल, सटीक और बिना किसी खर्च वाली देसी तकनीक सिखाई। जो कुएं सर्दियों की शुरुआत में ही सूख जाया करते थे, शामजीभाई की इस तकनीक से उनमें चार-पांच महीने ही नहीं, बल्कि साल भर पानी लबालब रहने लगा! 'सौराष्ट्र लोक मंच' और घर-घर पहुंची जलक्रांति अपने इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए शामजी अंटाला ने 'सौराष्ट्र लोक मंच' की स्थापना की। वे एक गांव से दूसरे गांव, एक खेत से दूसरे खेत पैदल ही भटकते रहे। किसानों को एकजुट किया, उन्हें पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझाई और उन्हें खुद आगे बढ़कर जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने हजारों किसानों को खुद अपने कुएं रिचार्ज करना सिखाया। हजारों छोटे चेकडैम और बोरीबंध बनाकर भूजल स्तर को ऊपर उठाया। जो सौराष्ट्र भूख, प्यास और पानी की तंगी के कारण खाली हो रहा था, वहां हरियाली और समृद्धि की एक नई सुबह आई!

उनके इस निःस्वार्थ और भगीरथ प्रयास की सराहना केवल गुजरात में ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई। बड़े-बड़े जल वैज्ञानिक और विशेषज्ञ भी एक अनपढ़ खेत-मजदूर की इस व्यावहारिक सोच को देखकर हैरान रह गए।

महानगर मेट्रो दृष्टिकोणः आज के समाज के लिए एक बड़ा संदेश आज जब हम बोतलबंद पानी, एसी कमरों और कागजी वादों के बीच जी रहे हैं, तब शामजी अंटाला का जीवन हमें तीन महत्वपूर्ण बातें सिखाता हैः

1. डिग्री न होना कोई रुकावट नहीं हैः अगर नीयत साफ हो और इरादे बुलंद हों, तो बिना किताबी पढ़ाई के भी दुनिया बदली जा सकती है।
2. पानी को बचाना हर नागरिक का कर्तव्य हैः जल संरक्षण केवल सरकारों का काम नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है।
3. प्रकृति से जुड़कर रहनाः प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीने में ही मानव जाति का कल्याण छिपा है। सौराष्ट्र के गांवों में आज अगर साल भर फसलें लहलहाती हैं और किसानों के जीवन में खुशहाली है, तो इसका एक बड़ा श्रेय शामजी अंटाला के खून-पसीने को जाता है। महानगर मेट्रो न्यूज, भारत की मिट्टी के इस सच्चे सपूत और जलक्रांति के भीष्म पितामह शामजीभाई अंटाला को शत-शत नमन करता है! गुजरात के सौराष्ट्र में जलसंकट से जूझते गांवों की तस्वीर बदलने में शामजीभाई अंटाला का अहम योगदान रहा। एक खेत-मजदूर से जल संरक्षण के प्रेरक बने अंटाला ने बोरीबंध और कुओं को रिचार्ज करने जैसी सरल तकनीकों के जरिए वर्षा जल को सहेजने का अभियान चलाया। सौराष्ट्र लोक मंच के माध्यम से उन्होंने किसानों को जल संरक्षण के लिए जागरूक किया और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दिया। उनका जीवन संदेश देता है कि मजबूत इच्छाशक्ति, मेहनत और जनसहयोग से बड़ी चुनौतियों का समाधान खोजा जा सकता है।

# मुख्य चुनाव आयुक्त को कानूनी छूट देने वाले कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को आधिकारिक कामकाज के दौरान किए गए कुछ कार्यों, दिए गए बयानों और लिए गए फैसलों के संबंध में कानूनी कार्रवाई से छूट देने वाले कानून का मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मंगलवार को शीर्ष अदालत ने वर्ष 2023 के कानून की धारा 16 को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। याचिका में इस प्रावधान को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है। इस मामले ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को मिलने वाले कानूनी संरक्षण, उनकी जवाबदेही और संवैधानिक व्यवस्था के तहत उनकी शक्तियों की सीमाओं से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल खड़े किए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने गैर-सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की याचिका पर सुनवाई की। याचिका में चुनाव आयुक्तों को दी गई कानूनी छूट के प्रावधान पर सवाल उठाते हुए इसे संविधान के अनुरूप नहीं होने का दावा किया गया है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किए जाने के बाद अब इस मामले में दोनों पक्षों का जवाब महत्वपूर्ण होगा। विवाद का केंद्र वर्ष 2023 के कानून की धारा 16 है। इस प्रावधान के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान किए गए कुछ कार्यों, दिए गए बयानों और लिए गए फैसलों के संबंध में सिविल और आपराधिक कार्रवाई से संरक्षण दिया गया है। इस व्यवस्था को चुनौती देने वालों का तर्क है कि इस तरह की व्यापक छूट से चुनाव आयोग के शीर्ष पदों पर बैठे अधिकारियों की जवाबदेही प्रभावित हो सकती है। याचिकाकर्ता संगठन का कहना है कि किसी संवैधानिक संस्था के अधिकारियों को उनके आधिकारिक कार्यों के लिए संरक्षण देने की व्यवस्था की सीमा स्पष्ट होनी चाहिए। याचिका में धारा 16 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग करते हुए अदालत से इस प्रावधान की वैधता की जांच करने का आग्रह किया गया है। हालांकि, इस मामले में अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट को करना है। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग का पक्ष सामने आने के बाद धारा 16 की संवैधानिक वैधता को लेकर आगे की सुनवाई में स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकती है। चुनाव आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई से छूट देने का मुद्दा इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट के सामने उठ चुका है। इस साल जनवरी में शीर्ष अदालत ने गैर-सरकारी संगठन लोक प्रहरी की ओर से दायर एक अन्य याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी थी। उस याचिका में भी धारा 16 के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को मिलने वाले संरक्षण को चुनौती दी गई थी। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। हालांकि, अदालत ने अंतरिम स्तर पर धारा 16 के क्रियान्वयन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इस कारण संबंधित कानूनी प्रावधान लागू रहा और उसकी संवैधानिक वैधता का प्रश्न न्यायिक विचार के लिए बना रहा। लोक प्रहरी की याचिका में दावा किया गया था कि यह प्रावधान मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को अपने पद का गंभीर दुरुपयोग करने या गलत काम करने की स्थिति में भी व्यापक कानूनी संरक्षण दे सकता है। याचिकाकर्ता ने इसे अधिकारियों को असाधारण और बेलगाम शक्ति देने वाला प्रावधान बताया था। याचिका में सिविल और आपराधिक, दोनों तरह की कार्यवाहियों से मिलने वाली छूट पर सवाल उठाए गए थे। इस मामले का महत्व इसलिए भी है क्योंकि चुनाव आयोग देश में चुनाव प्रक्रिया के संचालन और निष्पक्षता सुनिश्चित करने वाली प्रमुख संवैधानिक संस्था है। आयोग के शीर्ष अधिकारियों को उनके आधिकारिक कार्यों के संबंध में कानूनी संरक्षण देने का उद्देश्य और उसकी सीमा न्यायिक समीक्षा के महत्वपूर्ण पहलू हैं। एक ओर अधिकारियों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान अनावश्यक कानूनी दबाव से बचाने की व्यवस्था पर विचार किया जाता है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठता है कि यदि किसी अधिकारी के आचरण पर गंभीर कानूनी आपत्ति हो, तो जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कौन-से उपाय उपलब्ध रहने चाहिए। इसी व्यापक संदर्भ में धारा



16 की संवैधानिक वैधता पर बहस हो रही है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग का जवाब इस मामले में महत्वपूर्ण होगा। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अब यह मुद्दा है कि संबंधित कानूनी प्रावधान संवैधानिक सीमाओं के अनुरूप है या इसमें बदलाव अथवा न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। फिलहाल, अदालत ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर दिया है। धारा 16 पर अंतिम फैसला आना बाकी है। ऐसे में इस मामले की अगली सुनवाई और दोनों पक्षों की दलीलों पर नजर रहेगी, क्योंकि इसका परिणाम मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को मिलने वाले कानूनी संरक्षण की सीमा को लेकर महत्वपूर्ण हो सकता है।

# इंसान चला जाता है, लेकिन उसकी यादें कहाँ जाती हैं?



जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि जो व्यक्ति आज हमारे साथ हँसता है, बातें करता है और सुख-दुःख में हमारा साथ देता है, वही व्यक्ति एक दिन हमारी आँखों से दूर हो जाता है। समय आगे बढ़ता रहता है, दिन और वर्ष बीतते रहते हैं, लेकिन हृदय के किसी कोने में उसकी यादें हमेशा जीवित रहती हैं। इंसान चला जाता है, लेकिन उसकी यादें कहाँ जाती हैं? इस प्रश्न का उत्तर शायद समय के पास भी नहीं है। किसी अपने का बिछड़ना केवल एक व्यक्ति की अनुपस्थिति नहीं होती, बल्कि जीवन के एक सुंदर अध्याय का समाप्त हो जाना होता है। घर के वही कमरे, वही दीवारें और वही खिड़की होती है, फिर भी कुछ ऐसा छूट जाता है, जिसकी कमी कोई वस्तु पूरी नहीं कर सकती। जिस आवाज़ को सुनकर मन को शांति मिलती थी, जब वही आवाज़ केवल यादों में रह जाती है, तब घर की खामोशी भी कभी-कभी असहनीय लगने लगती है। ऐसा नहीं है कि समय हर घाव भर देता है। हाँ, समय हमें दुःख के साथ जीना सिखाता है, लेकिन कुछ यादें समय के साथ और भी गहरी होती जाती हैं। कोई पुराना गीत सुनाई दे, कोई परिचित खुशबू महसूस हो या कोई पुरानी तस्वीर दिखाई दे, तो मन अतीत के उन पलों में पहुँच जाता है, जहाँ सब कुछ आज भी जीवंत लगता है। एक पल के लिए ऐसा महसूस होता है कि अभी वह व्यक्ति सामने आकर बात करेगा, लेकिन फिर वास्तविकता का एहसास होते ही आँखें नम हो जाती हैं। जीवन में कुछ सामान्य से पल भी बिछड़ने के बाद अनमोल बन जाते हैं। साथ बैठकर पी गई चाय, बेवजह की बातें, छोटी-छोटी हँसी-मज़ाक की बातें और प्रेम से भरे संवाद—ये सब बाद में हृदय की सबसे कीमती पूँजी बन जाते हैं। जो पल जीते समय सामान्य लगते थे, उन्हीं पलों को दोबारा जीने की इच्छा मन में बार-बार जागती रहती है। आज के समय में इंसान काम और जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो गया है कि अपने प्रियजनों को समय देना भूल जाता है। हमें लगता है कि उनसे बात करने के लिए बाद में भी समय मिलेगा और प्रेम व्यक्त करने के अनेक अवसर आएँगे। लेकिन जीवन हमेशा दूसरा अवसर दे, यह जरूरी नहीं है। कुछ बातें अधूरी रह जाती हैं, कुछ माफियाँ माँगनी रह जाती हैं और कुछ आलिंगन हमेशा के लिए अधूरे रह जाते हैं। इसीलिए जो लोग आज हमारे साथ हैं, उनकी उपस्थिति को सामान्य नहीं समझना चाहिए। माता-पिता को समय देना चाहिए, परिवार के साथ बैठकर बातें करनी चाहिए और मन में छिपे प्रेम को समय रहते व्यक्त करना चाहिए। किसी की भावनाओं का मूल्य समझने के लिए उसकी अनुपस्थिति का इंतजार नहीं करना चाहिए। किसी अपने की यादों को जीवित रखने का सबसे अच्छा तरीका केवल उसकी तस्वीर सँभालकर रखना नहीं, बल्कि उसके संस्कारों, विचारों और मानवता को अपने जीवन में अपनाना है। किसी ने हमें ईमानदारी सिखाई हो

# नशा विरोधी कार्यकर्ता की हत्या पर सीबीआई जांच की मांग तेज, राहुल गांधी ने मान सरकार को घेरा; हाईकोर्ट पहुंचा मामला, एसएचओ निलंबित और तीन आरोपी गिरफ्तार

मानसा। पंजाब में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या को लेकर विरोध तेज हो गया है। हत्याकांड के विरोध में गुरुवार, 15 अक्टूबर को सुबह छह बजे से शाम पांच बजे तक पंजाब बंद रहा। बंद के दौरान कई शहरों में बाजार, निजी स्कूल और कॉलेज बंद रहे, जबकि किसान संगठनों ने अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय राजमार्गों को जाम किया। इस दौरान कुछ किसान नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। मामले ने अब राजनीतिक और कानूनी रूप भी ले लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर सवाल उठाए, वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। दूसरी ओर, परविंदर के परिवार ने केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की है और मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंच गया है।

परविंदर झोटा की हत्या के विरोध में हुए बंद का असर लुधियाना, पठानकोट, गुरदासपुर, बठिंडा, मानसा और जालंधर समेत कई शहरों में दिखाई दिया। बाजारों में कारोबार प्रभावित रहा और निजी शिक्षण संस्थानों में गतिविधियां बंद रहीं। किसान संगठनों ने लुधियाना, बठिंडा और मोहाली से चंडीगढ़ जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर जाम लगाकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कुछ किसान नेताओं को हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि हत्याकांड की निष्पक्ष जांच हो और नशे के कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

प्रदर्शन के बीच लुधियाना में युवक की करंट लगने से मौत जाब बंद के दौरान लुधियाना में एक दुखद घटना सामने आई, जहां प्रदर्शन कर रहे एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, युवक बिजली के खंभे पर लगे मुख्यमंत्री भगवंत मान के होर्डिंग को उतारने के लिए ऊपर चढ़ा था। इसी दौरान उसके हाथ में मौजूद लोहे की रॉड ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली की तारों से टकरा गई। रॉड के तारों के संपर्क में आते ही युवक को करंट लगा और उसके शरीर में आग लग गई। इसके बाद वह नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

परविंदर सिंह झोटा की 13 अक्टूबर को मानसा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि उन्होंने नशा बेचने का विरोध किया था, जिसके बाद मेडिकल स्टोर संचालक अश्विनी कुमार ने उन्हें गोली मार दी। घटना के बाद से ही परविंदर के परिवार और समर्थक न्याय की मांग कर रहे हैं। हत्याकांड के बाद परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग उठाई। परविंदर के पिता भीम सिंह ने शव लेने से इनकार कर दिया और मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की। परिवार की मांग है कि जांच ऐसी एजेंसी से कराई जाए, जिससे पूरे मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके। भीम सिंह ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के इस्तीफे की मांग भी की है। उन्होंने सरकार और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए मामले में पूरी सच्चाई सामने लाने की मांग की। पोस्टमॉर्टम और शव को लेकर जारी गतिरोध के बीच परिवार तथा समर्थकों का विरोध तेज हुआ। इसी का असर पंजाब बंद के रूप में दिखाई दिया। परिवार की मांग है कि जब तक मामले की जांच और कार्रवाई को लेकर संतोषजनक कदम नहीं उठाए जाते, तब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाए।

सीबीआई जांच की मांग लेकर हाईकोर्ट पहुंचे वकील परविंदर झोटा हत्याकांड अब पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। वकील हकम सिंह ने मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग को लेकर याचिका दायर की है। याचिका में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही मेडिकल स्टोर और आरोपी के हथियार के लाइसेंस की स्वतंत्र जांच कराने का अनुरोध भी किया गया है। मामले में एक अन्य याचिका पर सुनवाई के दौरान आरोपी के घर और मेडिकल स्टोर पर की गई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाए गए। इस कार्रवाई ने मामले को एक और कानूनी पहलू दे दिया है। एक तरफ परिवार और समर्थक हत्याकांड की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ प्रशासन की ओर से की गई कार्रवाई को लेकर भी न्यायिक स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं। अब मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया और जांच की दिशा महत्वपूर्ण होगी। परविंदर झोटा की हत्या को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पंजाब सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब में नशे के खिलाफ आवाज उठाना मौत की सजा पाने जैसा हो गया है और यह स्थिति भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार में पैदा हुई है। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि जिस सरकार में शिकायत करने वाला ही आरोपी बन जाए, वहां नशा तस्कर बेखौफ क्यों नहीं घूमेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से जवाब मांगा और पूछा कि नशे के खिलाफ लड़ने वाले लोगों की सुरक्षा कौन करेगा। राहुल गांधी ने पंजाब के युवाओं के भविष्य का हवाला देते हुए नशे के कारोबार को खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के इस कथित साम्राज्य को पूरी तरह समाप्त किए बिना कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी।

राहुल गांधी के बयान के बाद हत्याकांड को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और तेज हो गए। कांग्रेस ने इस घटना को नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुरक्षा से जोड़कर राज्य सरकार को घेरा। वहीं, मुख्यमंत्री की ओर से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

भगवंत मान बोले- दोषियों और साजिशकर्ताओं को नहीं बख्शेंगे

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मामले में सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और यदि घटना के पीछे कोई साजिशकर्ता है तो उसे भी कानून के दायरे में लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह आशंका भी जताई कि परविंदर झोटा नशा विरोधी कार्यकर्ता थे, इसलिए संभव है कि इस घटना में किसी नशा माफिया की भूमिका रही हो। मुख्यमंत्री के बयान के बाद अब जांच में सामने आने वाले तथ्यों पर निगाहें टिकी हैं। मामले में किसी साजिश या अन्य लोगों की संलिप्तता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। परिवार और समर्थकों की मांग है कि जांच में किसी भी तरह का पक्षपात नहीं होना चाहिए और घटना से जुड़े सभी पहलुओं को सामने लाया जाए। हत्याकांड के बाद पुलिस विभाग में भी कार्रवाई की गई है। मानसा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वैभव चौधरी ने मानसा सिटी थाना-2 की प्रभारी बेअंत कौर को निलंबित कर लाइन हाजिर कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है। इसके अतिरिक्त डीएसपी हरजिंदर सिंह गिल के खिलाफ जांच कराने के लिए पुलिस महानिदेशक कार्यालय को सिफारिश भेजी गई है।

# आज का राशिफल

## (शनिवार)17 अक्टूबर 2026




# लोगों की सेहत से खुला खिलवाड़: अहमदाबाद के बेहरामपुरा में बिना टमाटर के सिर्फ आलू पाउडर, एसिड और नुकसानदायक रंगों से बनने वाली नकली 'टमाटर सॉस' फैक्ट्री पकड़ी गई!

अहमदाबाद गुजरात में त्योहारों या आम दिनों में भी लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोर बेरहम हो गए हैं। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने अहमदाबाद शहर के बेहरामपुरा इलाके में पिराना रोड के पास एक ऐसी जानलेवा फैक्ट्री पर छापा मारा है, जिसके खुलासे से लाखों अहमदाबादियों की आंखों में आंसू आ गए हैं। जिस टोमैटो केचप (सॉस) को बच्चे और जवान चाव से खाते हैं, उसमें टमाटर ही नहीं था! सिर्फ आलू पाउडर, कॉर्न फ्लोर, केमिकल एसिटिक एसिड और कैंसर पैदा करने वाले नुकसानदायक रंगों को मिलाकर जहरीली सॉस बनाने का बड़ा घोटाला पकड़ा गया है।

2,000 kg जानलेवा सामान जब्त, फैक्ट्री सील

मिली जानकारी के मुताबिक, AMC के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम को सूचना मिली थी कि पिराना रोड इलाके में गंदे और गैर-कानूनी नकली खाने की चीजें बनाने की फैक्ट्री फल-फूल रही है। तुरंत रेड की गई और जांच करने वाले अधिकारी भी हैरान रह गए।

फैक्ट्री से करीब 2,000 kg (2 टन) नकली सॉस और बहुत नुकसानदायक कच्चा माल ज़ब्त किया गया। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने इस ज़हरीली फैक्ट्री को तुरंत सील कर दिया है और सैंपल टेस्टिंग के लिए लैब भेज दिए हैं।

बिना टमाटर के सॉस कैसे बनता था?

जांच में पता चला है कि असली टमाटर महंगे होने की वजह से इन मिलावटी व्यापारियों ने ग्राहकों की जान से खेलने के लिए गंदे और खतरनाक शॉर्टकट अपनाए

आलू पाउडर और कॉर्न फ्लोरः सॉस को गाढ़ा करने और उसकी मात्रा बढ़ाने के लिए आटे और आलू पाउडर का इस्तेमाल किया गया।

एसिटिक एसिड (केमिकल): खाने में इस्तेमाल न होने वाले खतरनाक केमिकल और एसिड को खट्टा बनाने के लिए डाला गया।

ज़हरीले रंगः लाल गम को असली टमाटर जैसा दिखाने के लिए जानलेवा और बैन सिंथेटिक रंग मिलाए गए।

यह ज़हरीली सॉस अहमदाबाद समेत आस-पास के बाज़ारों में होटलों, लॉरियों और नाश्ते की दुकानों पर सस्ते दामों पर सप्लाई की जाती थी, जिससे छोटे बच्चों और युवाओं के पेट और किडनी सड़ने का असली खतरा रहता है। लोगों का गुस्सा 'ऐसे व्यापारियों को मौत या उम्रकैद की सज़ा मिलनी चाहिए!'

इस घटना के सामने आने के बाद अहमदाबाद शहर में बहुत गुस्सा है। आम लोगों और जागरूक नागरिकों की ज़ोरदार मांग है कि ये शैतान व्यापारी सिर्फ़ पैसे के जुर्माने या कुछ दिन जेल में बिताने से नहीं सुधरेंगे।

लोगों का कहना है किः

कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियाँः इस तरह लोगों को केमिकल और ज़हरीली चीज़ें खिलाकर, वे उन्हें कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों की ओर धकेल रहे हैं।

कानून में सख्त बदलावः सरकार को ऐसा सख्त कानून बनाना चाहिए कि लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले ऐसे मिलावटखोरों और माफियाओं को सीधे उम्रकैद या मौत की सज़ा मिले।

यह मामला साबित करता है कि पैसे कमाने के चक्कर में कुछ लोग इंसानियत भूलकर खुलेआम ज़हर बेच रहे हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन और न्यायपालिका इन दोषियों के ख़िलाफ़ कितनी सख्त और मिसाल कायम करने वाली कार्रवाई करती है!

## महाराष्ट्र से मंगाया पेपर, खास केमिकल लगाकर घर में कलर प्रिंटर से छापने लगे नोट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुजफ्फरनगर।** नकली नोट बनाने वाले गिरोह को पुलिस ने पकड़ा है. तीन आरोपियों के पास से 5.26 लाख रुपये के नकली नोट, लैपटॉप, प्रिंटर, मोबाइल फोन और प्रिंटिंग पेपर बरामद किए गए हैं.



जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्यों ने इसका आइडिया वेब सीरीज 'फर्जी' देख लिया था. पुलिस का दावा है कि नकली नोट बनाने के लिए खास पेपर महाराष्ट्र से मंगाया जाता था.वेब सीरीज देखकर जल्द अमीर बनने का विचार आया और फिर नकली नोट छापने का काम शुरू कर दिया. उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में पुलिस ने ऐसे ही एक गिरोह का खुलासा किया है. पुलिस के मुताबिक, गिरोह के तीन सदस्य नकली करेंसी की सप्लाई करने के लिए पहुंचे थे, तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपियों के पास से 5 लाख 26 हजार रुपये के नकली नोट और उन्हें तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं.पुलिस की शुरुआती जांच में एक और अहम बात सामने आई है. आरोपियों ने नकली नोट बनाने के लिए जिस पेपर का इस्तेमाल किया, उसकी सप्लाई महाराष्ट्र से होने की बात कही गई है. पुलिस अब इस सप्लाई नेटवर्क और नकली नोट बाजार तक पहुंचाने में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है. मुजफ्फरनगर की बुढ़ाना कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि मेरठ-करनाल हाईवे पर कुछ लोग नकली करेंसी की सप्लाई करने के लिए आने वाले हैं. सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शुभम, महेंद्र और टीनू के रूप में बताई गई है. मोबाइल फोन और प्रिंटिंग से संबंधित सामग्री भी मिली है।

## नवरात्र में चिकन पार्टी कर घिर गए सपा नेता, बीजेपी ने बताया सनातन का अपमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**उत्तर प्रदेश ।** यूपी चुनाव से पहले सपा और बीजेपी के बीच धर्म के मुद्दे पर सियासी टकराव बढ़ गया है, जहां सपा सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर दिख रही है. अखिलेश यादव नवरात्रि पर लखनऊ में माता की चौकी कार्यक्रम में शामिल हुए, पूजा और आरती की और भारत की विविध संस्कृति और भाईचारे की बात कही. उधर बीजेपी यूपी ने सपा सांसदों के नवरात्रि में नॉन वेज खाने का वीडियो शेयर कर सपा को चुनावी हिंदू बताया और उस पर सनातन के अपमान का आरोप लगाया.उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले सपा और बीजेपी के बीच धर्म को लेकर सियासत गरमा गई है. अखिलेश यादव नवरात्रि पर लखनऊ में माता की चौकी कार्यक्रम में पहुंचे और आरती की. उधर बीजेपी यूपी ने सपा सांसदों का नवरात्रि में नॉन वेज खाने का वीडियो शेयर कर सपा को चुनावी हिंदू बताया. अखिलेश ने बीजेपी सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप भी लगाया.समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ में आयोजित माता की चौकी कार्यक्रम में शामिल हुए. वहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और सपा समर्थक मौजूद थे. उन्होंने पूजा अर्चना की और आरती में भी हिस्सा लिया. चुनाव से पहले सपा लगातार सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर दिख रही है, जबकि बीजेपी उस पर चुनावी हिंदू होने का आरोप लगा रही है.अखिलेश ने कहा कि भारत की खूबसूरती इसकी अलग अलग संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में है. यहां अलग अलग धर्मों, पंथों और संप्रदायों को मानने वाले लोग साथ रहते हैं और एक दूसरे के धार्मिक आयोजनों में शामिल होते हैं. उनके मुताबिक नवरात्रि, गणेश उत्सव, दशहरा, धनतेरस, छोटी दिवाली, बड़ी दिवाली और भाई दूज जैसे त्योहार देश की सांस्कृतिक एकता को दिखाते हैं.उन्होंने कहा कि नवरात्रि नए कामों की शुरुआत के लिए शुभ मानी जाती है. मां दुर्गा की पूजा धैर्य रखने, घमंड खत्म करने और दूसरों के प्रति नफरत मिटाने का संदेश देती है।



## ग्रेटर नोएडा में 3 करोड़ का सामान चुराकर जंगल में छिपाया... पुलिस ने लोडर समेत 3 आरोपियों को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**ग्रेटर नोएडा।** उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के आईनोट्रोनिक्स कंपनी से हुई करोड़ों रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है. पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. उनके कब्जे से चोरी की 3172 पीओएस पेटीएम प्रिंटर/मोबाइल टाइप मशीनें और एयरटेल के 147 सेटअप बॉक्स बरामद किए गए हैं. कंपनी ने बरामद सामान की कीमत करीब 3 करोड़ रुपये बताई हैगिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल (26), निवासी गाजियाबाद, सलमान (32) और आदिल (26), निवासी बुलंदशहर के रूप में हुई है. पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल छोटा हाथी वाहन और तीन चाकू भी बरामद किए हैएडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र सिंह ने बताया कि बुधवार रात पुलिस गश्त और चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आईनोट्रोनिक्स कंपनी से चोरी हुआ सामान एक लोडर में भरा है. कुछ लोग न्यू दादरी रेलवे स्टेशन के पास जंगल में खड़े हैं और सामान को कहीं ले जाने की तैयारी कर रहे हैं.सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने न्यू दादरी जंक्शन के पास जंगल में घेराबंदी की. वहां से लोडर समेत तीन आरोपियों को पकड़ लिया गया. पुलिस ने मामले के खुलासे के लिए थाना सूरजपुर और सर्विलांस की तीन टीमें बनाई थीं.पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने 9 अक्टूबर की देर रात में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था. उन्होंने बताया कि सूरजपुर औद्योगिक क्षेत्र की साइट-बी में स्थित कंपनी के पीछे जंगल की तरफ जाने वाला रास्ता है.आरोपियों ने कंपनी की पिछली दीवार में लगे बड़े एग्जॉस्ट फैन को उखाड़ दिया और उसी रास्ते अंदर घुस गए. वहां कार्टूनों में पैक पीओएस पेटीएम मशीनें, सेटअप बॉक्स और अन्य सामान रखा था. आरोपियों ने कार्टून बाहर निकाले और जंगल के रास्ते छोटा हाथी वाहन में लादकर ले गए. वे सामान बेचने जा रहेथे, तभी उन्हें पकड़ लिया गया.मशीनों और सेटअप बॉक्स के साथ चाकू भी बरामदपुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3172 पीओएस पेटीएम प्रिंटर/मोबाइल टाइप मशीनें, एयरटेल के 147 सेटअप बॉक्स, एक बारकोड प्रिंटर, दो क्यूआर कोड स्कैनर, दो रोल शोल्डर वायर, दस मदरबोर्ड और तीन चाकू बरामद किए हैं. पुलिस के अनुसार, कंपनी से चोरी हुए सामान की शत-प्रतिशत बरामदगी कर ली गई है.पुलिस का कहना है कि बिलाल दसवीं पास है और कबाड़ी का काम करता है. सलमान ने दूसरी कक्षा तक पढ़ाई की है और फेस-2 की फूलमंडी में फल बेचता है. आदिल पांचवीं कक्षा तक पढ़ा है और मीट की दुकान चलाता है.चार अन्य आरोपियों की तलाश जारीपुलिस का कहना है कि चोरी में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान दादरी निवासी इमरान उर्फ पंगा, लखनावली निवासी फरमान, लखनावली निवासी राशिद और नई आबादी दादरी निवासी वसीम के रूप में हुई है. इनकी गिरफ्तारी के लिए थाना सूरजपुर की तीन टीमें लगाई गई हैं.पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



# भगवान कहते हो, सम्मान नहीं नहीं देते', लखनऊ में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन, समान वेतन और एरियर की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मध्य प्रदेश।** लखनऊ में शुक्रवार को 2018, 2019 और 2020 बैच के बॉन्डेड डॉक्टरों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। वे समान पद पर काम करने वाले बॉन्डेड डॉक्टरों के वेतन में असमानता का विरोध कर रहे थे।लखनऊः राजधानी लखनऊ के 1090 चौराहे पर गुरुवार को समान वेतन और बकाया एरियर की मांग को लेकर प्रदेश भर के बॉन्डेड डॉक्टरों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। गले में स्टेथस्कोप, सफेद एप्रन पहने और मुंह पर टेप लगाकर सैकड़ों युवा डॉक्टर सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारी डॉक्टर पुलिस अधिकारियों के सामने हाथ जोड़ते और पैरों में लेटकर इंसाफ की गुहार लगाते नजर आए।जब डॉक्टरों ने 1090 चौराहे से मानव श्रृंखला बनाकर मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो भारी पुलिस बल ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक



लिया। इस दौरान जब आक्रोशित डॉक्टर सड़क पर ही धरने पर बैठ गए तो स्थिति को संभालने के लिए हजरतगंज के एसीपी खुद जमीन पर बैठ गए और हाथ जोड कर डॉक्टरों से शांति बनाए रखने व रास्ता खाली करने की अपील की।डॉक्टरों ने डिप्टी सीएम के वादे पर उठाए सवालविरोध प्रदर्शन में शामिल सरकारी मेडिकल कॉलेजों के 2018, 2019 और 2020 बैच के बॉन्डेड MBBS डॉक्टरों के हाथों में तख्तियां लिए थे, जिन पर 'वन बॉन्ड वन सेलरी' और 'बॉन्डेड मेडिकल अधिकारियों को न्याय दो' लिखा था। डॉक्टरों ने आरोप लगाया कि वे पिछले 40 दिनों से लगातार अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं लेकिन प्रदेश सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दो सितंबर को यूपी के डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने उनकी मांगें पूरी करने और 24 घंटे के भीतर शासनादेश जारी करने का स्पष्ट आश्वासन दिया था। इसको महीनों बीत जाने के बाद भी शासन का आदेश जारी नहीं हुआ, जिससे नाराज होकर उन्हें सड़क पर उतरने को मजबूर होना पड़ा।?50-55 हजार बनाम 1.10 लाख रुपये वेतनदेवरिया से प्रदर्शन में शामिल होने आईं डॉ निदा और अन्य चिकित्सकों ने वेतन ढांचे की विसंगति को उजागर करते हुए बताया कि बॉन्ड सेवा के तहत उन्हें दो साल की अनिवार्य सेवा करनी होती है या 10 लाख रुपये के बॉन्ड की बाध्यता झेलनी पड़ती है। इस दौरान उन्हें सुदूर ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों के पीएचसी और सीएचसी में तैनात किया जाता है, जहां उन्हें केवल 50 से 55 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर समान MBBS डिग्री, समान बॉन्ड, काउंसलिंग और चयन प्रक्रिया के तहत अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सेवा कर रहे डॉक्टरों को करीब 1.10 लाख रुपये प्रतिमाह तक वेतन मिल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि समान योग्यता और समान दायित्व के बावजूद यह दोहरा रवैया असहनीय है, इसलिए वे समान वेतनमान लागू करने और पुराने बकाया एरियर के भुगतान की मांग पर अड़े हैं।समाज हमें'भगवान' कहता है पुलिस ने बिना अनुमति धरना देने और यातायात बाधित करने की बात कहते और बकाया एरियर की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के बारे में आपका क्या विचार है

## ओबीसी आरक्षण पर विधायक देवेंद्र जैन और युवक में तीखी बहस, बोला- 'आप गधे हो, मैं ग्रेजुएट हूं'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**शिवपुरी।** मध्यप्रदेश के शिवपुरी में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर बुधवार को ओबीसी महासभा ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे और सरकार से आरक्षण लागू करने की मांग उठाई। इसी दौरान शिवपुरी से भाजपा विधायक देवेंद्र जैन और प्रदर्शन में शामिल एक युवक के बीच तीखी बहस हो गई। बातचीत के दौरान दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई। युवक ने विधायक से कहा, 'आप गधे हो, मैं ग्रेजुएट हूं।' युवक के इस जवाब पर मौके पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। घटना के बाद विधायक वहां से चले गए। प्रदर्शन के दौरान हुई इस बहस का मामला चर्चा में आ गया। ओबीसी महासभा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए और युवाओं को लंबे समय तक कानूनी प्रक्रिया का सामना नहीं करना पड़े। प्रदर्शन में पोहरी से विधायक कैलाश कुशवाह भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन से अपनी मांगों पर ध्यान देने और ज्ञापन स्वीकार करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों की नाराजगी इस बात को लेकर भी थी कि कलेक्टर स्वयं



ज्ञापन लेने के लिए मौके पर नहीं पहुंचे। लोगों ने मांग की कि जिला प्रशासन का प्रमुख होने के नाते कलेक्टर को प्रदर्शनकारियों के बीच आकर उनकी बात सुननी चाहिए। इसी मुद्दे पर कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे देश के नागरिक हैं और अपनी मांगों को लोकतांत्रिक तरीके से रखने का उन्हें पूरा अधिकार है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायक देवेंद्र जैन कलेक्ट्रेट पहुंचे तो एक युवक ने उनसे 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर सवाल उठाया। युवक ने आरक्षण को लेकर अदालत के फैसले का हवाला देते हुए इसे लागू करने की मांग की। बातचीत के दौरान विधायक ने युवक से पूछा कि क्या वह उन्हें गधा समझता है? इस पर युवक ने जवाब दिया कि वह ग्रेजुएट है और विधायक गधे हैं। युवक की टिप्पणी सुनकर वहां मौजूद प्रदर्शनकारियों ने तालियां बजाईं। इसके बाद विधायक मौके से चले गए। इस घटना ने प्रदर्शन के दौरान चल रही आरक्षण संबंधी चर्चा को और तीखा बना दिया। हालांकि, बहस के दौरान दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत को लेकर सामने आए विवरण के आधार पर ही घटनाक्रम की जानकारी दी जा रही है। आरक्षण के मुद्दे पर प्रदर्शनकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद खुलकर सामने आए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा सरकार से मांग की कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए अध्यादेश लाया जाए। उनका कहना था कि सरकार सात दिन के भीतर इस दिशा में फैसला करे, ताकि आरक्षण को लेकर असमंजस की स्थिति समाप्त हो सके। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने कहा कि आरक्षण से जुड़े मुद्दे पर लगातार कानूनी प्रक्रिया चलने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से इस मामले में ठोस कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन में ओबीसी नेताओं की मौजूदगी को लेकर भी सवाल उठाए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष की लड़ाई नहीं, बल्कि अपने अधिकारों की मांग है। उन्होंने सत्ता पक्ष के नेताओं से भी इस मुद्दे पर खुलकर अपनी भूमिका स्पष्ट करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपेक्षित राजनीतिक समर्थन नहीं मिल रहा है। प्रदर्शन के दौरान जिला प्रशासन और कलेक्टर के खिलाफ भी नारेबाजी की गई।

## मेडिकल टेस्ट में निकला HIV पॉजिटिव, अब पुलिसकर्मी की हालत खराब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**छतरपुर।** मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में दुष्कर्म के एक आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम के साथ झड़प का मामला सामने आया है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने एक कांस्टेबल के हाथ में दांत से काट लिया, जिससे उसके हाथ से खून निकलने लगा। बाद में आरोपी की मेडिकल जांच कराई गई तो वह एचआईवी संक्रमित पाया गया। इस जानकारी के सामने आने के बाद घायल कांस्टेबल की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, केवल आरोपी के एचआईवी संक्रमित होने से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि कांस्टेबल भी संक्रमित हो गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को पुलिस को दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी के ठिकाने के बारे में गोपनीय सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस जब आरोपी को पकड़ने पहुंची तो उसने कथित तौर पर विरोध करना शुरू कर दिया। इसी दौरान उसे काबू में करने की कोशिश कर रहे एक कांस्टेबल के हाथ में आरोपी ने दांत से काट लिया। चोट लगने के बाद कांस्टेबल के हाथ से खून निकलने लगा। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी को काबू में लेकर आगे की कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को नियमित चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसी दौरान उसके रक्त की जांच कराई गई, जिसमें एचआईवी संक्रमण की पुष्टि होने की जानकारी सामने आई। छतरपुर के पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने आरोपी की मेडिकल जांच में एचआईवी संक्रमित पाए जाने की पुष्टि की है। आरोपी की रिपोर्ट सामने आने के बाद घायल कांस्टेबल की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि, कांस्टेबल के संक्रमित होने की कोई पुष्टि उपलब्ध जानकारी में नहीं हुई है। घटना के बाद सबसे अहम सवाल घायल कांस्टेबल के स्वास्थ्य और संक्रमण के संभावित जोखिम को लेकर है। विशेषज्ञों के अनुसार, एचआईवी संक्रमण सामान्य संपर्क, साथ बैठने या छूने से नहीं फैलता। दांत काटने की घटना में जोखिम का आकलन इस बात पर निर्भर करता है कि घाव कितना गहरा था, किसका खून किसके संपर्क में आया और शरीर के तरल पदार्थों का वास्तविक संपर्क किस तरह हुआ।



## पति को भेजे निजी वीडियो तो भड़की महिला, पूर्व प्रेमी पर कैंची से ताबड़तोड़ हमला करने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**ग्वालियर।** मध्य प्रदेश के ग्वालियर में निजी वीडियो और ऑडियो पति को भेजने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कंपू थाना क्षेत्र की ललितपुर कॉलोनी में एक महिला पर अपने पूर्व प्रेमी धर्मेंद्र प्रजापति पर कैंची से हमला करने का आरोप है। हमले में 40 वर्षीय धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके शरीर पर कई घाव होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। महिला का आरोप है कि धर्मेंद्र उसे लगातार परेशान कर रहा था और निजी ऑडियो-वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर रहा था। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, घायल धर्मेंद्र प्रजापति ललितपुर कॉलोनी में किराए के मकान में रहता था। बताया जा रहा है कि महिला और धर्मेंद्र के बीच करीब ढाई साल तक प्रेम संबंध रहे थे। महिला के पहले पति बालवीर प्रजापति की मौत के बाद वह धर्मेंद्र के संपर्क में आई थी।



कुछ समय तक दोनों के बीच संबंध रहे, लेकिन बाद में महिला ने उससे दूरी बना ली। इसके बाद महिला ने सिकंदर कंपू निवासी सोनू यादव से शादी कर ली। बताया जा रहा है कि महिला की शादी के बाद भी धर्मेंद्र और उसके बीच विवाद की स्थिति बनी हुई थी। आरोप है कि धर्मेंद्र ने महिला के साथ पुराने संबंधों से जुड़े निजी ऑडियो और वीडियो उसके पति सोनू यादव को भेज दिए। इस घटना के बाद महिला और उसके पति के बीच विवाद हो गया। निजी सामग्री पति तक पहुंचने की बात सामने आने के बाद महिला नाराज हो गई। महिला का कहना है कि धर्मेंद्र उसे लगातार परेशान कर रहा था और उसकी शादीशुदा जिंदगी में दखल दे रहा था। इसी के चलते दोनों के बीच तनाव बढ़ता गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि निजी ऑडियो-वीडियो किस परिस्थिति में भेजे गए और क्या इस मामले में ब्लैकमेलिंग की गई थी। बताया जा रहा है कि पति को निजी वीडियो और ऑडियो भेजे जाने से नाराज महिला सीधे धर्मेंद्र के घर पहुंच गई। वहां दोनों के बीच कहासुनी हुई। आरोप है कि विवाद के दौरान महिला ने कैंची से धर्मेंद्र पर हमला कर दिया। हमले में धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया और जमीन पर गिर पड़ा। अचानक हुई इस घटना से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। उसकी आवाज सुनकर आसपास रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भिजवाया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र के शरीर पर 8 से 9 घाव होने की बात सामने आई है। चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार किया जा रहा है। पुलिस घटना के समय मौजूद परिस्थितियों, दोनों के बीच हुई बातचीत और विवाद की वजहों की जानकारी जुटा रही है। मामले में घायल के बयान भी जांच के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

## मध्य प्रदेश में महिला कांस्टेबल को जेंडर परिवर्तन की अनुमति, गृह विभाग ने जारी किया आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूर

**भोपाल।** मध्य प्रदेश पुलिस में कार्यरत एक महिला कांस्टेबल को जेंडर परिवर्तन की अनुमति मिल गई है। राज्य के गृह विभाग ने संबंधित पुलिसकर्मी के आवेदन, चिकित्सकीय जांच, विशेषज्ञों की रिपोर्ट और मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा की समीक्षा के बाद मंजूरी जारी की है। अनुमति मिलने के बाद अब कांस्टेबल निर्धारित चिकित्सकीय प्रक्रिया और विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार आगे की कार्रवाई कर सकेंगी। यह मामला पुलिस विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के व्यक्तिगत और चिकित्सकीय मामलों में अपनाई जाने वाली प्रशासनिक प्रक्रिया के लिहाज से महत्वपूर्ण है। संबंधित कांस्टेबल ने जनवरी 2022 में जेंडर परिवर्तन की अनुमति के लिए आवेदन किया था। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज और शपथ पत्र भी प्रस्तुत किए गए थे। इसके बाद मामले को विभागीय प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ाया गया और चिकित्सकीय परीक्षण सहित विभिन्न चरण पूरे किए गए। करीब 4 साल तक चली इस प्रक्रिया के बाद गृह विभाग की ओर से अनुमति जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, कांस्टेबल के आवेदन पर कार्रवाई करते हुए जुलाई 2022 में भोपाल स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज में उनका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया था। इस परीक्षण के आधार पर आगे की चिकित्सकीय और विभागीय प्रक्रिया शुरू हुई। मामले में संबंधित विशेषज्ञों से रिपोर्ट प्राप्त की गई, ताकि आवेदन पर निर्णय लेने से पहले आवश्यक चिकित्सकीय पहलुओं का परीक्षण किया जा सके। इसके बाद मनोचिकित्सक ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध चिकित्सकीय जानकारी के आधार पर जिला मेडिकल बोर्ड ने मामले की समीक्षा की और जेंडर परिवर्तन के पक्ष में अनुशंसा की। मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण थी, क्योंकि शासन स्तर पर निर्णय लेने से पहले संबंधित व्यक्ति की चिकित्सकीय स्थिति और प्रस्तुत दस्तावेजों का परीक्षण आवश्यक था। बोर्ड की रिपोर्ट मिलने के बाद आवेदन को आवश्यक दस्तावेजों के साथ शासन के समक्ष भेजा गया।बताया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांस्टेबल के आवेदन पर गृह विभाग को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद विभागीय स्तर पर आवेदन से संबंधित दस्तावेजों, चिकित्सकीय रिपोर्ट और मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा की समीक्षा की गई। सभी संबंधित पहलुओं का परीक्षण करने के बाद गृह विभाग ने अनुमति देने का निर्णय लिया। इस तरह आवेदन से लेकर अंतिम स्वीकृति तक की प्रक्रिया में चिकित्सकीय विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका रही। शासन की मंजूरी के बाद संबंधित कांस्टेबल के लिए आगे की चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, अनुमति जारी होने और चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी होने के बीच अंतर है। आगे की कार्रवाई संबंधित व्यक्ति की इच्छा, चिकित्सकीय सलाह और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। पुलिस विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के सेवा संबंधी मामलों के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत और चिकित्सकीय विषयों पर भी नियमानुसार निर्णय लिया जाता है।



## गोवा एक्सप्रेस की मेंटेनेंस ट्रॉली से टक्कर, रेलवे कर्मचारी भगवान सिंह बिलमा की मौत, 4 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**उज्जैन।** मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में बेरछा-मक्सी रेलखंड पर गोवा एक्सप्रेस और रेलवे की मेंटेनेंस ट्रॉली के बीच टक्कर हो गई। हादसे में एक रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य कर्मचारी घायल हो गए। घायलों में एक कर्मचारी के पैर के गंभीर रूप से जख्मी होने और पैर कटने की जानकारी सामने आई है। दुर्घटना के बाद रेलवे और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के कारण रेल परिचालन भी प्रभावित हुआ। रेलवे प्रशासन ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना बेरछा रेलवे स्टेशन से करीब 14 किलोमीटर दूर पीर उमरोद और मक्सी के बीच झोंकर रेलवे फाटक के पास हुई। यहां रेलवे ट्रैक पर सुधार और रखरखाव का काम चल रहा था। इस कार्य के लिए स्थायी पथ निरीक्षण यानी पीडब्ल्यूआई की मेंटेनेंस ट्रॉली का इस्तेमाल




किया जा रहा था। ट्रॉली में कुल 5 रेलकर्मी सवार थे, जो रेलवे ट्रैक की मरम्मत और रखरखाव के काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान मक्सी की दिशा से डायवर्टेड रूट पर आ रही गोवा एक्सप्रेस ने मेंटेनेंस ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रॉली क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों और संबंधित कर्मचारियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई। हादसे में जान गंवाने वाले रेलवे कर्मचारी की पहचान भगवान सिंह बिलमा के रूप में हुई है। उनका शव अस्पताल लाया गया। वहीं, घायल कर्मचारियों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, बरडियासोन निवासी दिलीप, पिता बाबूलाल, गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी में घटनास्थल पर मौजूद पुलिस को सभी घायलों के बारे में तत्काल स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई थी। बाद में सामने आई जानकारी के अनुसार, विक्रम, सद्दाम और मनोज वर्मा भी घायल हुए हैं। बताया गया है कि मेंटेनेंस ट्रॉली में सवार कर्मचारियों की टीम का नेतृत्व उज्जैन निवासी मनोज वर्मा कर रहे थे। हादसे के दौरान मनोज वर्मा ने ट्रॉली से कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। हालांकि, दुर्घटना के दौरान कर्मचारियों को संभलने का पर्याप्त मौका मिला या नहीं और ट्रॉली किस स्थिति में ट्रैक पर मौजूद थी, इसकी विस्तृत जानकारी जांच के बाद ही सामने आएगी। घटना के समय झोंकर रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर सुधार कार्य किया जा रहा था।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शनिवार)
17 अक्टूबर 2026



## आस्था भी, पर्यावरण भी... दिल्ली में 250 जगहों पर लगेंगे मूर्ति कलेक्शन कियोस्क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने पूजा-पाठ के बाद खराब या पुरानी हो चुकी मूर्तियों और धार्मिक सामग्री के उचित निपटारे की दिशा में कदम उठाया है। अब राजधानी में ऐसी सामग्री को सड़कों, खाली स्थानों या जलस्रोतों में छोड़ने के बजाय निर्धारित कलेक्शन कियोस्क पर जमा कराया जा सकेगा।



दिल्ली सरकार और नगर निगम की इस पहल के तहत पहले चरण में राजधानी के अलग-अलग वार्डों में 250 मूर्ति कलेक्शन कियोस्क स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोगों से अपील की है कि वे धार्मिक सामग्री का निपटारा करते समय पर्यावरण की सुरक्षा और स्वच्छता का भी ध्यान रखें। इस योजना के तहत दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और प्लास्टइंडिया फाउंडेशन के बीच 15 अक्टूबर को समझौता हुआ। इसके अनुसार, राजधानी के विभिन्न वार्डों में 250 कलेक्शन कियोस्क लगाए जाने हैं। इनमें से 60 कियोस्क पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। प्लास्टइंडिया फाउंडेशन ने इन कियोस्क को तैयार कर मुफ्त में उपलब्ध कराया है। योजना का उद्देश्य लोगों को ऐसा निर्धारित स्थान उपलब्ध कराना है, जहां वे पुरानी, खराब या खंडित मूर्तियों और पूजा से जुड़ी अन्य सामग्री को सम्मानपूर्वक जमा कर सकें। इससे धार्मिक सामग्री को खुले में फेंकने और उसके कारण होने वाली गंदगी को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। योजना के तहत कलेक्शन कियोस्क पर जमा होने वाली मूर्तियों और पूजा सामग्री को एमसीडी की निगरानी में एकत्र किया जाएगा। इसके बाद सामग्री को उसकी प्रकृति के अनुसार अलग-अलग किया जाएगा और निर्धारित केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। वहां उपलब्ध व्यवस्था के अनुसार उसका उचित प्रबंधन और रिसाइक्लिंग की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

## दिल्ली की रामलीला में रावण के साथ जलेगा 30 फीट का कॉकरोच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली के पीतमपुरा में इस बार दशहरे पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के साथ 30 फीट ऊंचे कॉकरोच का पुतला भी जलाया जाएगा। श्री केशव रामलीला कमेटी ने इसे स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने की पहल बताया है। कमेटी के अध्यक्ष और भाजपा विधायक अशोक गोयल ने कहा कि इस फैसले के पीछे कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है। उनके मुताबिक,



कॉकरोच गंदगी का प्रतीक है और इसके पुतले के जरिए स्वच्छ भारत तथा स्वच्छ दिल्ली का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, कॉकरोच को रावण की सेना के असुरों के रूप में भी दिखाया जाएगा। दशहरे पर बुराई पर अच्छाई की जीत के पारंपरिक संदेश के साथ स्वच्छता का मुद्दा जोड़ने की तैयारी है। इस पहल का उद्देश्य लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखने के प्रति जागरूक करना है। हालांकि, यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नाम से जुड़े विरोध आंदोलन की भी चर्चा है। संगठन ने कॉकरोच को प्रतीक बनाकर बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और सरकार की जवाबदेही जैसे मुद्दे उठाए हैं। हाल में संगठन की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की गई है। यह मांग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़ी बताई जा रही है। सीजेपी के विरोध प्रदर्शनों और उसके कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की घटनाओं के बीच कॉकरोच का प्रतीक राजनीतिक चर्चा का हिस्सा बना हुआ है। दूसरी ओर, रामलीला कमेटी ने स्पष्ट किया है कि पुतला दहन का उद्देश्य स्वच्छता का संदेश देना है, न कि किसी राजनीतिक संगठन या आंदोलन पर टिप्पणी करना। फिलहाल, 30 फीट ऊंचे कॉकरोच के पुतले को लेकर रामलीला आयोजन चर्चा में है। अब यह देखना होगा कि स्वच्छता का संदेश देने वाली यह पहल लोगों का कितना ध्यान आकर्षित करती है

## नांगलोई में दिल दहलाने वाली वारदात, किचन वाले चाकू से गोदकर पत्नी की बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके के लक्ष्मी पार्क में घरेलू विवाद के बाद एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने किचन में इस्तेमाल होने वाले चाकू से हमला कर पत्नी रूबी की जान ले ली और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। घटना बुधवार रात की बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। डीसीपी आउटर विक्रम सिंह मीणा के अनुसार, आरोपी पति की तलाश की जा रही है। पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, रूबी अपने पति और 13 साल के बेटे के साथ लक्ष्मी पार्क स्थित एक किराए के मकान में रहती थी। पड़ोस में रहने वाली महिला पूजा ने बताया कि परिवार करीब 15 दिन पहले ही इलाके में रहने आया था। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि पति बेरोजगार था और नशे का आदी बताया जा रहा है। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। बुधवार रात भी दोनों के बीच झगड़ा होने की बात सामने आई है। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह और घटनाक्रम की पुष्टि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। वारदात के समय रूबी का बेटा पड़ोस में रहने वाली अपनी मौसी के घर गया हुआ था। बताया गया है कि रूबी की कई बहनें भी इसी इलाके में रहती हैं और परिवार का यहां कारोबार है। उनकी बहनें 'अलीगढ़ कचौड़ी' के नाम से दुकान चलाती हैं। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। गुरुवार दोपहर बाद परिजन रूबी का शव लेकर अलीगढ़ स्थित अपने गांव रवाना हो गए। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। जांच के दौरान घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों और परिजनों के बयान के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद घरेलू विवाद की परिस्थितियों और वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों के स्पष्ट होने की उम्मीद है। दिल्ली के वेलकम इलाके में भी पति-पत्नी के विवाद से जुड़ी एक अन्य घटना सामने आई है। आरोप है कि ससुराल लौटने से इनकार करने पर एक युवक ने अपनी पत्नी पर गोली चला दी। महिला को गोली नहीं लगी। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद फैजान उर्फ फाजी (24) को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक कट्टा, 2 कारतूस और एक स्कूटी बरामद किए जाने की जानकारी दी गई है। डीसीपी राहुल अलवाल के अनुसार, 14 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे जनता मजदूर कॉलोनी के ई-ब्लॉक में गोली चलने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला ने बताया कि उसकी शादी करीब 3-4 महीने पहले फैजान से हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों के बीच विवाद होते रहते थे। इसी कारण वह पिछले 10-12 दिनों से अपने मायके में रह रही थी। आरोप है कि बुधवार शाम फैजान पत्नी के पास पहुंचा और उसे ससुराल लौटने के लिए कहने लगा। इसी बात पर दोनों के बीच बहस हो गई। इसके बाद युवक ने कथित तौर पर गुस्से में गोली चला दी। महिला को गोली नहीं लगी और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस हथियार और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

# जर्मनी में रहने के लिए ऑनलाइन तलाश रही थी जगह, फेसबुक पर मिला ठगों का जाल; छात्रा से 2.4 लाख रुपये की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**ठाणे।** विदेश में पढ़ाई, प्रशिक्षण या अन्य कामों के सिलसिले में जाने वाले लोगों को रहने की जगह उपलब्ध कराने के नाम पर ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। महाराष्ट्र के ठाणे की 21 वर्षीय छात्रा सनीता संजय गायकवाड़ कथित तौर पर इस ठगी का शिकार हो गई। आरोप है कि जर्मनी में एक महीने तक ठहरने के लिए आवास तलाश रही छात्रा को सोशल मीडिया के जरिए संपर्क करने वाले लोगों ने बुकिंग कराने का भरोसा दिया और उससे कुल 2.4 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। रकम मिलने के बाद संपर्क करने वाले लोगों ने जवाब देना बंद कर दिया। काफी कोशिशों के बावजूद जब छात्रा उनसे संपर्क नहीं कर सकी, तो उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, सनीता ठाणे शहर के कलवा इलाके की रहने वाली है। वह जर्मनी में एक महीने के लिए ठहरने की व्यवस्था करना चाहती थी। इसके लिए वह इंटरनेट पर अलग-अलग विकल्प तलाश रही थी। इसी दौरान उसे फेसबुक पर 'बर्लिन स्टूडेंट्स

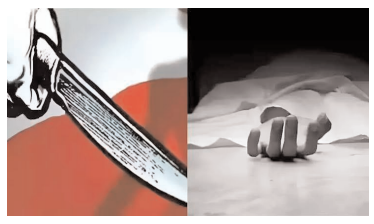


अकॉमोडेशन ग्रुप' नाम का एक पेज दिखाई दिया। विदेश में रहने की जगह तलाश रहे लोगों के लिए उपयोगी समझकर छात्रा ने इस पेज के जरिए संपर्क किया। इसके बाद कुछ लोगों ने उससे बातचीत शुरू की और जर्मनी में आवास उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। बताया गया है कि छात्रा से फेसबुक पेज के अलावा ईमेल और व्हाट्सऐप के जरिए भी संपर्क किया गया। संपर्क करने वाले लोगों ने अपनी पहचान विविएन रोशफोर्ट, स्टुअर्ट जेम्स और लॉरेंट लिफ्टैट के रूप में बताई। बातचीत के दौरान उन्होंने छात्रा को भरोसा दिलाया कि उसके लिए जर्मनी में रहने की जगह की व्यवस्था की जा सकती है। आरोप है कि आवास की बुकिंग और उससे जुड़ी औपचारिकताओं के नाम पर उससे अलग-अलग माध्यमों से रकम जमा कराने को कहा गया। विदेश में ठहरने की जगह तय करने की जरूरत के चलते छात्रा ने संपर्क करने वाले लोगों की बातों पर भरोसा कर लिया। इसके बाद उसने बताए गए तरीकों से पैसे ट्रांसफर कर दिए। पुलिस के अनुसार, छात्रा ने अलग-अलग लेनदेन के माध्यम से कुल 2.4 लाख रुपये भेजे। रकम ट्रांसफर करने के बाद उसे उम्मीद थी कि बुकिंग की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और जर्मनी पहुंचने पर उसके पास रहने के लिए जगह होगी। हालांकि, पैसे मिलने के बाद कथित तौर पर संपर्क करने वाले लोगों का व्यवहार बदल गया और उनसे जवाब मिलना बंद हो गया। पुलिस के मुताबिक, स्टुअर्ट जेम्स नाम से संपर्क करने वाले व्यक्ति ने ईमेल पते के माध्यम से बातचीत की थी, जबकि लॉरेंट लिफ्टैट नाम बताने वाले व्यक्ति ने व्हाट्सऐप नंबरों का इस्तेमाल किया। शिकायत में इन संपर्क माध्यमों का उल्लेख किया गया है। पुलिस अब इन विवरणों की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इनके पीछे कौन लोग हैं और क्या इन नामों तथा संपर्क विवरणों का इस्तेमाल वास्तविक पहचान छिपाने के लिए किया गया था। छात्रा ने जब पैसे भेजने के बाद आवास की बुकिंग और अन्य जानकारी हासिल करने के लिए दोबारा संपर्क करने की कोशिश की, तो कथित तौर पर उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसे संदेह हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। आरोप है कि जिन लोगों ने जर्मनी में रहने की जगह उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, वे रकम हासिल करने के बाद संपर्क से बाहर हो गए। न तो आवास की व्यवस्था की पुष्टि हुई और न ही भेजी गई रकम वापस मिल सकी। शिकायत के आधार पर पुलिस इस मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। फेसबुक पर इस्तेमाल किए गए पेज, ईमेल के जरिए हुई बातचीत और व्हाट्सऐप नंबरों से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। जांच का एक अहम हिस्सा यह पता लगाना भी है कि छात्रा की ओर से ट्रांसफर की गई रकम किन खातों या माध्यमों में पहुंची। इन जानकारियों के आधार पर कथित आरोपियों की पहचान और उनकी भूमिका स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है ऑनलाइन आवास बुकिंग के मामलों में अक्सर लोग विदेश पहुंचने से पहले ही रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करना चाहते हैं।

## स्कूल के गेट पर चाकू मार 12वीं के स्टूडेंट का मर्डर, 5 में से 3 आरोपी मृतक के स्कूल के ही छात्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के द्वारका जिले के मोहन गार्डन इलाके में स्कूल के बाहर हुई चाकूबाजी में 12वीं कक्षा के 18 वर्षीय छात्र नितेश की मौत हो गई। घटना बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 की शाम की बताई जा रही है। आरोप है कि स्कूल की छुट्टी के बाद छात्रों के दो समूहों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और नितेश पर चाकू से हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल छात्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार, इनमें से 3 उसी स्कूल के छात्र हैं, जबकि 3 आरोपी नाबालिग बताए गए हैं। वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी स्कूल के गेट के बाहर से बरामद किया गया है। डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच के दौरान आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा गया। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विवाद किस तरह शुरू हुआ और किसकी क्या भूमिका रही। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, घटना की जड़ स्कूल में ड्रेस के साथ निर्धारित जूते पहनने को लेकर हुई शिकायत से जुड़ी थी।



बताया जा रहा है कि इसी बात पर दो छात्रों के बीच स्कूल के अंदर कहासुनी हुई थी। बाद में छुट्टी के समय यह विवाद स्कूल के बाहर पहुंच गया और हिंसक झड़प में बदल गया। पुलिस के अनुसार, नितेश स्कूल में पढ़ने वाले एक अन्य छात्र अभय (बदला हुआ नाम) का दोस्त था। अभय और विनीत (बदला हुआ नाम) के बीच स्कूल यूनिफॉर्म के साथ निर्धारित जूते नहीं पहनने को लेकर विवाद हुआ था। जानकारी के मुताबिक, अभय ने इस संबंध में शिक्षक से शिकायत की थी। इसके बाद विनीत और अभय के बीच स्कूल के भीतर बहस हुई। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच तनाव बना हुआ था। बुधवार शाम स्कूल की छुट्टी होने के बाद अभय और विनीत अपने-अपने दोस्तों के साथ बाहर निकले। आरोप है कि स्कूल के गेट के बाहर विनीत ने अपने साथियों को उकसाया, जिसके बाद अभय के साथ विवाद बढ़ गया। उस समय नितेश भी अभय के साथ मौजूद था। इसी दौरान नितेश पर चाकू से हमला किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, घटना के दौरान किस आरोपी ने हमला किया और अन्य लोगों की भूमिका क्या थी, इसका विस्तृत ब्योरा पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। हमले में नितेश गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन स्कूल के बाहर पहुंचे। नितेश के पिता सतीश ने बताया कि वह बुधवार शाम अपने बेटे को लेने पहुंचे थे, तभी उन्हें घटना के बारे में पता चला। उस समय स्कूल के बाहर काफी भीड़ जमा थी। सतीश सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद गुरुग्राम में गनमैन के रूप में काम करते हैं। नितेश के चाचा ने दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि परिवार को फोन आने के बाद घटना की जानकारी मिली और अस्पताल पहुंचने पर भतीजे की मौत का पता चला। परिजनों के मुताबिक, नितेश के शरीर पर कई जगह चाकू से वार किए गए थे। परिवार के लिए यह घटना अचानक आए गहरे सदमे की तरह है।

## अनपैक्ड मसालों की बिक्री पर रोक, इथिलीन ऑक्साइड बैन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** महाराष्ट्र में मसालों की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने नियम सख्त कर दिए हैं। प्रशासन ने मसालों के उत्पादन, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े कारोबारियों को निर्देश दिया है कि मसाला पाउडर और मिश्रित मसालों को उचित तरीके से पैक और सील करके ही बेचा जाए। इसके साथ ही मसालों को रोगाणुमुक्त करने के लिए इस्तेमाल होने वाले रसायन एथिलीन ऑक्साइड पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन कदमों का उद्देश्य मसालों में मिलावट और संभावित दूषण को रोकना तथा उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त तुकाराम मुंढे ने मसालों के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और बिक्री से जुड़े कारोबारियों के लिए ये निर्देश जारी किए हैं। नियमों के दायरे में मसाला निर्माता, थोक विक्रेता, खुदरा दुकानदार, ऑनलाइन माध्यम से बिक्री करने वाली कंपनियां, होटल, रेस्तरां, भोजन उपलब्ध कराने वाले प्रतिष्ठान और संस्थागत रसोई संचालित करने वाले केंद्र शामिल हैं। नए निर्देशों के अनुसार, कारोबारियों को मसालों की पैकेजिंग और भंडारण के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। खुले में मसाला पाउडर और मिश्रित मसालों की बिक्री के बजाय उन्हें उचित तरीके से पैक और सीलबंद करके उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। इससे मसालों को बाहरी गंदगी और संभावित दूषण से बचाने में मदद मिल सकती है। मसालों को रोगाणुमुक्त करने में इस्तेमाल होने वाले एथिलीन ऑक्साइड पर प्रतिबंध भी इस कार्रवाई का अहम हिस्सा है। खाद्य पदार्थों में इस रसायन के अवशेषों को लेकर स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं जताई जाती रही हैं। ऐसे में प्रशासन ने मसालों के प्रसंस्करण में इसके इस्तेमाल पर रोक लगाई है। मसालों का इस्तेमाल घरों से लेकर होटल और रेस्तरां तक बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखना जरूरी है।




## विसर्जित मूर्तियों की फोटो-वीडियो बनाने और प्रसारित करने पर रोक, उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

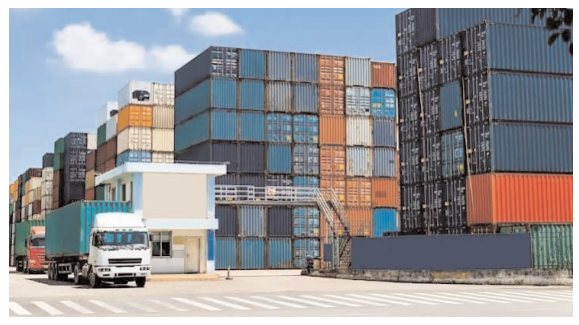
महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान धार्मिक भावनाओं और सार्वजनिक शांति से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मुंबई पुलिस ने एहतियाती आदेश जारी किया है। इसके तहत 20 से 22 अक्टूबर तक पानी में तैरती, आधी डूबी या अधविसर्जित देवी दुर्गा की प्रतिमाओं की तस्वीरें और वीडियो बनाने तथा उन्हें प्रसारित करने पर रोक लगाई गई है। पुलिस का कहना है कि विसर्जन के दौरान ऐसी प्रतिमाओं के दृश्य सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्रसारित होने पर धार्मिक भावनाएं आहत होने और तनाव की स्थिति बनने की आशंका रहती है। इसी को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, यह आदेश 16 अक्टूबर को जारी किया गया। पुलिस उपायुक्त (ऑपरेशंस) अकबर पठान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत यह निर्देश जारी किए हैं। आदेश की अवधि के दौरान मुंबई के विभिन्न जलाशयों में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। ऐसे में पुलिस ने संबंधित स्थानों पर



शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से तस्वीरें और वीडियो बनाने तथा उनके प्रसार पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। पुलिस के मुताबिक, विसर्जन के दौरान कई बार पानी के तेज बहाव के कारण कुछ प्रतिमाएं पूरी तरह जल में विसर्जित नहीं हो पातीं। ऐसी प्रतिमाएं बहकर नदियों या समुद्र के किनारे तक पहुंच सकती हैं। इसके बाद मुंबई नगर निगम के कर्मचारी उन्हें पानी से निकालकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दोबारा विसर्जन के लिए ले जाते हैं। इस दौरान प्रतिमाओं के अधडूबे होने या उन्हें पानी से निकालने के दृश्य सामने आते हैं। आदेश में ऐसी अधविसर्जित प्रतिमाओं के साथ-साथ उन्हें पानी से निकालते नगर निगम कर्मचारियों की तस्वीरें और वीडियो प्रसारित करने पर भी रोक लगाई गई है। पुलिस का मानना है कि ऐसे दृश्यों को बिना उचित संदर्भ के साझा किए जाने से लोगों की धार्मिक भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं और सार्वजनिक शांति पर असर पड़ सकता है। इसी आशंका के मद्देनजर निर्धारित अवधि के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है मुंबई पुलिस का यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान शहर के विभिन्न जलाशयों और समुद्र तटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। विसर्जन के दौरान प्रतिमाओं और पूजा सामग्री का उचित प्रबंधन करना भी प्रशासन के सामने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। पुलिस और नगर निगम की ओर से इस अवधि में व्यवस्थाएं बनाए रखने पर ध्यान दिया जा रहा है। धार्मिक आयोजनों के दौरान सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो तेजी से प्रसारित होते हैं। कई बार किसी दृश्य को उसके पूरे संदर्भ के बिना साझा किए जाने से विवाद की स्थिति बन सकती है। मुंबई पुलिस ने इसी तरह की संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह एहतियाती आदेश जारी किया है।

## 35 साल का होगा करार; 18 महीने में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** माल ढुलाई को बढ़ावा देने और परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के लिए मध्य रेलवे ने मुंबई के मुलुंड में गतिशक्ति बहुउद्देशीय माल ढुलाई टर्मिनल विकसित करने की योजना बनाई है। यह टर्मिनल पूरी तरह रेलवे की जमीन पर बनाया जाएगा। इसके विकास और संचालन के लिए ठेकेदार के साथ 35 साल का करार करने का प्रस्ताव है। परियोजना का उद्देश्य माल परिवहन के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करना है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, रेल के माध्यम से माल ढुलाई करने से सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की लागत कम करने में मदद मिल सकती है। मुलुंड में बनने वाले टर्मिनल पर माल चढ़ाने-उतारने और भंडारण की सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इससे व्यापारियों और माल परिवहन से जुड़े कारोबारियों को एक ही स्थान पर जरूरी सुविधाएं मिल सकेंगी। रेलवे अपनी खाली जमीनों का इस्तेमाल माल गोदामों और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए भी कर रहा है। मुलुंड का यह टर्मिनल इसी योजना का हिस्सा है। परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद ठेकेदार को 3 महीने के भीतर निर्माण कार्य शुरू करना होगा। इसके बाद 18 महीने के भीतर टर्मिनल का निर्माण पूरा करना अनिवार्य होगा। यदि किसी कारण से अतिरिक्त समय की जरूरत पड़ती है, तो मंडल रेल प्रबंधक की मंजूरी से 6 महीने तक की समय-सीमा बढ़ाई जा सकती है। इस तरह परियोजना को निर्धारित समय में पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया है। नए टर्मिनल में माल चढ़ाने और उतारने की व्यवस्था के साथ इलेक्ट्रॉनिक चलते वजन कांटे की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे माल का वजन दर्ज करने और परिवहन प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, माल ढुलाई से जुड़े लेन-देन और रेलवे रसीद तैयार करने के लिए डिजिटल प्रणालियां भी स्थापित की जाएंगी।इन व्यवस्थाओं से माल की बुकिंग, वजन और परिवहन से संबंधित जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होने की उम्मीद है। डिजिटल प्रणाली के इस्तेमाल से माल ढुलाई से जुड़े कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने और समय बचाने में भी मदद मिल सकती है। मध्य रेलवे की इस परियोजना से मुलुंड क्षेत्र में माल परिवहन के लिए अतिरिक्त सुविधाएं विकसित होंगी। रेलवे को उम्मीद है कि बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से माल ढुलाई को प्रोत्साहन मिलेगा और सड़क मार्ग से होने वाले परिवहन पर निर्भरता घटाने में सहायता मिलेगी। हालांकि, परियोजना की वास्तविक समय-सीमा और सुविधाओं की उपलब्धता निर्माण कार्य तथा निर्धारित प्रक्रिया के पूरा होने पर निर्भर करेगी।

## इमरान खान को भारत छोड़ने के नोटिस पर सियासत तेज, वारिस पठान बोले- भाजपा नेताओं को मुस्लिम फोबिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भांजे इमरान खान को मुंबई पुलिस की ओर से 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस दिए जाने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस कार्रवाई को लेकर अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने पुलिस की कार्रवाई का समर्थन करते हुए वीजा नियमों का हवाला दिया, जबकि एआईएमआईएम प्रवक्ता वारिस पठान ने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर मुस्लिमों के प्रति पूर्वाग्रह रखने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा विधायक परिणय फुके और भाजपा नेता किरीट सोमैया ने अभिनेता के खिलाफ तीखी टिप्पणियां करते हुए उन पर देश की छवि प्रभावित करने और विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोप लगाए हैं। हालांकि, विदेशी फंडिंग और कथित साजिश से जुड़े इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि सामने आना जरूरी है। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने इमरान खान के मामले में मुंबई पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इमरान खान अमेरिकी नागरिक हैं और भारत में वीजा पर रह रहे हैं।



निरुपम के मुताबिक, विदेशी नागरिकों को भारत में रहते हुए अपने वीजा की शर्तों का पालन करना होता है। उन्होंने दावा किया कि यदि कोई विदेशी नागरिक राजनीतिक गतिविधियों या प्रदर्शनों में हिस्सा लेकर वीजा नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। निरुपम ने कहा कि इमरान खान ने कथित तौर पर वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। उनके अनुसार, हिरासत में लिए जाने के बाद अभिनेता की नागरिकता और भारत में उनके प्रवास से जुड़े पहलुओं की जानकारी सामने आई। इसके बाद उन्हें 28 अक्टूबर तक देश छोड़ने का निर्देश दिया गया। निरुपम ने इस कार्रवाई को नियमों के अनुरूप बताते हुए कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में रहते समय लागू शर्तों का पालन करना चाहिए। एआईएमआईएम प्रवक्ता वारिस पठान ने इमरान खान को भारत छोड़ने के निर्देश पर सवाल उठाए। उन्होंने भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया कि वे मुस्लिम नाम वाले लोगों को निशाना बना रहे हैं। पठान ने कहा कि भाजपा नेताओं को मुस्लिम फोबिया हो गया है और किसी व्यक्ति के नाम में 'खान' होने पर ही उसे लेकर आपत्ति जताई जाने लगती है। पठान ने यह भी सवाल उठाया कि यदि प्रदर्शन में अन्य लोग भी शामिल थे, तो क्या उनके खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान खान के मामले में कार्रवाई के पीछे राजनीतिक और धार्मिक पूर्वाग्रह हो सकता है। पठान ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना लोगों का अधिकार है और किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई के कारणों को स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने इमरान खान को आतंकवादी बताने या उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाने पर भी आपत्ति जताई। पठान का कहना है कि अभिनेता भारतीय नागरिक नहीं हैं। लेकिन इस तथ्य के आधार पर की गई कार्रवाई के औचित्य और परिस्थितियों पर सवाल उठाए जा सकते हैं। हालांकि, विदेशी नागरिकों के भारत में राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से संबंधित सकता है।

## क्रिसुमी कॉरपोरेशन गुरुग्राम में लक्जरी आवास बनाने 1,300 करोड़ करेगी निवेश

**वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास खंड में भी रखेगी कदम**

**नई दिल्ली।**

रियल एस्टेट कंपनी क्रिसुमी कॉर्पोरेशन ने गुरुग्राम में लग्जरी आवासीय परियोजनाओं में अपनी उपस्थिति और मजबूत की है। जापान की सुमितोमो कॉरपोरेशन और कृष्णा ग्रुप के संयुक्त उद्यम क्रिसुमी ने करीब 550 नए लक्जरी अपार्टमेंट बनाने के लिए 1,300 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी की योजना वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष आवास खंड में भी प्रवेश करने की है। यह निवेश कंपनी की प्रमुख आवासीय परियोजना 'क्रिसुमी सिटी' के पांचवें और छठे चरण 'द फॉरेस्ट रिजर्व' के तहत किया जा रहा है। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्थित इस परियोजना में कुल 542 अपार्टमेंट बनाए जाएंगे। कंपनी को इन नए चरणों से करीब 4,000 करोड़ रुपये का संभावित राजस्व मिलने की उम्मीद है। क्रिसुमी कॉर्पोरेशन के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने इस परियोजना को मिनी-जापानी शहर बताते हुए कंपनी की महत्वाकांक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि क्रिसुमी भविष्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास खंड में कदम रखेगी। पूरी 'क्रिसुमी सिटी' परियोजना 33.5 एकड़ में फैली है और इसमें कुल 2,772 आवास इकाइयां शामिल होंगी। 2019 में शुरू हुई यह परियोजना 2032 तक पूरी होने का लक्ष्य है, जिसमें कुल 7,000 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश होगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह सारा निवेश आंतरिक स्रोतों से किया जा रहा है और उस पर कोई कर्ज नहीं है।

## भारतीय ऑटो बाजार में ऐतिहासिक उछाल, जुलाई-सितंबर में रिकॉर्ड बिक्री

**नई दिल्ली ।**

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ( सियाम) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई-सितंबर 2026 (दूसरी तिमाही 2026-27) में भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में घरेलू वाहन बिक्री सालाना आधार पर 18.2 फीसदी बढ़कर 83.88 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है। सियाम के एक अ धिकारी ने बताया कि दूसरी तिमाही में पैसेंजर व्हीकल, दोपहिया, तिपहिया और कमर्शियल व्हीकल सहित सभी प्रमुख श्रेणियों ने अब तक की सर्वाधिक घरेलू बिक्री दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय जीएसटी 2.0 के बाद वाहनों के किफायती होने, ग्रामीण-शहरी मांग में मजबूती, माल ढुलाई में तेजी और इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों को दिया गया है। पैसेंजर व्हीकल में यूटिलिटी व्हीकल की बिक्री 34.2 फीसदी बढ़ी, जबकि दोपहिया में स्कूटरों की बिक्री 27.7 फीसदी बढ़कर सबसे आगे रही। निर्यात मोर्चे पर भी सकारात्मक रुझान दिखा। दोपहिया का निर्यात 27.7 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 16.5 लाख यूनिट पर पहुंचा। तिपहिया और कमर्शियल व्हीकल के निर्यात में भी मजबूत वृद्धि हुई। हालांकि, पश्चिम एशिया संकट और ऊंचे आधार के कारण पैसेंजर व्हीकल के निर्यात में 5.2 फीसदी की गिरावट आई। सियाम ने त्योहारी सीजन और नए वाहनों के लॉन्च के दम पर वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भी सकारात्मक वृद्धि की उम्मीद जताई है। हालांकि, उन्होंने बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण मांग पर पड़ने वाले संभावित असर के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी भी दी।

## महाराष्ट्र में खुले मसालों की बिक्री पर बैन

**- एफडीआई का जनस्वास्थ्य हित में ऐतिहासिक फैसला**

**मुंबई।**

महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए खुले मसाले बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम खाद्य पदार्थों में मिलावट पर चल रही लगातार कार्रवाई का हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों के स्वास्थ्य और मसालों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। नए नियमों के तहत अब हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा सहित सभी प्रकार के मसाले बिना पैकिंग के नहीं बेचे जा सकेंगे। यह आदेश मसाला निर्माताओं, थोक विक्रेताओं, खुदरा दुकानदारों, ऑनलाइन प्लेटफार्मों, होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग सेवाओं सहित सभी पर लागू होगा। मसालों को उत्पादन स्थल पर ही अच्छी तरह पैक और सील करना अनिवार्य होगा। पैकेट पर मसाले का नाम, सामग्री, निर्माता का विवरण, एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर, बैच नंबर, निर्माण/पैकिंग की तारीख और एक्सपायरी डेट जैसी सभी आवश्यक जानकारी देना अनिवार्य है। कंपनियां मसालों की शुद्धता या स्वास्थ्य लाभ को लेकर कोई भ्रामक दावा नहीं कर पाएंगी। साथ ही, मसाले बनाने या पीसने वालों के पास वैध एफएसएसएआई लाइसेंस होना आवश्यक है। नियमों का उल्लंघन करने पर उत्पाद जब्त करने, लाइसेंस रद्द करने और कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**सेंसेक्स 413, निफ्टी 148 अंक उछला**

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 413.66 अंक बढ़कर 74,729.27 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई एनएसई निफ्टी 148.80 अंक ऊपर आकर 23,146.15 पर बंद हुआ। यह लगातार तीसरा दिन था जब बाजार में तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों में भारी उत्साह देखा गया। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इन दो दिनों की लगातार रिकवरी से बाजार में उत्साह का माहौल है। शुक्रवार की इस तेजी का मुख्य कारण सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर के शेयरों में आया उछाल रहा। जुलाई-सितंबर तिमाही तिमाही के अच्छे परिणामों से भी बाजार उछला है। आज दिग्गज आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। उसके शेयर 8.45 फीसदी की शानदार बढ़त के साथ बंद हुए। टेक महिंद्रा के अलावा, अन्य प्रमुख आईटी कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में भी जबरदस्त तेजी रही।




भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में भी उछाल आया। वहीं, दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंटरग्लोब एविएशन, एशियन पेंट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

बाजार के जानकारों के अनुसार, घरेलू सेंटीमेंट को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के मुकाबले रुपये की मजबूती से काफी समर्थन मिला।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 फीसदी गिरकर 105.6 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिससे मुद्रास्फीति की चिंताएं कुछ कम हुईं।

## रुपया 20 पैसे मजबूत होकर 94.79 प्रति डॉलर पर खुला

**- रुपया गुरुवार को 94.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था**

**मुंबई ।**




रुपया डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे मजबूत होकर 94.79 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार विश्लेषकों के मुता बिक अमेरिकी डॉलर में नरमी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संरचनात्मक विदेशी मुद्रा हस्तक्षेपों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और शेयर बाजारों में गिरावट ने रुपये की तेजी को सीमित कर दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.75 प्रति डॉलर पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.79 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 18 पैसे की बढ़त के साथ 94.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.54 प्रतिशत टूटकर 102 पर आ गया।

## आरबीआई का बैंकों की नकदी पर शिकंजा, सीआरआर नियम हुए सख्त

**- 16 अक्टूबर से दैनिक सीआरआर का 99 फीसदी हिस्सा आरबीआई के पास रखना अनिवार्य**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के लिए नकदी रिजर्व अनुपात (सीआरआर) के नियमों को सख्त कर दिया है। 16 अक्टूबर से बैंकों को रोजाना अपनी सीआरआर राशि का 99 फीसदी हिस्सा आरबीआई के पास रखना अनिवार्य होगा, जो पहले 90 फीसदी था। यह कदम बैंकिंग सिस्टम में मौजूद लगभग 3.88 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सीआरआर वह हिस्सा है जो बैंकों को ग्राहकों की कुल जमा राशि के अनुपात में आरबीआई के पास अनिवार्य रूप से रखना होता है। नए नियम से बैंकों के पास तुरंत इस्तेमाल के लिए उपलब्ध नकदी कम होगी। इसके अतिरिक्त, आरबीआई ने फॉरेन करेंसी से जुड़े कुछ डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए भी बैंकों को कॉन्ट्रैक्ट की तय रकम के रुपये में मूल्य का 20 फीसदी हिस्सा सीआरआर खाते में रखने का निर्देश दिया है।

इस रकम पर बैंकों को ब्याज नहीं मिलता, जिससे उनकी लागत बढ़ सकती है। इन बदलावों का सीधा असर डॉलर-रुपये से जुड़े कारोबार पर दिखेगा। आयात करने वाली कंपनियों के लिए डॉलर खरीदने की लागत बढ़ सकती है। हालांकि, आम लोगों के होम लोन, पर्सनल लोन या एफडी की ब्याज दरों पर तत्काल असर की संभावना कम है, क्योंकि इन प

# सीतारमण ने कहा- भारत और अमेरिका व्यापार समझौता जल्द होने की उम्मीद

**चीन के साथ गैर-शुल्क बाधाएं और व्यापार असंतुलन प्रमुख चिंता**

**नई दिल्ली ।**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उम्मीद जताई है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को वैश्विक व्यापार तथा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के हित में जल्द से जल्द अंतिम रूप दे दिया जाएगा। थाईलैंड के बैंकॉक में आईएमएफ-विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान अटलांटिक काउंसिल के साथ बातचीत में उन्होंने बातचीत जारी होने की पुष्टि करते हुए जल्द समझौते पर हस्ताक्षर की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पहले ही घोषणा की थी कि समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप दे दिया गया है और उसके कानूनी मसौदे पर काम चल रहा है। चीन के साथ व्यापार संबंधों पर सीतारमण ने गंभीर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि वर्षों की बातचीत के बावजूद, चीन के साथ बढ़ता व्यापार असंतुलन और भारतीय उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच पर लगातार लगी पाबंदियां मुख्य चिंताएं बनी हुई हैं। भारत ने चीन में जेनेरिक दवाओं, गोवंश का मांस, सब्जियों और अन्य जल्दी खराब होने वाले उत्पादों के लिए बाजार पहुंच हासिल करने का लगातार प्रयास किया है, लेकिन वर्षों से बातचीत के बावजूद बहुत कम प्रगति हुई है।

उन्होंने गैर-शुल्क बाधाओं, विशेषकर पादप-स्वास्थ्य संबंधी उपायों को प्रमुख अवरोध बताया। वित्त मंत्री ने जोर दिया कि भारत ने दंडात्मक शुल्क के बजाय बातचीत को प्राथमिकता दी है, भले ही इस प्रक्रिया में अधिक समय लगता हो। ब्रिक्स के बारे में सीतारमण ने स्पष्ट किया कि इसे किसी देश या गुट का मुकाबला करने वाले मंच के बजाय, सदस्य देशों के लोगों के बेहतर कल्याण के उद्देश्य से बनी साझेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स दुनिया की लगभग 40 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और नए सदस्यों के साथ कुल वैश्विक व्यापार में लगभग 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है। भारत की आर्थिक वृद्धि पर वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक व्यवधानों के बावजूद, देश ने मजबूत वृद्धि बनाए रखी है और पिछले चार से पांच वर्षों से, विशेषकर कोविड-19 महामारी के बाद, यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था रहा है।



उन्होंने इस प्रदर्शन का श्रेय समावेशी वृद्धि, युवाओं के कौशल विकास, राजकोषीय अनुशासन और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी को दिया।

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश से अर्थव्यवस्था को मजबूत गुणक प्रभाव मिला है, जिससे रोजगार के अवसर पैदा हुए और आर्थिक गतिविधियों को समर्थन मिला।

# विप्रो के शेयर तिमाही रिजल्ट के बाद 6 फीसदी उछले

**मुंबई ।**

आईटी सेक्टर की कंपनी विप्रो के शेयर में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान करीब 6 फीसदी से अधिक की तेजी देखने को मिली और स्टॉक दिन के हाई लेवल 185.14 रुपये पर कारोबार करता दिखाई दिया. कंपनी ने दूसरी तिमाही में रेवेन्यू के मोर्चे पर बाजार की उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया है, हालांकि नेट प्रॉफिट में गिरावट दर्ज की गई ! इसके बावजूद ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म नोमुरा शेयर को लेकर बुलिश है। हालांकि, हर ब्रोकरेज इस शेयर को लेकर इतना उत्साहित नहीं है. मोतीलाल ओसवाल ने 170 रुपये का टारगेट देते हुए न्यूट्रल रेटिंग बरकरार रखी है। दूसरी तिमाही के नतीजे आने के बाद ब्रोकरेज नोमुरा ने विप्रो शेयर पर अपना भरोसा कायम रखा है और टारगेट प्राइस 5 फीसदी बढ़ाकर 200 रुपये कर दिया है।

गुरुवार के 174 रुपये के क्लोजिंग प्राइस के मुकाबले यह




करीब 15 फीसदी की तेजी का अनुमान है. ब्रोकरेज को उम्मीद है कि कंपनी के कारोबार में सुधार, मार्जिन और बड़े डील से आने वाले समय में शेयर को सपोर्ट मिल सकता है।

## जिंदल स्टील की इकाई का ओडिशा में माल ढुलाई टर्मिनल का पहला चरण शुरू

**नई दिल्ली ।**

जिंदल स्टील ने ओडिशा में 3,400 करोड़ रुपये की निवेश परियोजना के तहत 1.25 करोड़ टन क्षमता वाला माल ढुलाई टर्मिनल शुरू कर दिया है। कंपनी घरेलू स्तर पर इस्पात उत्पादन क्षमता बढ़ाने की प्रक्रिया में है और पारादीप में वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने से जिंदल स्टील को बंदरगाह तक लंबे समय के लिए समर्पित पहुंच सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी जिंदल पारादीप पोर्ट लिमिटेड (जेपीपीएल) के जरिये स्थापित इस परियोजना को तय समय से पहले शुरू किया गया है। जिंदल स्टील की नियंत्रक हिस्सेदारी वाली कंपनी जिंदल पारादीप पोर्ट ओडिशा में पारादीप बंदरगाह के वेस्टर्न डॉक पर सालाना 2.5 करोड़ मीट्रिक टन (एमएमटीपीए) क्षमता वाला सूखा थोक माल टर्मिनल विकसित कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि जिंदल पारादीप पोर्ट ने 15 अक्टूबर से पहले चरण की 1.25 करोड़ टन सालाना क्षमता का वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है।

# गोल्ड एफओएफ में नए निवेश पर अस्थायी रोक

**16 अक्टूबर से लागू, सेबी के निर्देश पर फंड हाउसों ने लिया फैसला**

**नई दिल्ली ।**

दिवाली से पहले गोल्ड म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक अहम खबर है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निर्देशों के बाद कई म्यूचुअल फंड कंपनियों ने गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह फैसला 16 अक्टूबर से प्रभावी हो गया है, जिससे निवेशकों को अब इन योजनाओं में नए सिरे से पैसा लगाने की अनुमति नहीं होगी। इस फैसले के तहत, गोल्ड एफओएफ योजनाओं में नए एकमुश्त निवेश, नई एसआईपी शुरू करने और मौजूदा एसआईपी की रकम बढ़ाने पर पाबंदी रहेगी। कुछ फंड हाउसों ने स्विच-इन ट्रांजैक्शन और नए सिस्टेमेटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) के रजिस्ट्रेशन पर भी प्रतिबंध लगाया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ, डीएसपी और टाटा म्यूचुअल फंड सहित कई प्रमुख फंड हाउसों ने इस संबंध में निवेशकों को नोटिस जारी किए हैं। हालांकि सेबी के निर्देश के तहत यह कदम उठाया गया है, पर इस रोक की विस्तृत वजह स्पष्ट नहीं की गई है। निवेशकों को ध्यान देना चाहिए कि यह प्रतिबंध केवल गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स पर लागू है, जबकि सीधे गोल्ड ईटीएफ में निवेश के विकल्प अभी भी खुले हैं। दशहरा और दिवाली से पहले सोने की बढ़ती मांग के बीच यह खबर निवेशकों का ध्यान खींच रही है।

## डेलॉयट का अनुमान, निजी निवेश से भारत की जीडीपी 7.3 फीसदी तक बढ़ेगी

**भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा कीमतें बने हुए हैं जोखिम**

**नई दिल्ली।**

डेलॉयट इंडिया ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.1 से 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। कंपनी के अनुसार, निजी निवेश में लगातार सुधार इस आर्थिक वृद्धि का मुख्य आधार होगा, जिससे मांग को अतिरिक्त समर्थन मिलेगा। डेलॉयट ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा है कि हालांकि भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव और व्यापार में व्यवधान आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के लिए जोखिम बने हुए हैं। डेलॉयट की एक अर्थशास्त्री के अनुसार घरेलू खर्च और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश ने पिछले दशक में भारत की आर्थिक वृद्धि को सहारा दिया है। कारोबार अब बेहतर संपर्क, मजबूत वित्तीय स्थिति और उत्पादन क्षमता के बेहतर उपयोग से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने निजी निवेश को भविष्य की वृद्धि का अहम कारक बताया, खासकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 फीसदी की वृद्धि के बाद। डेलॉयट ने वित्त वर्ष 2026-27 में भी 7.1-7.3 फीसदी और वित्त वर्ष 2027-28 में 6.6-7.0 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो आरबीआई और ओईसीडी के अनुमानों के करीब है।

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में बढ़ता निवेश निजी पूंजीगत व्यय को और बढ़ावा देगा। हालांकि, विकास के लिए जरूरी परिस्थितियों में सुधार के बावजूद, कंपनियों का भरोसा और परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की क्षमता निजी निवेश में निरंतर वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होगी।

## स्विगी ने अपनी मल्टी-रेस्टोरेंट ऑर्डरिंग सुविधा शुरू की

**अब एक साथ पांच रेस्टोरेंट्स से करें ऑर्डर, पेमेंट भी एक ही बार**

**नई दिल्ली ।**

ऑनलाइन फूड डिलीवरी के शौकीनों के लिए बड़ी खबर है। लोकप्रिय ऐप स्विगी ने अपनी मल्टी-रेस्टोरेंट ऑर्डरिंग सुविधा शुरू कर दी है, जिससे अब ग्राहक एक ही बार में पांच अलग-अलग रेस्टोरेंट्स से खाना ऑर्डर कर सकेंगे। यह उन ग्राहकों की लंबे समय से चली आ रही शिकायत को दूर करेगा जो एक ही ऑर्डर में कई जगह से खाना मंगवाना चाहते थे। इस नई सुविधा से न केवल समय बचेगा बल्कि बार-बार पेमेंट करने का झंझट भी खत्म होगा। स्विगी द्वारा लॉन्च किया गया मल्टी-रेस्टोरेंट ऑर्डरिंग फीचर यूजर्स को अभूतपूर्व सुविधा प्रदान करेगा। अब अगर परिवार के हर सदस्य की पसंद अलग-अलग है- कोई बिरयानी चाहता है, कोई मोमोज और कोई रोटी-सब्जी - तो उन्हें अलग-अलग ऑर्डर देने और बार-बार भुगतान करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ग्राहक अधिकतम पांच रेस्टोरेंट्स से अपनी पसंद की चीजें चुनकर एक ही कार्ट में जोड़ सकते हैं और सिर्फ एक बार भुगतान करके पूरा ऑर्डर दे सकते हैं। इससे




बार-बार पेमेंट और हड़बड़ का झंझट खत्म होगा और विभिन्न काट्र्स की तुलना करना भी आसान होगा। कंपनी ने यह सुविधा त्योहारी सीजन से ठीक पहले शुरू की है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को अपनी पसंद का खाना आसानी से उपलब्ध कराना और ऑर्डरिंग प्रक्रिया को सरल बनाना है। स्विगी की यह सेवा देश के 720 से भी अधिक शहरों में उपलब्ध कराई गई है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि हर रेस्टोरेंट का खाना अलग-अलग तैयार होगा और उनकी डिलीवरी भी अलग-अलग ही की जाएगी। लेकिन ग्राहकों को एक ही स्क्रीन पर सभी ऑर्डरों की स्थिति (तैयारी से लेकर डिलीवरी तक) ट्रैक करने की सुविधा मिलेगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहेगी। यह नया फीचर ऑनलाइन फूड डिलीवरी अनुभव को पूरी तरह से बदल देगा।

## एलपीजी सब्सिडी पर आधार बायोमेट्रिक अनिवार्यता को चुनौती

**दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब**

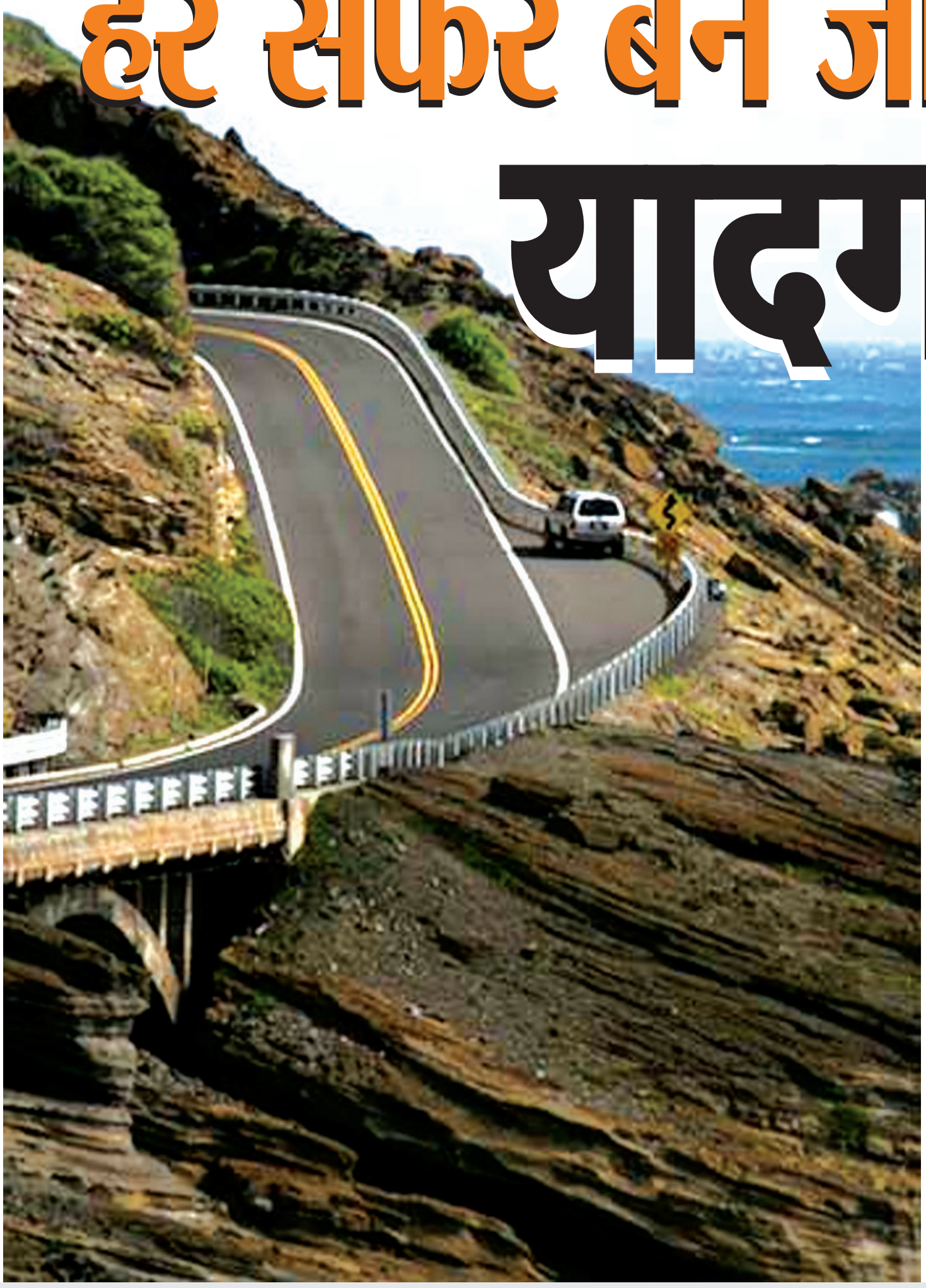
**नई दिल्ली ।**

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और सब्सिडी के लिए आधार बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन को अनिवार्य करने का केंद्र सरकार का फैसला कानूनी पचड़े में फंस गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार, पेट्रोलियम मंत्रालय और तेल कंपनियों से जवाब तलब किया है, जब एक दृष्टिबाधित वकील ने याचिका दायर कर इस नियम को दृष्टिबाधितों, बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए परेशानी भरा बताया। केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और सब्सिडी के लिए आधार बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन को अनिवार्य करने का निर्णय लिया था। सरकार का दावा है कि इस कदम से सब्सिडी के गलत इस्तेमाल को रोका जा सकेगा, फर्जी कनेक्शन खत्म होंगे और गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर लगाम लगेगी। हालांकि, इस फैसले को अब दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। 75 फीसदी तक दृष्टिबाधित ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर कहा है कि आधार वेरिफिकेशन



के लिए अनिवार्य आईरिस (आंखों की पुतली) और फिंगरप्रिंट स्कैन की शर्त दृष्टिबाधित लोगों, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों और बुजुर्गों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बनेगी। उनका तर्क है कि ऐसे लोग बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की इस प्रक्रिया को आसानी से पूरा नहीं कर पाएंगे। याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड और तीनों सरकारी तेल कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन से दो हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

# हर सफर बन जाएगा यादगार



सफर करने के बारे में सबसे मजेदार बात है, हर कदम पर किसी नई खोज का रोमांच। फिर चाहे वह किसी बच्चे द्वारा ट्रेन की खिड़की से पहली बार खुले में ऊँटों को चरते देखने का रोमांच हो या फिर पहली-पहली बार किसी अजनबी देश में कदम रखने पर नजर आने वाली एक अलग दुनिया का रोमांच।

यूँ इंसान अपने घर, अपने जाने-पहचाने माहौल के सुरक्षा कवच में सबसे सहज महसूस करता है, लेकिन नएपन की लालसा भी उसका पीछा नहीं छोड़ती। कुछ नया देखने की लालसा ही उसे दुनिया घुमा लाती है।

कभी आदिमानव कुछ नया तलाशने के लिए एक जंगल से दूसरे जंगल जाता था। आज उसका वंशज महासागर की गहराइयों में गोता लगा चुका है और अंतरिक्ष के निर्वात अंधकार में चहल-कदमी कर चुका है। इन दो विपरीत छोरों के बीच आम मानव रोज कई प्रकार के छोटे-बड़े सफर करता रहता है।

जरूरी नहीं कि यात्रा कहीं दूर की हो, बोरिया-बिस्तर बाँधकर रेल, बस, जहाज या विमान से की जाए। अपने ही शहर में, कभी उन रास्तों-गलियों से निकलिए, जहाँ से आपका अब तक गुजरना नहीं हुआ है। कुछ नया दिखेगा, कोई नई खोज होगी। सोचने के नए आयाम खुलेंगे। कोई कह गया है कि सफर का उद्देश्य मंजिल पर पहुँचना नहीं, बल्कि मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया का पूरा आनंद लेना होना चाहिए। जब हमारी निगाहें महज मंजिल पर टिकी होती हैं, तब रास्ते अक्सर अनदेखे रह जाते हैं... और कायनात का सार कोलाहल, संसार का सारा स्पंदन, जिंदगी की तमाम रेलमपेल इन रास्तों पर ही तो बिखरी पड़ी है। इन्हें नहीं देखा तो सफर महज एक ठिकाना छोड़ दूसरे ठिकाने पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना भर हुआ, जबकि सफर मौका देता है कदम-कदम पर नए झरोखे से नया संसार देखने का, नए मित्र, नए गुरु पाने का, अनसोचे अनुभवों से गुजरकर नई जानकारी, नए ज्ञान के सागर में नहाने का। खैर, सच यह है कि लोग कई कारणों से सफर करते हैं।

कोई घर या दफ्तर के किसी कार्य विशेष के सिलसिले में एक स्थान से दूसरे स्थान जाता है, कोई छुट्टियों में घूमने जाने की औपचारिकता निभाने तो कोई तीर्थ करने। बहुत कम लोग सफर करने के लिए सफर पर निकलते हैं। ऐसे लोगों को न मंजिल



पर पहुँचने की जल्दी होती है, न घर लौट आने की चिंता।

आप यह तय करके घर तो नहीं बैठ सकते कि कोई अच्छा अनुभव हो तो ही बाहर निकलूँ। जीवन के प्रवाह में छलाँग लगाने पर ही पता चलता है कि कब कौन-सा अनुभव अच्छा रहा और कब कौन-सा बुरा। छोटी-मोटी परेशानियाँ सफर का हिस्सा ही होती हैं। जब दुनिया को देखने, जानने निकले हैं तो इसके दोनों रूप देखने में ही तो यात्रा की परिपूर्णता होगी।

**सर्दी के मौसम में आमतौर पर लोग जबर्दस्त ठंड से बचने के उपाय करते रहते हैं लेकिन इससे उलट इस मौसम का मजा भी उठाया जा सकता है। हमारे देश में ऐसे कई इलाके हैं जहाँ सर्दियों में सैलानी बर्फ का मजा उठाने के लिए जाना पसंद करते हैं।**

# सर्दियों का स्वागत करता उत्तराखंड



बर्फ का मजा उठाने के लिए पहला नाम जो हमारे जेहन में आता है वह जम्मू-कश्मीर का है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सुदूर उत्तर-पूर्व का तवांग भी सर्दियों में बर्फ का मजा लेने का अच्छा ठिकाना है। बर्फ में मौज-मस्ती का मजा ही अलग है। इससे ऊर्जा भी भरपूर मिलती है और रिश्तों में गर्माहट भी आती है।

जाड़ों में मध्य हिमालय (1200 मीटर-4000 मीटर) स्थित उत्तराखंड के कई हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत हो जाते हैं। बर्फबारी में नहाया पहाड़ तो पर्यटकों को अपनी ओर चुंबक की तरह खींचता है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से लेकर फरवरी के मध्य तक उत्तराखंड के कई पर्यटक स्थलों पर बर्फ गिरती है।

अंग्रेजों के बसाए शहर नैनीताल और मसूरी तो के नजदीक होने तथा रेल स्टेशनों के बिलकुल पास होने के कारण पर्यटकों की पहली पसंद हैं। इन दोनों ही शहरों तक दिल्ली से सड़क से 7 से 10 घंटे में पहुँचा जा सकता है। मसूरी तथा नैनीताल में बर्फबारी की खबर लगते ही दिल्ली, गुड़गाँव, गाजियाबाद तथा उत्तर भारत के शहरों के पर्यटक इन पर्वतीय पर्यटक स्थलों की ओर भाग पड़ते हैं। नैनीताल में बर्फ के साथ खेलने के लिए पर्यटकों की पसंदीदा जगह तो ऐतिहासिक माल रोड ही है पर यदि माल रोड में पड़ी बर्फ पर्यटकों को कम लगे तो वे नैनीताल शहर के ऊपर स्नो व्यू, टिफिन टॉप से लेकर किलवरी मार्ग पर दूर हिमालय दर्शन तक जा सकते हैं। हिमालय दर्शन से हिमालय की चोटियों का विहंगम दृश्य दिखता है। क्रिसमस के आस-पास यदि बर्फबारी हो जाए तो पर्यटक नैनीताल में त्योहार और छुट्टियों का दोगुना आनंद लेते हैं।

राजधानी देहरादून के पास मसूरी में भी साल में 3-4 बार बर्फबारी हो जाती है। बर्फबारी के होते ही पर्यटकों का हुजूम मसूरी आ जाता है। इस भीड़ से मसूरी के नीचे किंगरेरेग तक के रास्ते जाम हो जाते हैं। मसूरी तथा नैनीताल और उसके आस-पास सभी बजट श्रेणी में पर्याप्त होटल उपलब्ध हैं। बर्फबारी का मजा लेने के लिए पर्यटक मसूरी के लाल टिब्बा, किनोग हिल, जॉर्ज एवरेस्ट, गन हिल तथा क्लाउड ऐंड स्थानों पर जाते हैं।

मसूरी से 32 किमी दूर स्थित नव पर्यटक स्थल धनौल्टी तक बर्फबारी के बीच सड़क के दोनों ओर बर्फ जम जाती है। इस मार्ग पर तब गाड़ी चलाने का आनंद दोगुना हो जाता है। चमोली जिले के जोशीमठ से 15 किमी दूर औली तो अब विश्व प्रसिद्ध स्कीइंग केंद्र तथा शीतकालीन रिजॉर्ट का रूप ले चुका है।

यहाँ 2010 के जनवरी-फरवरी में शीतकालीन सैफ खेलों का आयोजन होना है। औली में स्कीइंग के 7 दिवसीय, 14 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए तथा पर्यटकों के लिए एक-दो दिवसीय स्कीइंग करने की सुविधा गढ़वाल मंडल विकास निगम उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों के लिए तो रहने, खाने की सुविधा, उपकरणों, स्की लिफ्ट की उपलब्धता मय शिक्षक 5,500 रुपए में उपलब्ध है। पर्यटकों को बेशक एक या दो दिन स्की करने के लिए तथा हर सुविधा के लिए अलग भुगतान करना पड़ता है। रोप वे द्वारा औली पहुँच कर पर्यटक नई दुविधा में होता है।

सामने नंदा देवी सहित कई हिमाच्छादित चौटियों का दृश्य दिखता है। औली में 1,300 मीटर लंबा स्कीइंग ट्रैक उपलब्ध है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 800 मीटर लंबी चियर लिफ्ट के अलावा स्कीयरों को ऊपर पहुँचाने के लिए दो स्की लिफ्ट उपलब्ध है।

कुल मिलाकर औली में कम दामों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्की रिजॉर्ट का मजा लिया जा सकता है इसलिए विदेशी पर्यटक भी अपने देशों में महँगे स्की रिजॉर्टों में जाने के बजाय औली आकर स्कीइंग करके पैसा बचाते हैं। उत्तराखंड के पर्यटन सचिव उत्पल कुमार सिंह बताते है कि शीतकालीन सैफ खेलों के आयोजन की तैयारियों के पूरा होने के साथ औली शीतकालीन खेलों के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा।

औली के अलावा उत्तराखंड में उत्तराकाशी जिले का दयारा बुग्याल, देहरादून में चकराता के पास मुंडाली, रूद्रप्रयाग जिले का चोफता तथा पिथौरगढ़ मुंस्यारी के पास खलिया टॉप स्कीइंग के शौकीनों के लिए पसंदीदा पर्यटक स्थल है। अंग्रेजों के समय के स्थापित पर्यटक स्थलों के अलावा उत्तराखंड में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए अनगिनत स्थल है। इनमें से कई स्थल तो अभी पर्यटक मानचित्र पर आ भी नहीं पाए है। स्थली मुखवा में भी जाड़ों में अच्छी-खासी बर्फ पड़ती है।

# चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

## पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

**मुंबई (एजेंसी)।** भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था।चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।



**पैनिक अटैक में होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल** - चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एंग्जायटी में दिल की धड़कन तेज हो जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाता था।चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।'

**तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल** - चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत में मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला आईपीएल खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, जिंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपनाना आसान नहीं होता।चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।

### एशियन पैरा गेम्स

# भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को दक्षिण कोरिया ने 2-0 से हराया

**नागोया।(एजेंसी)।** एशियन पैरा गेम्स में भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को अपने अभियान के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए प्रारंभिक दौर के इस मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी जांग यंगजुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। दक्षिण कोरिया की टीम ने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल किया और भारतीय टीम को वापसी का मौका नहीं दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में आगाज निराशाजनक रहा। भारतीय टीम अब शनिवार को मेजबान जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। टीम की नजरें अगले मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करने पर होंगी। इस प्रतियोगिता में भारत, जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा चीन, ईरान तथा थाईलैंड की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं।

# संजय मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

## बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** 'मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।'



यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पोस्ट के जरिए कही।

मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर्स पिचों को बॉलिंग फ्रेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं।

**एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी** - एक दिन पहले भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।'

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

**गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल उठाए थे** - 9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।

### मांजरेकर ने 37 टेस्ट में 2043 रन बनाए, स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं

संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटर्स को स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं।
मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है।

3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी। उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे।

## संक्षिप्त समाचार

# चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई

## गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें



**नईदिल्ली (एजेंसी)।** बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।' चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

**भारत-वेस्टइंडीज टी-20 सीरीज में 98 छक्के और 104 चौके लगे** - भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही टी-20 सीरीज में 98 छक्के और 104 चौके लग चुके हैं। सीरीज में अब तक 4 मैच खेले गए हैं। इन 8 पारियों में 6 बार दोनों टीमों ने 200+ रन का आंकड़ा पार किया। दूसरे टी-20 में तो भारत ने 249 रन बनाए थे और यह टारगेट भी वेस्टइंडीज ने 9 गेंद रहते हासिल कर लिया। तीसरे टी-20 में भारत ने 223 रन बनाए और वेस्टइंडीज को 209 रन पर रोका।

**गेंद और बल्ले के बीच संतुलन जरूरी** - चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

# ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन

## विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे



**मैड्रिड (एजेंसी)।** रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा।
स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनिसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया।
रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया
विनिसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दौड़ते समय बाल खींचे थे।
इस घटना के तुरंत बाद विनिसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया।
विनिसियस 18 अक्टूबर को सेविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतांदेर और वेलेंसिया के खिलाफ अवे मैच भी मिस करेंगे।

### भारत-वेस्टइंडीज टी-20

# आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास मजबूत किया है। भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। अब सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति में कुछ अहम बदलाव करने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे तीन बदलाव, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है।



### कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में हो सकती है वापसी

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने सीरीज के शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले थे, लेकिन तीसरे और चौथे मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। ऐसे में निर्णायक मुकाबले के लिए उनकी टीम में वापसी पर विचार किया जा सकता है। कुलदीप ने इसी दौरे पर खेली गई वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। वह तीन मैचों में सात विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस प्रदर्शन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। कुलदीप ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। वह अब तक 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

### मध्य ओवरों में बल्लेबाजी की रफ्तार बढ़ानी होगी

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम को कई मौकों पर अच्छी शुरुआत मिली है, लेकिन मध्य ओवरों में रन गति बनाए रखने में परेशानी हुई है। शुरुआती ओवरों में बनाए गए दबाव को बड़े स्कोर में बदलने में टीम लगातार सफल नहीं रही है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ऐसे में भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने, नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने और ढीली गेंदों का फायदा उठाने पर ध्यान देना होगा। निर्णायक मुकाबले में मध्य ओवरों के दौरान रन गति में सुधार भारत की जीत की संभावनाओं को मजबूत कर सकता है।

### तेज गेंदबाजों को अपनी रणनीति में लानी होंगी विविधताएं

सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मुख्य रूप से अपनी गति और लाइन-लेंथ पर भरोसा किया है। हालांकि, बेंगलुरु जैसे बल्लेबाजी के अनुकूल मैदान पर केवल एक ही रणनीति के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को कटर, धीमी गेंदों और पिच पर अतिरिक्त उछाल हासिल करने वाली गेंदों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करना होगा। खासकर मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में गति में बदलाव बल्लेबाजों की लय बिगाड़ सकता है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजना बदलनी होगी। सही समय पर धीमी गेंदों का इस्तेमाल और सटीक यॉर्कर निर्णायक मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

### सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखना होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

# भुवनेश्वर 4 साल बाद आज टी-20 खेल सकते हैं, अर्शदीप की चोट के कारण टीम में शामिल



तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें टी-20 मैच में खेल सकते हैं। अर्शदीप सिंह को कंधे में चोट लग गई है। इस वजह से भुवी को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है। 36 साल के भुवनेश्वर को 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में चुना गया था। लेकिन, अर्शदीप की चोट की वजह से अभी ही उनकी वापसी हो गई है। भुवनेश्वर ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में खेला था।

### अर्शदीप चौथे मैच में चोटिल हुए थे

अर्शदीप को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए चौथे टी-20 के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। उनकी चोट को देखते हुए भुवनेश्वर को टीम में जगह दी गई है। अर्शदीप आखिरी मुकाबले में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच से पहले उनकी रिकवरी के आधार पर लिया जाएगा।

**सीरीज में भारत के टॉप विकेट टेकर हैं अर्शदीप** - अर्शदीप सिंह इस में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 4 मैचों में 5 विकेट झटके हैं। उन्होंने तीसरे मुकाबले में 44 रन देकर 3 विकेट झटके थे।भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला 22 नवंबर 2022 को न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में खेला था। उस मैच में भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 35 रन दिए। उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला था। इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं।

# भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

## बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गूंज सकती है रफ्तार की आवाज

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1) रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्त्र1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवरों को देश की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है।



**2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी** - रिपोर्टस के मुताबिक, भारत मेंएफ1 की वापसी के लिए सरकार और संबंधित पक्षों के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले 2027 में वापसी की संभावना पर विचार किया गया था, लेकिन तैयारियों के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से अब 2028 का लक्ष्य सामने आया है। हालांकि, रेस की वापसी की अंतिम तारीख और आयोजन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

**अदाणी ग्रुप और एफ1 मैनेजमेंट के बीच बातचीत** - रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप और फॉर्मूला-1 मैनेजमेंट के बीच हालिया बातचीत का भी जिक्र है। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को दोबारा रेस के लिए तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रमोटर, सरकारी सहयोग, वित्तीय व्यवस्था और सर्किट के संचालन जैसे अहम पहलुओं पर काम करना होगा।

### 2011 से 2013 तक भारत में हुई थी एफ1 रेस

भारत ने पहली बार 2011 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फॉर्मूला-1 रेस की मेजबानी की थी। इसके बाद 2012 और 2013 में भी यहां ग्रां प्री का आयोजन हुआ। इन तीनों रेस में रेड बुल के दिग्गज ड्राइवर सेबेस्टियन वेटल ने जीत दर्ज की थी। 2013 के बाद टैक्स विवाद, नियामकीय अड़चनों और वित्तीय समस्याओं के कारण भारत से स्त्र1 रेस का आयोजन बंद हो गया।
अगर सरकार, संभावित प्रमोटर और एफ 1 प्रबंधन के बीच सभी जरूरी मुद्दों पर सहमति बन जाती है, तो बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेसिंग देखने का रास्ता खुल सकता है। इससे भारत में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन और निवेश को भी फायदा हो सकता है। फिलहाल, फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

# बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

## कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।'

बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं।

बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म ङ्क पोस्ट में अपनी बात रखी।

### अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं।
सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया।

मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'

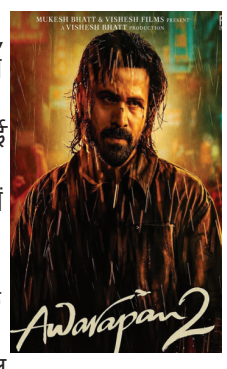


## सलमान ने अभिनेत्रियों की गलत तस्वीरें खिंचने पर दी बडे एक्शन की चेतावनी

अभिनेत्रियों की बिना सहमति के गलत और अनुचित एंगल से तस्वीरें लेने वाले पैपराजी के खिलाफ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। सलमान ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की और चेतावनी दी कि बार-बार मना करने के बावजूद ऐसी गैर-जिम्मेदाराना हरकतें जारी रखने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी इस तरह के व्यवहार के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाने के लिए सलमान खान का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान, नेहा धूपिया ने विशेष रूप से अभिनेत्रियों की तस्वीरें पीछे से या ऐसे असहज करने वाले एंगल से खींचने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल उठाए। इस पर सलमान ने साफ तौर पर कहा कि पहले कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद, कुछ पैपराजी के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस संवेदनशील मामले को सिर्फ एक मजाक समझ रहे हैं और ऐसी तस्वीरें लेना लगातार जारी रखे हुए हैं। सलमान ने दृढ़ता से घोषणा की कि अब वह इस पूरे मुद्दे पर एक बहुत बड़ा कदम उठाएंगे। सलमान ने यह भी बताया कि कुछ बड़े मीडिया प्लेटफॉर्म भी बिना सोचे-समझे इस तरह की आपत्तिजनक तस्वीरें प्रकाशित करते हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। उनके मुताबिक, किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं की गरिमा और निजता का सम्मान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई अभिनेत्री ऐसी तस्वीरों को लेकर स्पष्ट रूप से आपत्ति जताती है, तो उसकी बात को गंभीरता से लेना और उसका सम्मान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नेहा धूपिया से कहा कि अगर मना करने के बाद भी कोई इस तरह की हरकत करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। बातचीत के दौरान सलमान ने फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों के व्यवहार पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि कुछ अभिनेता और अभिनेत्रियां खुद ही पैपराजी को बुलाते हैं और अपने प्रचार के लिए खास तरह की तस्वीरें खिंचवाते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई कलाकार अपनी इच्छा से इस तरह की तस्वीरें खिंचवाना चाहता है, तो यह उसकी निजी पसंद है। लेकिन जिन लोगों को ऐसी तस्वीरें पसंद नहीं हैं या जो अपनी निजता का सम्मान चाहते हैं, उनकी सहमति और व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान करना हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है, जब सलमान खान ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की हो। सितंबर 2026 में भी, बिग बॉस के एक पिछले एपिसोड के दौरान, उन्होंने पैपराजी की तस्वीरें लेने की शैली पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने उस समय भी पूछा था कि महिला कलाकारों की तस्वीरें लेते समय कैमरों को उनके शरीर के खास हिस्सों पर केंद्रित करने की जरूरत क्यों पड़ती है।

## आवारापन 2 अब प्राइम वीडियो पर

अगर आप अभिनेता इमरान हाशमी की हिट फिल्म आवारापन 2 को थिएटर में नहीं देख पाए थे और घर बैठे इसका मज़ा लेने का इंतजार कर रहे थे, तो आपके लिए अच्छी खबर है! यह फिल्म अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित आवारापन 2 में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, पूरन गब्बी, विजयंत कोहली और सुविंदर विक्की भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म अगस्त 2026 में रिलीज हुई थी और इमरान हाशमी की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। इमरान हाशमी ने आवारापन 2 को एक दुर्लभ घटना कहा, क्योंकि इसे पिछली फिल्म के सीक्वल के तौर पर पेश किया गया था, पिछली फिल्म लगभग 20 साल पहले रिलीज हुई थी लेकिन थिएटर में दर्शकों को नहीं मिल पाई थी। इमरान हाशमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं, और कुछ ऐसी होती हैं जिनका हिस्सा होने पर आपको सचमुच गर्व होता है। आवारापन 2 दूसरी श्रेणी में आती है।






# कैंसर रोग जीवन के बारे में नई बातें सीखने का अवसर बना: सोनाली बेंद्रे

कैंसर के अपने अनुभव को साझा करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने कहा कि उन्होंने इस बीमारी को कभी जंग के रूप में नहीं देखा। अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए यह कठिन दौर अपने शरीर को समझने, उससे जुड़ने और जीवन के बारे में नई बातें सीखने का अवसर बना। यह बात अभिनेत्री सोनाली ने मराठी क्विज शो 'कोण होणार करोडपति' के प्रीमियर के दौरान कही। कार्यक्रम की मेजबानी अभिनेत्री माधुरी दीक्षित कर रही हैं। शो के दौरान माधुरी दीक्षित ने सोनाली बेंद्रे के कैंसर के अनुभव का जिक्र किया और कहा कि बीमारी से उबरने के बाद दर्शकों ने उनके व्यक्तित्व का एक मजबूत रूप देखा। माधुरी ने उनके साहस और कठिन परिस्थितियों का सामना करने के तरीके की सराहना भी की। इसके जवाब में सोनाली ने बताया कि उस समय उनका ध्यान केवल बीमारी को हराने पर नहीं था। वह यह समझना चाहती थीं कि उनके साथ ऐसा क्यों हो रहा है और इस अनुभव से वह क्या सीख सकती हैं।
अभिनेत्री ने कहा कि आमतौर पर कैंसर से उबरने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने बीमारी पर जीत हासिल कर ली, लेकिन उनके अपने अनुभव को इस तरह के शब्दों में व्यक्त करना सही नहीं होगा। सोनाली के मुताबिक, बीमारी के दौरान उन्होंने जिंदगी और अपने शरीर को देखने का नजरिया बदला। उन्होंने कहा कि इस अनुभव से उन्हें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलीं। वह इसे किसी मुकाबले के बजाय आत्मसमझ और सीखने की प्रक्रिया के रूप में देखती हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि किसी बीमारी को जंग और जीत जैसे शब्दों से जोड़ने पर ऐसा महसूस हो सकता है, मानो व्यक्ति अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ रहा हो।
उन्होंने कहा कि शरीर के भीतर मौजूद कोशिकाएं भी उसी शरीर का हिस्सा हैं। ऐसे में बीमारी से जुड़े अनुभव को केवल लड़ाई के रूप में देखना उन्हें उचित नहीं लगता। सोनाली की बात का मुख्य भाव यह था कि बीमारी से गुजरने वाले हर व्यक्ति का अनुभव अलग होता है। किसी के लिए संघर्ष की भाषा प्रेरणा देने वाली हो सकती है, जबकि कोई दूसरा व्यक्ति अपने अनुभव को समझने और उससे सीखने पर अधिक ध्यान दे सकता है। सोनाली ने अपने दृष्टिकोण को व्यक्तिगत अनुभव के रूप में साझा किया और बताया कि इस कठिन दौर ने उन्हें अपने शरीर के प्रति अधिक समझ विकसित करने का अवसर दिया।



## छह साल बाद फिर अभिनय की दुनिया में लौटने को तैयार बिपाशा बसु

बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैंस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेठवा भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्यप कपूर और राघव राज ककड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइटी मोशन पिचर्स प्रोडशंस' के बैनर तले प्रभलीन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और इंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं'।

## गोविंदा-करिश्मा के बीच कोई रिश्ता होता तो जानकारी मिलती: सोमी अली

1990 के दशक के दौरान बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच रिश्ते को लेकर चर्चाएं भी हुई थीं, लेकिन उनके कथित अफेयर की कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया। इस मामले पर अब अभिनेत्री सोमी अली ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्होंने गोविंदा और करिश्मा कपूर के रिश्ते को लेकर कभी कोई अफवाह नहीं सुनी थी। एक बातचीत में सोमी अली ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में रहते हुए भी उन्हें गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच किसी प्रेम संबंध की जानकारी नहीं मिली। उन्होंने करिश्मा कपूर का जिक्र उनके लोकप्रिय उपनाम 'लोलो' और गोविंदा का जिक्र 'चिची' नाम से करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों के अफेयर की चर्चा एक बार भी नहीं सुनी। सोमी अली ने बातचीत के दौरान सलमान खान और करिश्मा कपूर की दोस्ती का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों कलाकारों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है और उनके बीच अच्छी दोस्ती रही है। इसके बावजूद उन्होंने कभी उनके कथित अफेयर की अफवाह भी नहीं सुनी। सोमी के मुताबिक, उस समय वह खुद भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें गोविंदा और करिश्मा के रिश्ते को लेकर कोई ऐसी जानकारी नहीं मिली थी, जिससे इन चर्चाओं की पुष्टि हो सके। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी की निजी जिंदगी या रिश्तों पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करतीं। उनके अनुसार, किसी व्यक्ति का किसी के साथ रिश्ते में रहने का फैसला उसकी व्यक्तिगत पसंद है। ऐसे मामलों में दूसरों को किसी के निर्णय पर सवाल उठाने या उसे सही-गलत ठहराने का अधिकार नहीं होना चाहिए। सोमी अली ने कहा कि वह उस दौर में फिल्म जगत में मौजूद थीं। यदि गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच वास्तव में कोई रिश्ता होता, तो संभव है कि उन्हें इसकी जानकारी मिलती। हालांकि, उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं सुनी थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय वह अपनी जिंदगी और अनुभवों को समझने में व्यस्त थीं। गोविंदा और करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। उनकी लोकप्रिय जोड़ी के कारण उनके निजी रिश्तों को लेकर अटकलें लगाई जाती रही थीं।





## रणदीप हुड्डा: शोहरत के पीछे छिपी चुनौतियां

रणदीप हुड्डा अपनी दमदार अदाकारी और किरदारों के लिए की जाने वाली गहन मेहनत के लिए जाने जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों को लगातार काम का दबाव, व्यस्त शूटिंग शेड्यूल, सार्वजनिक जांच और लोगों की बेहिसाब उम्मीदों का सामना करना पड़ता है। ऐसे माहौल में मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। रणदीप का नाम मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में सामने आने के साथ एक व्यापक सवाल पर ध्यान जाता है क्या पेशेवर सफलता किसी व्यक्ति को निजी परेशानियों से बचा सकती है? दरअसल, किसी का बाहरी रूप से सफल और मजबूत दिखाई देना यह साबित नहीं करता कि वह भीतर से भी पूरी तरह ठीक है। अभिनेताओं को अक्सर अपने किरदारों में गहराई से उतरना पड़ता है, जिससे वे भावनात्मक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। रणदीप जैसे कलाकार, जो अपने काम के प्रति अत्यधिक समर्पित हैं, उन्हें अक्सर इन आंतरिक संघर्षों से जूझना पड़ता है।

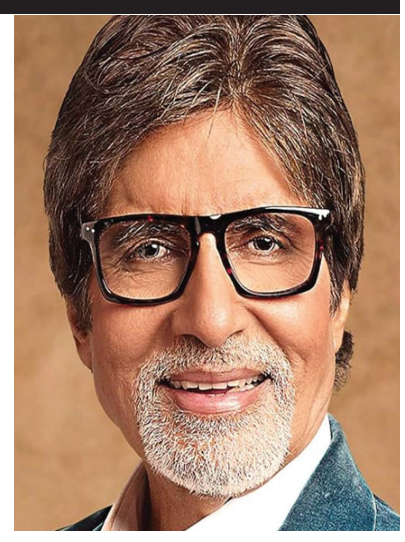
## गोंधल को मिलेगी ग्लोबल पहचान

देशभर में खूब तारीफें बटोरने और 99वें अकादमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल फ़ीचर फ़िल्म कैटेगरी के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री चुने जाने के बाद, मराठी ड्रामा गोंधल अब दुनियाभर में अपनी पहुंच बनाने जा रहा है। पैन-इंडिया पावरहाउस कंपनी होम्बले फिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म के ओवरसीज थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान अपने हाथों में ले ली है, ताकि इसे दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया जा सके। संतोष दावखर द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म गोंधल, एक बेहद इंटेंस मराठी फोक-थ्रिलर है। इस फिल्म की कास्ट की बात करें तो इसमें किशोर कदम, इशिता देशमुख, योगेश सोहोनी और निषाद भोईर जैसे बेहद टैलेंटेड एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं। अपनी दमदार कहानी, असली लगने वाले कल्चरल बैकग्राउंड और कमाल की विज़ुअल डेप्थ के लिए फिल्म लवर्स के बीच यह फिल्म अपनी एक अलग जगह रखती है। होम्बले फिल्म्स के इस कदम से भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान मिलेगी।




## सोशल मीडिया को लेकर बदल गया हमारा नजरिया: अमिताभ बच्चन

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और नकारात्मक टिप्पणियों को लेकर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना अनुभव साझा किया है। महानायक ने बताया कि शुरुआत में वह सोशल मीडिया को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का माध्यम मानते थे, लेकिन पोस्ट पर आने वाली टिप्पणियां पढ़ने के बाद उनका नजरिया बदल गया। सोशल मीडिया पर अब वह पहले की तुलना में कम लिखते हैं। यह बात उन्होंने लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के दौरान कही। शो में पहुंचे प्रतियोगी विनम्र ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर आलोचना और नकारात्मकता का सामना कैसे करते हैं। विनम्र ने कहा कि उनकी पीढ़ी के कई लोगों के लिए आलोचनाओं को संभालना मुश्किल होता है। इस पर अमिताभ ने बताया कि सोशल मीडिया पर सक्रिय होने के शुरुआती दिनों में उन्हें लगता था कि यहां बिना किसी झिझक के दिल की बात कही जा सकती है।
हालांकि, जब उन्होंने अपनी पोस्ट पर आने वाले कमेंट पढ़ने शुरू किए, तो उन्हें कई तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां देखने को मिलीं। अमिताभ ने कहा कि उनकी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोग उम्र और व्यक्तित्व को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते थे। इस तरह की टिप्पणियों को देखकर उन्हें अजीब लगता था। उन्होंने बताया कि लगातार ऐसी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखना कम कर दिया। अभिनेता ने अपने अनुभव को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा करते हुए कहा कि जब से उन्होंने कम लिखना शुरू किया है, उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ती चली गई है। अमिताभ की इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद दर्शक हंसने लगे।
उनकी बात ने सोशल मीडिया के उस पहलू की ओर ध्यान खींचा, जहां किसी व्यक्ति को अपने विचार साझा करने की स्वतंत्रता तो मिलती है, लेकिन उसे अपमानजनक टिप्पणियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अमिताभ बच्चन लंबे समय से डिजिटल मंचों पर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में अपना व्यक्तिगत ब्लॉग लिखना शुरू किया था। इसके बाद वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़े रहे। वह समय-समय पर अपने काम, अनुभवों और विचारों से संबंधित पोस्ट साझा करते रहे हैं। उनका ताजा अनुभव बताता है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता के बावजूद नकारात्मक टिप्पणियां किसी को भी प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे माहौल में अपनी प्रतिक्रिया सीमित रखना भी एक विकल्प हो सकता है।



# सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को पुलिस का नोटिस, सेंट्रल पार्क 16 और 17 अक्टूबर को बंद

## कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले दिल्ली में सुरक्षा सख्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की 'लहरा दो तिरंगा' रैली को लेकर शुक्रवार को दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पार्टी ने प्रदर्शनकारियों को शाम 5 बजे कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क पहुंचने का आह्वान किया था। हालांकि, नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू होने के कारण रैली को लेकर पुलिस और पार्टी के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधों का उल्लंघन करने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रैली से पहले दिल्ली पुलिस झंडेवालान स्थित उस बंगले पर पहुंची, जहां सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ठहरे हुए हैं। पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन नहीं करने संबंधी नोटिस दिया। इस दौरान दीपके और पुलिस अधिकारियों के बीच बहस भी हुई। दीपके ने पुलिस से कहा कि यह कोई रैली या विरोध प्रदर्शन नहीं है, बल्कि वे केवल सेंट्रल पार्क जाकर तिरंगा फहराना चाहते हैं। पुलिस ने नोटिस में सीजेपी के पिछले आचरण और सार्वजनिक व्यवस्था में व्यवधान की आशंका का हवाला दिया है। नोटिस के अनुसार, जुलाई और अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों के दौरान पार्टी का आचरण ठीक नहीं रहा था। पुलिस ने यह भी कहा कि कनॉट प्लेस में तिरंगा यात्रा निकालने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) से अनुमति नहीं ली गई है। ऐसे में प्रतिबंधात्मक आदेशों के बीच वहां जाने को नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि आदेशों की अवहेलना करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नई दिल्ली जिले में बीएनएसएस की धारा 163 लागू होने के कारण सार्वजनिक स्थानों पर लोगों के एकत्र होने को लेकर प्रतिबंधात्मक व्यवस्था प्रभावी है। कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के लिए छह हजार पुलिसकर्मियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के 22 हजार जवानों की तैनाती की जानकारी दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क हैं। इसी बीच, एनडीएमसी ने कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क को 16 और 17 अक्टूबर को आम लोगों के लिए बंद रखने का फैसला किया है। हालांकि, परिषद की ओर से पार्क बंद रखने की स्पष्ट वजह नहीं बताई गई है। पार्क बंद रहने और



प्रतिबंधात्मक आदेश लागू होने के चलते पार्टी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। नोएडा पुलिस ने इस दावे को पूरी तरह झूठा, मनगढ़ंत और बेबुनियाद बताया। पुलिस ने फैक्ट-चेक जारी कर स्पष्ट किया कि ध्रुव राठी को हिरासत में नहीं लिया गया है। साथ ही लोगों से अपील की गई कि वे ऐसी भ्रामक खबरों पर भरोसा न करें और उन्हें बिना पुष्टि के आगे न फैलाएं। इस मामले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई।

### एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ हिरासत में, महिला कार्यकर्ताओं से कथित मारपीट के मामले में एफआईआर की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन कर रहे भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के अध्यक्ष विनोद जाखड़ और कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। छात्र संगठन 10 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के दौरान अपनी महिला कार्यकर्ताओं के साथ कथित मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहा था। संगठन ने आरोप लगाया कि घटना में शामिल महिला पुलिस अधिकारी के खिलाफ शिकायत देने के बावजूद मामला दर्ज नहीं किया गया। एनएसयूआई के मुताबिक, महिला कार्यकर्ताओं के साथ कथित मारपीट के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर उसके सदस्य पुलिस स्टेशन के बाहर धरने पर बैठे थे। संगठन का कहना है कि बुधवार को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडिशनल डीसीपी) समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात करने के बावजूद उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद संगठन के कार्यकर्ताओं ने पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन कर अपनी मांग दोहराई। मीडिया से बातचीत के दौरान एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने आरोप लगाया कि 10 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के दौरान संगठन की महिला कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई थी। उन्होंने दावा किया कि कुछ कार्यकर्ताओं को एक अंधेरे कमरे में ले जाया गया, जहां उनके साथ कथित तौर पर जूते और बूट से मारपीट की गई। जाखड़ ने कहा कि संगठन पुलिस से केवल मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहा है, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी जा रही।



## पांच राज्यों में मौसम का मिजाज बदला, यूपी के 37 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** देश के कई राज्यों में मौसम ने अचानक करवट ली है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार और मध्य प्रदेश में तेज हवाओं, बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी का असर देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार सुबह से कई शहरों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। वहीं, राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। मौसम में आए बदलाव को देखते हुए विभिन्न राज्यों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किए हैं। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार सुबह से आगरा, मथुरा और हाथरस समेत पांच शहरों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम खराब होने के कारण मथुरा के सभी स्कूलों में छुट्टी करनी पड़ी। मौसम विभाग ने प्रदेश के 37 जिलों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए अलर्ट जारी किया है।

## भरूच प्लानिंग बिल्डिंग से AC कॉपर पाइप चुराने वाला आरोपी कीमती सामान के साथ पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

**भरूच।** भरूच सिटी डिवीजन पुलिस ने भरूच डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग बिल्डिंग ऑफिस कंपाउंड से कॉपर पाइप चोरी की गुत्थी सुलझा ली है और एक आरोपी को चोरी के सभी कीमती सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से करीब 6,000 रुपये कीमत के पांच द्वद कॉपर पाइप जब्त किए गए हैं। 9 अक्टूबर, 2026 की शाम 7 बजे से 12 अक्टूबर की सुबह 10 बजे तक, किसी अनजान आदमी ने प्लानिंग बिल्डिंग कंपाउंड में लगे पांच,ष्ट आउटडोर यूनिट में से दो को दीवार से फेंक दिया, जिससे करीब 10,000 रुपये का नुकसान हुआ। इसके अलावा,ष्ट के इनडोर और आउटडोर यूनिट को जोड़ने वाला करीब पांच द्वद कॉपर पाइप, जिसकी कीमत 6,000 रुपये है, चोरी हो गया। इस बारे में भरूच सिटी ;' डिवीजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई और पुलिस इंस्पेक्टर के.डी. मंग्रोलिया की देखरेख में अलग-अलग सर्विलांस टीमों ने जांच शुरू की। पुलिस ने अलग-अलग जगहों के CCTV फुटेज की डिटेल में जांच की। इसी बीच, ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल सर्विलांस से मिली जानकारी के आधार पर, यूनियन स्कूल के सामने जांच करते समय आरोपी चोरी के सामान के साथ मिला। पुलिस ने भरूच के जिला उद्योग भवन के पास सोनतलावाड़ी के रहने वाले बजरंगी कुमार जगदीशभाई वाघेला (उम्र 31) को पकड़ा। उसके पास से चोरी किए गए करीब 6,000 रुपये कीमत के पांच द्वद कॉपर पाइप जब्त कर लिए गए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है।



## अहमदाबाद में नंबर गैंबलिंग पर SMC की रेड, 18 आरोपी गिरफ्तार




महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने अहमदाबाद शहर के शाहपुर पुलिस स्टेशन के तहत मिर्जापुर चौक के मटन मार्केट में चल रहे पब्लिक नंबर गैंबलिंग ऑपरेशन पर रेड मारी और 1,18,160 रुपये का कीमती सामान ज़ब्त किया। पुलिस इंस्पेक्टर बी.पी. देसाई की टीम ने ऑपरेशन के दौरान 37,260 रुपये कैश, मोबाइल फोन नंबर-14 और गैंबलिंग लिटरेचर ज़ब्त किया। इस रेड में कुल 21 आरोपियों के खिलाफ एक्शन लिया गया है, जिनमें से 18 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीन आरोपियों को वॉन्टेड घोषित किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में अब्दुल रुमान अब्दुल रहमान पठान, पप्पू गोपी प्रसाद रेकवार, आमिर खान रहमान खान पठान, मोहम्मद शरीफ फारूकभाई शेख, जुबैर उमरभाई खांच, पूनमभाई चमनभाई ठाकोर और मोहम्मद बिलाल फरीदमिया शेख शामिल हैं। इसके अलावा, मोहम्मद सैजाद मोहम्मद यूनुस मेमन, सैयदमान शारिक खान पठान, जयंतीभाई केवलदास परमार, गुलाबखान रशीदखान, मोहम्मद साहेब बसीर मोहम्मद शेख, मोहम्मद सोहिल यूसुफमिया शेख, राजूभाई खगाजी परमार, संदीपभाई वसंतभाई शाहनी, सलीमभाई कसमभी सैयद, हरेश मणिलाल चौहान और मोहम्मदनिस अब्दुलगनी शेख को गिरफ्तार किया गया है। इस जुर्म में शाहबाज खान उर्फ ??बच्चा, उस्मानभाई और रशीदभाई नाम के तीन आरोपी वॉन्टेड हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ शाहपुर पुलिस स्टेशन में गैंबलिंग एक्ट और इंडियन पीनल कोड की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है।

## महिला आरक्षण लागू करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी, तीन विधेयक लाने की चर्चा

### लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की चुनौती



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार इसी महीने संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। इस सत्र में लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने और महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े तीन विधेयक पेश किए जाने की चर्चा है। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन (संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून 84[च](संशोधन) विधेयक शामिल हैं। सरकार की कोशिश इन विधेयकों को संसद से पारित कराने की है। हालांकि, संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। इससे पहले 16 और 17 अप्रैल को सरकार इन विधेयकों को पारित कराने के प्रयास में सफल नहीं हो पाई थी। उस समय लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई समर्थन नहीं मिल सका था। अब सरकार की ओर से संख्या बल जुटाने की कोशिश किए जाने की चर्चा है। विशेष सत्र बुलाए जाने की सूचना संभावित रूप से सत्र शुरू होने से करीब एक सप्ताह पहले दी जा सकती है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ था, लेकिन अब तक उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं किया गया है। लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं, जिनमें से तीन सीटें खाली बताई गई हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास 318 सांसद हैं। विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत के तौर पर 360 मतों की जरूरत होगी। ऐसे में सरकार को अपने मौजूदा समर्थन के अतिरिक्त सांसदों का साथ जुटाना होगा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के 22 सांसदों के समर्थन की स्थिति में विधेयक के पक्ष में सांसदों की संख्या 340 तक पहुंच सकती है। इसके बावजूद आवश्यक आंकड़े तक पहुंचने के लिए सरकार को करीब 20 और सांसदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जिनमें से तीन खाली बताई गई हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, सदन में एनडीए के 153 सांसद हैं, जबकि विधेयक पारित कराने के लिए 162 सांसदों का समर्थन जरूरी बताया गया है। इस स्थिति में सरकार को छोटी पार्टियों के कम से कम नौ सांसदों का अतिरिक्त समर्थन जुटाना होगा। विधेयकों को पारित कराने के लिए केंद्र सरकार डीएमके से समर्थन हासिल करने के प्रयास में जुटी बताई जा रही है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद डीएमके और कांग्रेस के बीच राजनीतिक दूरी बढ़ने तथा डीएमके के विपक्षी गठबंधन से अलग होने की चर्चा के बीच सरकार की यह कोशिश महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सरकार कुछ छोटे राजनीतिक दलों के संपर्क में भी है। बातचीत का उद्देश्य संसद के दोनों सदनों में आवश्यक समर्थन जुटाना है, ताकि संविधान संशोधन और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने का रास्ता तैयार किया जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन विधेयक पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। .]21झ6॥

## SMC ने डभोई के बोरियाड गांव में छापा मारा, 28.62 लाख रुपये की शराब और गाड़ी ज़ब्त की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वडोदरा।** स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने वडोदरा ग्रामीण जिले के डभोई तालुका के बोरियाड गांव में छापा मारा और बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की। पुलिस इंस्पेक्टर वाई.जे. राठौड़ की टीम ने वांकरवास के पीछे पटेल फलिया के पास एक खुली जगह में कनुभाई रामदास पटेल के शेड से लगभग 72 बॉक्स और 2,701 बोतल शराब और बीयर ज़ब्त की। पुलिस ने 13,62,612 रुपये की शराब और बीयर और एक गाड़ी ज़ब्त की है, कुल कीमत 28,62,612 रुपये है। इस मामले में डभोई पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट और इंडियन पीनल कोड की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। इस जुर्म में डभोई के जैन वागो, धवल राजूभाई जायसवाल, जय राजूभाई जायसवाल और पंड्या स्ट्रीट के राजूभाई बाबूभाई जायसवाल को वॉन्टेड घोषित किया गया है। इसके अलावा, पुलिस ने HR-26-DX-1927 नंबर वाली इनोवा कार के मालिक और ड्राइवर और शराब की क्वांटिटी भेजने वाले व्यक्ति को ढूंढ लिया है और कुल छह आरोपियों की तलाश कर रही है।



## सेंट्रल पार्क में प्रदर्शन से कारोबार प्रभावित होने की आशंका, सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल आदेश देने से किया इनकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के व्यापारी संगठनों की उस याचिका पर तत्काल आदेश देने से इनकार कर दिया, जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में प्रस्तावित प्रदर्शन से कारोबार प्रभावित होने की आशंका जताई गई थी। अदालत ने प्रदर्शन, कानून-व्यवस्था और छोटे व्यापारियों की आजीविका से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी पहलू आपस में जुड़े हुए हैं। अदालत ने उम्मीद जताई कि सभी पक्ष बेहतर समझदारी दिखाएंगे और हालात को ध्यान में रखकर व्यवहार करेंगे। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने सुनवाई के दौरान कहा, 'कोई प्रदर्शन करना चाहता है, कोई मूंगफली बेचना चाहता है, कोई कानून-व्यवस्था चाहता है, ये सभी बातें आपस में जुड़ी हैं।' उन्होंने छोटे दुकानदारों की आजीविका का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालत जानती है कि इन दिनों कई लोगों के परिवार अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष करते हैं और उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह याचिका दिल्ली किराना कमेटी और दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन की ओर से दायर की गई थी। शुक्रवार सुबह मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई की। व्यापारी संगठनों ने अदालत के सामने त्योहारों और शादी के सीजन में कारोबार प्रभावित होने की आशंका रखी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की ओर से सेंट्रल पार्क बंद किए जाने के कारण कनॉट प्लेस बाजार में व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। व्यापारियों ने दावा किया कि इससे बाजार में रोजाना करीब 200 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। उनका कहना है कि इसका असर केवल बड़े कारोबारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ठेले लगाने वालों, छोटे दुकानदारों और अन्य व्यापारियों की आय पर भी पड़ सकता है। व्यापारी संगठनों ने अपनी याचिका में यह भी दावा किया कि 10 अक्टूबर से जारी प्रदर्शनों के कारण उन्हें करीब 2,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। उन्होंने त्योहारों और शादी के सीजन का हवाला देते हुए कहा कि इस अवधि में कारोबार में व्यवधान से व्यापारियों की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। हालांकि, ये नुकसान संबंधी आंकड़े याचिकाकर्ताओं की ओर से किए गए दावे हैं सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए एनडीएमसी ने कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क को 16 और 17 अक्टूबर को आम लोगों के लिए बंद रखने का फैसला किया है। व्यापारियों का कहना है कि पार्क बंद रहने और प्रदर्शन से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण बाजार आने वाले ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। इससे आसपास की दुकानों और छोटे कारोबारियों को नुकसान होने का खतरा है।



व्यापारी संगठनों ने अदालत से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल आदेश जारी नहीं किया। अदालत की टिप्पणी में छोटे व्यापारियों की आजीविका और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिखाई दिया। 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित था सीजेपी का प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर धरने का ऐलान किया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने पार्टी के प्रदर्शन को रोक दिया था। इस दौरान पार्टी के शीर्ष नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को हिरासत में लिया गया था। दी गई जानकारी के अनुसार, तीनों को विमान से ही हिरासत में लिया गया था। मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें रविवार सुबह करीब 10 बजे रिहा करने का आदेश दिया था।

## जोलवा में दुकान से 6.95 लाख रुपये की नशीली तरंग विजयवती गोलियां ज़ब्त की गईं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भरूच।** भरूच की एंटी-नारकोटिक्स विंग ने वागरा तालुका के जोलवा गांव में प्लैटिनम कॉम्प्लेक्स के सामने फिलाटेक्स चौराहे पर देव नारायण टी कॉर्नर नाम की एक दुकान पर छापा मारा और 6.95 लाख रुपये का सामान ज़ब्त किया। दुकान से 13 द्वद 400 ग्राम नशीली तरंग विजयवती गोलियां बरामद की गईं एक टिप-ऑफ के आधार पर, ANW टीम ने छापा मारा और पाया कि गोविंद शंकर रेबारी (उम्र 27) गैर-कानूनी तरीके से नशीली गोलियां रख रहा था और बेच रहा था। पुलिस ने 6.70 लाख रुपये की गोलियां और 25 हजार रुपये का एक मोबाइल फोन बरामद किया, जिसकी कुल कीमत 6.95 लाख रुपये थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी गोविंद रेबारी दूधराम नाम के एक राजस्थानी आदमी से पैसे का फायदा उठाने और अपनी दुकान में बेचने के इरादे से गोलियां मंगवा रहा था। इस मामले में दहेज पुलिस स्टेशन में NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। इस मामले में गोविंद शंकर रेबारी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूधराम नाम का एक राजस्थानी आदमी वॉन्टेड है। पता चला है कि वह अभी वागरा तालुका के भेंसली गांव में रहता है और असल में राजस्थान के लछुड़ा गांव का रहने वाला है। उसका पूरा नाम और पता जानने के लिए आगे की जांच की गई है।

## इलॉन मस्क की कंपनी ने दिखाई सेकेंड जनरेशन रोडस्टर की झलक, रॉकेट जैसी थ्रस्टर तकनीक से उड़ान और हवा में घूमने का दावा; बुकिंग के लिए 50 हजार डॉलर जमा कराने होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला ने 16 अक्टूबर को अपनी सेकेंड जनरेशन रोडस्टर कार का एक खास प्रदर्शन दिखाया। प्रदर्शन के दौरान कार एक बड़े घुमावदार रैंप पर ऊपर की ओर बढ़ी, उल्टी हुई और फिर हवा में उछलकर घूमते हुए जमीन पर सुरक्षित उतर गई। कंपनी के प्रमुख इलॉन मस्क ने इस प्रदर्शन को टेस्ला और स्पेसएक्स के इंजीनियरों के संयुक्त प्रयास का नतीजा बताया। कार में रॉकेट तकनीक से प्रेरित थ्रस्टर प्रणाली का इस्तेमाल करने की बात कही गई है। कंपनी के दावों के मुताबिक, यह कार भविष्य में तेज रफ्तार के साथ हवा में कलाबाजियां दिखाने में भी सक्षम हो सकती है। मस्क ने सफल प्रदर्शन के बाद कहा, 'चलिए, यह काम कर गया।' उन्होंने बताया कि कार को हवा में उठाने और नियंत्रित करने के लिए विशेष तकनीक विकसित की गई है। हालांकि, यह प्रदर्शन कार की क्षमताओं को लेकर किए गए दावों का हिस्सा है। इसकी वास्तविक क्षमता, सुरक्षा और व्यावहारिक इस्तेमाल का आकलन उत्पादन मॉडल तथा स्वतंत्र परीक्षणों के बाद ही किया जा सकेगा। मस्क के अनुसार, रोडस्टर में उच्च दबाव वाली हवा के टैंक और विशेष थ्रस्टर लगाए गए हैं। इनमें ऊंचाई और दिशा को नियंत्रित करने वाले थ्रस्टर के साथ पीछे की ओर मुख्य थ्रस्टर शामिल हैं। इस व्यवस्था में दबाव वाली गैस को तेजी से बाहर निकालकर अतिरिक्त धक्का पैदा किया जाता है, जिससे वाहन को उठाने या उसकी दिशा नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। इस तकनीक को कोल्ड-गैस थ्रस्टर कहा जाता है। अंतरिक्ष में उपग्रहों और अंतरिक्ष यानों की दिशा बदलने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसमें ईंधन को जलाने के बजाय दबाव वाली गैस बाहर निकालकर बल पैदा किया जाता है। टेस्ला की योजना इस तकनीक को कार में इस्तेमाल करने की है, हालांकि इसका व्यावहारिक रूप और उत्पादन मॉडल में उपलब्धता अभी देखना बाकी है।



मस्क ने दावा किया कि रोडस्टर महज 0.81 सेकंड में शून्य से 97 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। यदि उत्पादन मॉडल में यह क्षमता हासिल होती है, तो यह कार की शुरुआती गति बढ़ाने के मामले में नया मानक स्थापित कर सकती है। फिलहाल इसे कंपनी के दावे के रूप में ही देखा जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान एक दर्शक ने मस्क से पूछा कि क्या इस कार को सामान्य सड़कों पर चलाया जा सकेगा। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सड़क कैसी है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कार को व्यावहारिक इस्तेमाल को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। मस्क ने यह भी बताया कि रोडस्टर टेस्ला की ऐसी कार होगी, जिसे केवल मैन्युअल तरीके से चलाया जा सकेगा। उन्होंने इसके डिजाइन में सुरक्षा को लेकर भी टिप्पणी की। ऐसे में कार की वास्तविक सड़क उपयोगिता, सुरक्षा मानकों और नियामकीय मंजूरी को लेकर आगे की जानकारी महत्वपूर्ण होगी। मस्क ने रोडस्टर का उत्पादन 2028 में शुरू करने की योजना बताई है। कार की बुकिंग के लिए 50 हजार डॉलर जमा कराने होंगे। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यह राशि करीब 48 लाख रुपये के बराबर बताई गई है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, बुकिंग के लिए जमा की जाने वाली रकम पूरी तरह वापस की जा सकती है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.